# नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, शनिवार 21 मार्च 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 301 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

धनबाद स्थित एसएनएमएमसीएच का निरीक्षण करते झारखंड के मुख्य सचिव अविनाश कुमार

## संक्षिप्त समाचार

### कृषि बाजार में युवक की हत्या

**धनबाद(नबिटा ब्यूरो)।** सदर थाना क्षेत्र के रणधीर वर्मा चौक के पास स्थित कृषि बाजार की खंडहरनुमा दुकान में एक युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान रोहित सिंह के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि रोहित सिंह कई वर्षों से इसी खंडहरनुमा दुकान में रहकर जीवन यापन कर रहा था। यह घटना देर रात की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों की नजर जब खंडहरनुमा दुकान के नीचे खून पर पड़ी, तब इस वारदात का खुलासा हुआ। ऊपर जाकर देखने पर वहां एक युवक का शव मिला।

### संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव बरामद

**मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)।** जिला मुख्यालय के रेडमा इलाके में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव बरामद हुआ है। मृत युवक के शरीर पर कपड़े नहीं है। मृत युवक की पहचान पलामू के नावाबाजार थाना क्षेत्र के चनेया गांव निवासी सौरव कुमार के रूप में की गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। सौरव बहन के रिश्तेदार के घर पर से वापस लौट रहा था। इसी क्रम में उसे उल्टी होने लगी थी। बाद में वह रास्ते से गायब हो गया था। शुक्रवार को उसका शव बरामद हुआ है।

### थाना हाजत में एक व्यक्ति ने की आत्महत्या

**कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)।** जिले के जयनगर थाने के हाजत में एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। उस पर शराब के नशे में अपनी पत्नी के साथ मारपीट करने का आरोप था। पत्नी की लिखित शिकायत के बाद जयनगर पुलिस ने उसे हिरासत में लिया था। मृतक की पहचान परसाबाद के कटिया गांव के रहने वाले विजय यादव के रूप में हुई है।

### सरस मेला में करंट लगने से दुकानदार की मौत

**रांची(नबिटा ब्यूरो)।** राजधानी रांची में आयोजित मेले में एक दुकानदार की करंट लगने की वजह से मौत हो गई। आंधी और बारिश की वजह से दुकानदार करंट की चपेट में आ गया था। घटना के बाद लोगों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया जहां गुरूवार देर रात उसकी मौत हो गई। मृतक दुकानदार 23 वर्षीय मो जुनैद बिहार के भागलपुर का रहने वाला था।

### मजदूर की संदिग्ध अवस्था में मौत

**चतरा(नबिटा ब्यूरो)।** जिले में एक ईंट भट्ठा पर काम करने गए मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने ईंट भट्ठा मालिक पर मजदूर की हत्या का आरोप लगाया है। यह घटना वशिष्ठ नगर जोरी थाना क्षेत्र में हुई है। मृतक की पहचान करमा पंचायत के मदनपुर गांव निवासी 30 वर्षीय विनोद गंजू के रूप में हुई है। विनोद निमियाटांड़ स्थित विनोद भारती और सोनू भारती के ईंट भट्ठे पर काम करने गया था।

## ईद-उल-फितर और सरहुल पर रांची में नहीं होगा भारी वाहनों का प्रवेश

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**रांची।** ईद-उल-फितर और प्रकृति के पर्व सरहुल पर झारखंड की राजधानी रांची में शनिवार 21 मार्च 2026 की सुबह 6:00 बजे से ही भारी वाहनों की एंट्री नहीं होगी। इसका कारण यह है कि इस साल मुस्लिम धर्मावलंबियों की ईद-उल-फितर और आदिवासी समुदाय का प्रकृति पर्व सरहुल 21 मार्च को एक साथ मनाए जाएंगे। ईद के मौके पर शहर के विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना है। वहीं, सरहुल पर्व पर सरना स्थलों में पूजा के बाद शोभायात्रा निकाली जाएगी। सुबह से शाम तक शहर की सड़कों पर उमड़नेवाली भीड़ के मद्देनजर यातायात पुलिस ने शहर की यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। ट्रैफिक एसपी ने शहर के कई प्रमुख मार्गों पर आवागमन बंद रखने और डायवर्जन लागू करने का निर्णय लिया है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार ईद की नमाज और सरहुल शोभायात्रा को देखते हुए शनिवार सुबह 6:00 बजे से शहर में भारी वाहनों की नो इंट्री लागू कर दी जाएगी।

वहीं, दोपहर से शहर की प्रमुख सड़कों पर सामान्य वाहनों का परिचालन भी रोक दिया जाएगा। भारी वाहनों को रिंग रोड की ओर डायवर्ट कर दिया जाएगा। इसके अलावा मालवाहक छोटे व्यवसायिक वाहनों का शहर में प्रवेश भी पूरी तरह बंद रहेगा। हालांकि, छोटे वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से चलाया जाएगा। बताया गया है कि ईद को लेकर सुबह 6:00 बजे से नमाज की समाप्ति तक हरमू बाइपास रोड (किशोरगंज चौक से रातू रोड) पूरी तरह बंद रहेगा। वहीं, महात्मा गांधी मार्ग (मेन रोड), अंबेडकर चौक से राजेंद्र चौक, प्लाजा चौक से लालपुर चौक सहित कई हिस्सों में यातायात पर रोक रहेगी। डोरंडा, सुजाता चौक, कडरू पुल आदि मार्गों से वाहनों को डायवर्ट किया जायेगा। इधर, दोपहर बाद शहर के विभिन्न इलाकों से निकलनेवाली सरहुल शोभायात्राएं रेडियम चौक, शहीद चौक, अलबर्ट एक्का चौक, सुजाता चौक होते हुए सिरमटोली सरना स्थल तक पहुंचेंगी। मेन रोड पर सैनिक मार्केट, काली मंदिर चौक टैक्सी स्टैंड और अलबर्ट एक्का चौक के पास पार्किंग की सुविधा उपलब्ध रहेगी। हरमू ईदगाह के लिए गोशाला के समीप पार्किंग स्थल निर्धारित किया गया है। दूसरे स्थानों पर तैनात पदाधिकारी उपलब्ध खाली जगह के अनुसार पार्किंग सुनिश्चित कराएंगे। दोपहर में निकलनेवाली सरहुल शोभायात्रा कांके रोड, रातू रोड, बोड़ेया रोड, रेडियम चौक, शहीद चौक, अलबर्ट एक्का चौक, मेन रोड, सुजाता चौक होते हुए मुंडा चौक से सिरमटोली सरना स्थल तक जायेगी।

## ट्रैक्टर ने बाइक सवारों को कुचला, तीन की मौत

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**बोकारो।** जिले के लालपनिया सीमावर्ती क्षेत्र में बीती रात बालू लदे ट्रैक्टर से हुई दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सबसे पहले ट्रैक्टर चालक ने एक बाइक सवार 60 वर्षीय चंद्र साव ने ट्रैक्टर के ट्रॉली में टक्कर मार दी, जिससे उनकी वहीं मौत हो गई। इसके बाद चालक ट्रैक्टर लेकर भागने लगा। बाइक सवार दो युवक 22 वर्षीय कृष्णा मुर्मू और 23 वर्षीय उमेश किस्कू उसका पीछा करने लगे और इसी दौरान ट्रैक्टर ने दोनों को कुचल दिया। इस घटना में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक ट्रॉली को मौके पर छोड़ ट्रैक्टर लेकर भाग निकला। वहीं, तीन लोगों कीं मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार को लालपनिया रोड को जाम कर दिया। वे मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे की मांग कर रहे थे।

## होर्मुज स्ट्रेट में फंसे रांची निवासी भारतीय जहाज के कैप्टन का निधन

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**रांची।** झारखंड की राजधानी रांची निवासी और मर्चेंट नेवी के अनुभवी 47 वर्षीय शिप कैप्टन राकेश रंजन सिंह का निधन हो गया। उनकी मौत हार्ट अटैक से होने की बात कही जा रही है। वह पश्चिम एशिया में ईरान-इजराइल तनाव के कारण होर्मुज स्ट्रेट की खाड़ी में फंसे जहाज 'अवाना' पर तैनात थे। इस दुखद घटना के बाद रांची स्थित उनके परिवार में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार कैप्टन राकेश रंजन सिंह 2 फरवरी को रांची से दुबई के लिए रवाना हुए थे और छुट्टी के बाद उन्होंने शिप 'अवाना' को ज्वाइन किया था। जहाज तेल लेने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य गया था। तेल लोड करने के बाद 1 मार्च को जहाज भारत के लिए रवाना हुआ लेकिन क्षेत्र में बढ़े तनाव और युद्ध जैसे हालात के कारण जहाज को समुद्र में ही रोक दिया गया। दुबई से लगभग 60 किलोमीटर दूर समुद्र में जहाज करीब 18 से 20 दिनों तक लंगर डालकर खड़ा रहा। बताया जा रहा है कि जहाज पर कैप्टन राकेश रंजन सिंह के अलावा लगभग 35 अन्य स्टाफ सदस्य भी मौजूद हैं। लंबे समय तक समुद्र में फंसे रहने और तनावपूर्ण परिस्थितियों के बीच 18 मार्च को अचानक कैप्टन राकेश सिंह की तबीयत बिगड़ गई। स्थिति गंभीर होते देख जहाज के कनीय अधिकारियों ने दुबई एटीसी से संपर्क कर एयर एंबुलेंस की मांग की लेकिन क्षेत्र में जारी संघर्ष के कारण एयर एंबुलेंस की अनुमति नहीं मिल सकी। इसके बाद उन्हें बोट के माध्यम से दुबई के तट तक लाया गया लेकिन इलाज मिलने में हुई देरी भारी पड़ गई। अस्पताल पहुंचने से पहले ही उन्हें हार्ट अटैक आया और उनकी मृत्यु हो गई।

## ईद और सरहुल को लेकर पुलिस अलर्ट

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**रांची।** झारखंड में 21 मार्च को दो महत्वपूर्ण पर्व एक साथ मनाए जाएंगे। सरहुल और ईद 21 मार्च को है। इसे देखते हुए राजधानी रांची में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। राजधानी रांची में सुरक्षा के लिए 5000 फोर्स की तैनाती की गई है। वहीं कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से पूरे शहर पर निगरानी रखने की व्यवस्था भी की गई है। 21 मार्च यानी शनिवार को मुस्लिम धर्मावलंबी शांति और भाईचारे का पर्व ईद मनाएंगे। शनिवार की सुबह रांची के विभिन्न मस्जिदों में ईद की नमाज अता की जाएगी। 21 मार्च को ही झारखंड के बड़े पर्व में शामिल सरहुल भी मनाया जाएगा। शनिवार की दोपहर रांची के विभिन्न इलाकों से सरहुल की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसमें लाखों की संख्या में लोग भाग लेंगे। ऐसे में राजधानी रांची की सुरक्षा व्यवस्था को

### रांची में पांच हजार जवानों की तैनाती

बेहद पुख्ता की गई है। इस संबंध में रांची के सीनियर एसपी राकेश रंजन ने बताया कि राजधानी में पुलिस मुख्यालय के द्वारा अतिरिक्त बल उपलब्ध करवाया गया है। राजधानी रांची में लगभग 5000 बल तैनात किए गए हैं। इसमें जिला पुलिस के साथ-साथ आईआरबी, जैप, होमगार्ड्स और केंद्रीय बल भी शामिल हैं। रांची के सभी संवेदनशील स्थान पर फोर्स की तैनाती की गई है। इसके अलावा सभी थाना प्रभारी को यह निर्देश दिया गया है कि वह अपने-अपने क्षेत्र में नियमित रूप से गश्त करते रहें। सरहुल की शोभायात्रा दोपहर के समय निकाली जाती है और देर रात तक शोभायात्रा में शामिल लोग अपने-अपने घर लौटते हैं। ऐसे में सभी डीएसपी और थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया है कि वह जब तक शोभायात्रा समाप्त नहीं हो जाती है तब तक अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहें। साथ ही गश्ती दल को भी क्षेत्र में भ्रमण करवाते रहें और माइकिंग की व्यवस्था रखें। राजधानी रांची में सरहुल की शोभायात्रा रांची के अल्बर्ट एक्का चौक से होते हुए ही निकलती है। ऐसे में सबसे ज्यादा भीड़ अल्बर्ट एक्का चौक पर ही होती है। ऐसे में अल्बर्ट एक्का चौक में अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। यहां पर पुलिस ड्रोन का भी इस्तेमाल करेगी। इसके अलावा शहर में लगभग एक दर्जन ड्रोन और 500 सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था भी की गई है। कचहरी स्थित पुलिस कंट्रोल रूम में अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है जो पूरी शोभायात्रा के दौरान सीसीटीवी कैमरे से भीड़ पर नजर रखेंगे।

## कुल्हाड़ी से काटकर दंपति को मार डाला

**चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)।** जिले के गोइलकेरा क्षेत्र में एक दंपति की सोते समय कुल्हाड़ी से हत्या कर दी गई। सुबह बच्चों ने शव देख शोर मचाया, जिसके बाद ग्रामीणों की मदद से उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके से हथियार बरामद कर जांच शुरू करने के साथ आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। पुलिस के अनुसार इस वारदात को अज्ञात हमलावरों ने अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि सुबह जब दंपति के बच्चों ने अपने माता-पिता को खून से लथपथ हालत में पड़ा देखा तो उन्होंने तुरंत शोर मचाया और आसपास के लोगों को बुलाया। इसके बाद ग्रामीण दोनों को आनन-फानन में नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। चक्रधरपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) कुमार विनोद ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने घटनास्थल से एक कुल्हाड़ी भी बरामद की है जिसे हत्या में इस्तेमाल किया गया माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और आरोपियों की पहचान तथा गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

## सरहुल की पूर्व संध्या पर जनजातीय लोकनृत्यों ने बांधा समां

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**रांची।** राजधानी रांची में सरहुल पर्व की पूर्व संध्या पर आयोजित भव्य सांस्कृतिक समारोह ने शहर को पारंपरिक रंगों में सराबोर कर दिया। सरना नवयुवक संघ की केंद्रीय समिति के तत्वावधान में रांची विश्वविद्यालय के दीक्षांत मंडप परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम ने झारखंड की समृद्ध आदिवासी संस्कृति और परंपराओं की झलक पेश की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही, जहां पारंपरिक वेशभूषा, संगीत और नृत्य ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह की खास बात यह रही कि इसमें झारखंड की विभिन्न जनजातीय भाषाओं और संस्कृतियों का संगम देखने को मिला। कुड़ुख, हो, मुंडारी,

संथाली और नागपुरी भाषाओं के लोकनृत्यों की प्रस्तुति ने दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। कलाकारों ने पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन पर जब मंच संभाला, तो पूरा परिसर उत्साह और उमंग से भर उठा। हर प्रस्तुति में प्रकृति, परंपरा और सामुदायिक जीवन की झलक साफ दिखाई दी, जो सरहुल पर्व के मूल भाव को जीवंत कर रही थी। छात्र-छात्राओं ने भी इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे कलाकारों की ऊर्जा और तालमेल ने कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया। हर प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।

## अस्पताल की चौथी मंजिल से कूदकर मरीज ने दी जान

**जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)।** शहर में अवस्थित एमजीएम अस्पताल में शुक्रवार तड़के एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 25 वर्षीय मरीज अरशद आलम ने चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार अरशद आलम को तीन दिन पहले अस्पताल के मेडिसिन विभाग में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार सुबह वह अपनी मां से शौच जाने की बात कहकर वार्ड से बाहर निकला। कुछ ही देर बाद तेज आवाज सुनाई दी, जिसके बाद लोग मौके की ओर दौड़े। वहां युवक को खून से लथपथ हालत में पाया। इसके बाद अस्पताल कर्मियों ने तुरंत उसे इमरजेंसी वार्ड में पहुंचाया लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक नशे की लत और मानसिक तनाव से जूझ रहा था। घटना के बाद अस्पताल में भर्ती अन्य मरीजों और उनके परिजनों में डर का माहौल है। वहीं, मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और उसकी मां गहरे सदमे में है। अस्पताल प्रशासन ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हर पहलू से घटना की जांच कर रही है।

## जेएसएफडीए के स्थापना दिवस पर उच्च शिक्षा में सुधार पर जोर

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**रांची।** झारखंड राज्य संकाय विकास अकादमी (जेएसएफडीए) के प्रथम स्थापना दिवस के अवसर पर 20 मार्च को राजधानी रांची के होटल बीएनआर चाणक्या में पहला वार्षिक कॉन्क्लेव आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में राज्य के केंद्रीय, सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों के कुलपति, शिक्षाविद, नीति निर्माता और विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सुधार, नवाचार और बेहतर शासन व्यवस्था को लेकर व्यापक विमर्श करना रहा। सम्मेलन की शुरुआत उद्घाटन सत्र से हुई जिसमें उच्च शिक्षा विभाग के निदेशक सह जेएसएफडीए के सह-कार्यकारी निदेशक सुधीर बारा (आईएएस) ने स्वागत भाषण दिया। इसके बाद प्रधान सचिव सह जेएसएफडीए के अध्यक्ष राहुल कुमार पुरवार ने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता सुधार और संस्थागत विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं बीआईटी मेसरा के कुलपति डॉ इंद्रनील मन्ना और प्रख्यात शिक्षाविद पी कंडास्वामी ने भी अपने विचार रखते

हुए शिक्षा में नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने की बात कही। सम्मेलन के दौरान विभिन्न विषयों पर पूर्ण सत्र आयोजित किए गए। पहले सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संकाय की क्षमता निर्माण पर चर्चा हुई। इसमें शिक्षकों को नई शिक्षण पद्धतियों और कौशल से लैस करने की जरूरत पर बल दिया गया। दूसरे सत्र में प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल शिक्षा के दौर में शिक्षकों की बदलती भूमिका पर मंथन हुआ। शिक्षाविदों का कहना है कि आने वाले समय में शिक्षकों को तकनीक के साथ तालमेल बैठाकर छात्रों को अधिक व्यावहारिक और परिणाम आधारित शिक्षा देनी होगी। दोपहर बाद आयोजित सत्र शिक्षकों का रूपांतरण और बेहतर शासन व्यवस्था में शिक्षण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनाने के उपायों पर चर्चा की गई। इस दौरान शिक्षा प्रशासन में सुधार और संस्थागत क्षमता बढ़ाने के विभिन्न पहलुओं पर विचार साझा किए गए। जेएसएफडीए का रोडमैप विषय पर केंद्रित रहा जिसमें भविष्य की रणनीति और कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई। इस सत्र में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और शिक्षाविदों ने मिलकर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में ठोस कदम उठाने की दिशा तय की। कार्यक्रम के दौरान आधिकारिक लोगो बनाने की प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया और विशेष अतिथियों ने भी अपने विचार साझा किए। समापन संबोधन में राहुल कुमार पुरवार ने कहा कि यह सम्मेलन उच्च शिक्षा में सुधार के लिए मील का पत्थर साबित होगा और इससे राज्य में अकादमिक सहयोग और गुणवत्ता में वृद्धि होगी। जेएसएफडीए की स्थापना का उद्देश्य शिक्षकों, छात्रों और अन्य हितधारकों के सतत विकास के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाना है। यह मंच राज्य और देश के विभिन्न संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ाने, नई पहल को साझा करने और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।


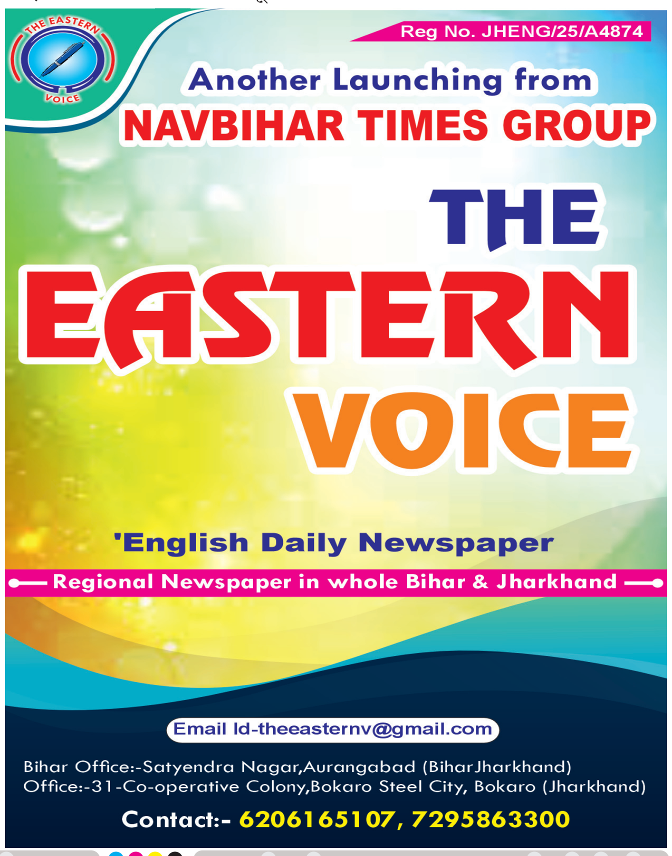



C M Y K

# ईद व रामनवमी को लेकर सुरक्षा कड़ी, 32 वाहनों को दिखाई गई झंडी

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**गिरिडीह।** आगामी ईद और रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से झारखंड सरकार के मंत्री सुदीव्य कुमार ने बड़ा चौक से 32 पुलिस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उपायुक्त रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक डॉ बिमल कुमार समेत जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के वरीय अधिकारी उपस्थित रहे इस अवसर पर मंत्री सुदीव्य कुमार ने कहा कि पर्व-त्योहार आपसी भाईचारे, प्रेम और एकता के प्रतीक होते हैं और इन्हें शांतिपूर्ण तरीके से मनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने पुलिस बल को निर्देश दिया कि वे पूरी सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ अपनी ड्यूटी निभाएं, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। साथ ही उन्होंने कहा कि आम जनता का विश्वास बनाए रखना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है रवाना किए गए 32 पुलिस वाहनों में अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो त्वरित प्रतिक्रिया देने में सक्षम हैं।

इन वाहनों को जिले के विभिन्न संवेदनशील एवं भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा, जिससे हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जा सके और पेट्रोलिंग को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके उपायुक्त रामनिवास यादव ने बताया कि पर्वों के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। संवेदनशील स्थानों की पहचान कर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। साथ ही दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त तैनाती सुनिश्चित की गई है, ताकि हर स्थिति पर त्वरित नियंत्रण किया जा सके। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और किसी भी भ्रामक सूचना फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी पुलिस अधीक्षक डॉ बिमल कुमार ने भी बताया कि सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। शांति समिति के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है और सोशल मीडिया पर अफवाहों को रोकने के लिए विशेष नजर रखी जा रही है।

उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे प्रशासन का सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें रवाना किए गए ये वाहन लगातार दिन-रात गश्त कर संवेदनशील इलाकों, बाजारों, प्रमुख चौक-चौराहों एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर नजर रखेंगे। इससे न केवल असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगेगा, बल्कि आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा भी मजबूत होगा। प्रशासन ने विश्वास जताया कि सभी के सहयोग से ईद और रामनवमी का पर्व शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ संपन्न होगा।

## डीएलसीसी बैठक में योजनाओं की समीक्षा लंबित आवेदनों के निष्पादन का निर्देश

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**गिरिडीह।** समाहरणालय सभागार में जिला उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सलाहकार समिति (डीएलसीसी) की तृतीय तिमाही बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई उपायुक्त ने सभी विभागों को मिशन मोड में कार्य करते हुए लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों को सिडी रेशियो सीडीरतिओ बढ़ाने और विभिन्न योजनाओं में वंचित लाभुकों को शत प्रतिशत किसान क्रेडिट कार्ड केसीसी से आच्छादित करने पर विशेष जोर दिया बैठक में नाबार्ड (नाबार्ड) के पीएलपी 2025-26, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पीएमईजीपी प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड अप इंडिया, आरसेटी आर सेटी के कार्यों सहित जमा साख, एनपीए एवं स्वयं सहायता समूहों के क्रेडिट लिंकेज जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की गई।

# जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनीं लोगों की समस्याएं, समाधान के निर्देश

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**गिरिडीह।** जिला उपायुक्त रामनिवास यादव ने आज अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार आयोजित कर आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए मामलों को चिन्हित कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर निस्तारण का निर्देश दिया गया उपायुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि जनता दरबार में प्राप्त सभी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आवेदकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के

आवश्यक निर्देश दिए जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को प्रशासन से सीधे जोड़ना और उनकी समस्याओं का पारदर्शी एवं शीघ्र निवारण करना रहा।

उपायुक्त ने प्रत्येक आवेदक की बात ध्यानपूर्वक सुनी और मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।जनता दरबार में मुख्य रूप से जमीन विवाद, पेंशन योजना, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा एवं सड़क निर्माण से जुड़ी समस्याएं सामने आईं। कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि जटिल चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन की जिम्मेदारी है कि हर जरूरतमंद तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी इस पहल के माध्यम से प्रशासन और आम जनता के बीच संवाद को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके और लोगों का प्रशासन पर विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सह प्रभारी पदाधिकारी, जन शिकायत कोषांग सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### गरिडीह में अलविदा जुमा पर उमड़ी नमाजियों की भीड़, अमन-शांति के लिए मांगी दुआ

**गिरिडीह (नबिटासं)।** पवित्र रमजान माह के अंतिम शुक्रवार ह्यअलविदा जुमाह्ल के अवसर पर गिरिडीह शहर की विभिन्न मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कड़ी धूप के बावजूद लोगों में उत्साह और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला।शहर की प्रमुख लाइन मस्जिद में इतनी भीड़ हो गई कि नमाजियों को सड़क पर भी कतारबद्ध होकर नमाज अदा करनी पड़ी। इस दौरान छोटे-छोटे बच्चों में भी खासा उत्साह नजर आया और वे बड़े ही श्रद्धा भाव से इबादत में शामिल हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा के महानगर उपाध्यक्ष नौशाद अहमद चांद ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद नमाजियों के जोश में कोई कमी नहीं दिखी। उन्होंने बताया कि रमजान के 30 रोजे मुकम्मल होने जा रहे हैं और कल पूरे हर्षोल्लास के साथ ईद का पर्व मनाया जाएगा नमाज अदा करने के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने देश-दुनिया के साथ-साथ गिरिडीह में अमन, शांति और भाईचारे की कामना करते हुए विशेष दुआएं मांगी। पूरे शहर में आध्यात्मिक माहौल और उत्सव की तैयारी का माहौल बना हुआ है।

### परिवार नियोजन पखवारा शिविर में हुआ 22 महिलाओं एवं 02 पुरुषों का बंध्याकरण

**डंडखोरा/कटिहार (नबिटासं)।** सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डंडखोरा में परिवार नियोजन पखवारा (6 से 20 मार्च) का आयोजन किया गया।जिसके तहत योग्य दंपत्तियों को परिवार नियोजन के लाभ एवं उसके उपायों की जानकारी दी गई।इस दौरान जहां अस्थायी साधन गर्भ निरोधक गोली एवं कॉपर टी के उपयोग की जानकारी देकर उसके सेवन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वहीं परिवार नियोजन के स्थायी स्थायी साधन बंध्याकरण ऑपरेशन के बारे में बताकर बंध्याकरण कराने को लेकर प्रेरित भी किया गया।इसको लेकर प्रति शनिवार को ऑपरेशन शिविर भी लगाया गया।जानकारी देते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा.प्रदीप कुमार ने बताया कि जनसंख्या नियंत्रण को लेकर विभाग द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है।विभागीय निदेर्शानुसार योग्य दंपतियों का सर्वेक्षण कराकर स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा परिवार नियोजन के साधनों का उपयोग करने तथा बंध्याकरण ऑपरेशन कराने को लेकर प्रेरित किया गया। उन्होंने बताया कि इसी को लेकर सीएचसी में 6 मार्च से 20 तक मार्च परिवार नियोजन पखवारा का आयोजन किया गया।जिसमें तीन दिन बंध्याकरण शिविर भी लगाया गया। डा.कुमार ने बताया कि 13 मार्च को 09 महिला,18 मार्च को 11 महिला एवं 02 पुरुष तथा 20 मार्च को 02 महिलाओं का बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया। उन्होंने बताया कि अंतिम दिन के शिविर में 06 महिलाए ऑपरेशन के लिए पहुंची थी।लेकिन जांच में गड़बड़ी पाए जाने से 04 महिलाओं को वापस कर दिया गया।

### पोठिया में अखंड हरिनाम संकीर्तन शुरू भक्ति में डूबा गांव

**सालमारी/कटिहार (नबिटासं)।** सालमारी थाना क्षेत्र के पोठिया गांव में श्री श्री 108, 24 प्रहर 72 घंटे का अखंड हरिनाम संकीर्तन का आयोजन शुक्रवार से श्रद्धा और उत्साह के साथ शुरू हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कलश शोभायात्रा से हुई। जिसमें महिलाएं, बुजुर्गो और बच्चों सहित सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। भगवा वस्त्र धारण किए श्रद्धालुओं ने जय श्री राम जय के उद्घोष के साथ पूरे गांव का माहौल भक्तिमय बना दिया। शोभायात्रा बाबा गोरखनाथ धाम मंदिर से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गो से होते हुए यज्ञ स्थल

तक पहुंची। वहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत कलश स्थापना कर यज्ञ का शुभारंभ किया गया। यज्ञ स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। जहां राधा-कृष्ण, गौर-निताई, बजरंगबली, विष्णु और ब्रह्मदेव सहित कई प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत पश्चिम बंगाल से आई रासलीला मंडलियां और कीर्तन मंडलियां भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की लीलाओं की प्रस्तुति दे रही हैं। जिसे देखने के लिए आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। यह धार्मिक आयोजन 23 मार्च को प्रतिमा विसर्जन के साथ संपन्न होगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष पींढाल पंचायत के उपमुखिया सह भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश मंडल ने बताया कि यह कार्यक्रम गांव की आस्था और एकता का प्रतीक है।

# जल अर्पण दिवस पर जल योजना का ग्राम समिति को अंतरण

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**गिरिडीह ।** जिला उपायुक्त रामनिवास यादव के निदेर्शानुसार जल जीवन मिशन के तहत चल रहे जल महोत्सव पखवाड़ा के अवसर पर गांवा प्रखंड के नीमाडीह बहु-ग्रामीण जलापूर्ति योजना अंतर्गत लौरिया वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) में जल अर्पण दिवस का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व प्रखंड विकास पदाधिकारी, गांवा ने किया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जलापूर्ति योजना को ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को हस्तांतरित करना था, ताकि भविष्य में इसके संचालन और रख-रखाव की जिम्मेदारी स्थानीय स्तर पर प्रभावी ढंग से निभाई जा सके। वर्तमान में नीमडीह एवं जमडार पंचायतों के कुल 23 गांवों में हर घर तक जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है इस अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमार यादव ने कहा कि सरकार की योजनाएं इस सोच के साथ बनाई जाती हैं कि उनका संचालन भविष्य में समुदाय स्वयं करे। उन्होंने जल सहिया बहनों से अपील की कि वे 2300 घरों से नियमित रूप से जल कर संग्रह कर उसे समिति के खाते में जमा करें, जिससे योजना का सुचारू संचालन संभव हो सके। उन्होंने कहा कि यह मॉडल सफल रहा तो राज्य और देश स्तर पर एक आदर्श उदाहरण बन सकता है कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख गांवा, सांसद एवं विधायक प्रतिनिधि, कनिष्ठ अभियंता, सहायक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारी, यूनिसेफ के प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। इस दौरान योजना का विधिवत हस्तांतरण ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को किया गया। समापन अवसर पर पारंपरिक तरीके से एक घड़े में जल अर्पित कर जल संरचनाओं की सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लिया गया। साथ ही सभी ने मिलकर योजना को सफल बनाने का भरोसा जताया।

# ओवरलोडेड वाहनों पर प्रशासन सख्त, 11 वाहन जब्त

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**गिरिडीह ।** जिले में ओवरलोडिंग के खिलाफ प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। उपायुक रामनिवास यादव के निर्देश पर शुक्रवार को जिला परिवहन पदाधिकारी संतोष कुमार के नेतृत्व में ताराटांड़ थाना एवं महतोडीह पिकेट के पास सघन जांच अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान कुल 11 ओवरलोडेड वाहनों को जब्त किया गया। महतोडीह पिकेट पर 7 वाहनों को पकड़ा गया, जबकि ताराटांड़ थाना क्षेत्र में 4 वाहनों पर कार्रवाई की गई। जांच में सभी वाहन निर्धारित क्षमता से अधिक माल लेकर चलते पाए गए जिला परिवहन पदाधिकारी ने मौके पर ही वाहनों के कागजातों की जांच की और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर जब्ती के साथ जुमार्ने की प्रक्रिया शुरू की गई उन्होंने कहा कि ओवरलोडिंग सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है। इससे न केवल आम लोगों की जान को खतरा होता है, बल्कि सड़कों और पुल-पुलियों को भी भारी नुकसान पहुंचता है अभियान में पुलिस विभाग की भी सक्रिय भागीदारी रही, जिससे कार्रवाई प्रभावी ढंग से पूरी की जा सकी। प्रशासन द्वारा विभिन्न स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है जिला परिवहन पदाधिकारी ने वाहन चालकों और मालिकों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और ओवरलोडिंग से बचें। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगे भी ऐसे वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी प्रशासन का मानना है कि इस तरह के अभियान से जिले में यातायात व्यवस्था मजबूत होगी और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

# रामनवमी संरक्षण समिति ने उपायुक्त से की शिष्टाचार मुलाकात

**नशामुक्त रामनवमी के लिए संकल्प ले और मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के आदर्शों को आत्मसात करें रामभक्त : प्रशांत कुमार प्रधान**

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**हजारीबाग।** राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त हजारीबाग की रामनवमी के सफल संचालन को लेकर जिला प्रशासन, हजारीबाग पुलिस, श्री श्री चैत्र रामनवमी महासमिति, रामनवमी संरक्षण समिति सद्भावना विकास मंच सहित अन्य सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने अपने स्तर से तैयारी शुरू कर दी है।

इसी क्रम में हजारीबाग की रामनवमी के सफल संचालन में अपनी महत्ती भूमिका निभाने वाले रामनवमी संरक्षण समिति ने भी अपनी ओर से तैयारी शुरू कर दी है जिसको लेकर रामनवमी संरक्षण समिति के

कार्यकारी अध्यक्ष निशांत कुमार प्रधान संरक्षक विजयानंद दास, राजेश गोप, राजकुमार गोप, ओमप्रकाश गोप मीडिया प्रभारी प्रदीप कुमार सिन्हा ने हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह से शिष्टाचार मुलाकात किया।

इस दौरान सबों ने एक स्वर में उपायुक्त को आश्वस्त कराते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामनवमी संरक्षण समिति अपने दायित्वों के प्रति संकल्पित होते हुए रामनवमी जुलूस के सफल संचालन में अपनी महत्ती भूमिका निभाते हुए नशा मुक्त रामनवमी के लिए लोगों को प्रेरित करेगा आगे रामनवमी संरक्षण समिति ने उपायुक्त को दंगल प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया रामनवमी संरक्षण समिति के अध्यक्ष प्रशांत कुमार प्रधान ने हजारीबाग के लाखों राम भक्तों से अपील करते हुए कहा है कि इस वर्ष की रामनवमी पूर्णतया नशा मुक्त हो इसके लिए हजारीबाग के युवा संकल्प लें और मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के आदर्शों को आत्मसात करें।

# प्रकृति पर्व सरहुल की धूम, पूर्व प्रत्याशी ने मांदर की थाप पर किया पारंपरिक नृत्य

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**सरहुल केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी अटूट आस्था, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक एकता का प्रतीक : मुन्ना सिंह**

**हजारीबाग।** सदर विधानसभा क्षेत्र के सदर प्रखंड अंतर्गत गुरहेत पंचायत के बहोरनपुर गांव में प्रकृति पर्व 'सरहुल' बड़े ही हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह मुख्य अतिथि के रूप से शामिल हुए और स्थानीय ग्रामीणों के साथ उत्सव की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम में आयोजन समिति के महेश तिग्गा मुखिया गुरहेत पंचायत), सुरेश तिग्गा, प्रीतम तिग्गा, बसंत केरकेट्टा सहित अन्य सदस्यों ने मुन्ना सिंह का पारंपरिक तरीके से गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

मुख्य पहान ने उन्हें सरहुल का पवित्र फूल भेंट किया, जो इस पर्व की विशिष्ट परंपरा है। उत्सव के दौरान मुन्ना सिंह ने मांदर की थाप पर स्थानीय भाई-बहनों के साथ कदम से कदम मिलाकर पारंपरिक नृत्य किया। आदिवासी संस्कृति की इस जीवंत झलक का उन्होंने भरपूर आनंद लिया। अपने संबोधन में मुन्ना सिंह ने कहा, "सरहुल केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी अटूट आस्था, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक एकता का प्रतीक है।" उन्होंने लोगों से प्रकृति के संरक्षण के लिए जागरूक रहने की अपील की और सभी क्षेत्रवासियों को सरहुल की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर बैहरी पंचायत के मुखिया पवन यादव विक्की कुमार धान, दिनेश यादव शंभू केरकेट्टा, सुभास्तम केरकेट्टा, प्रसन केरकेट्टा, सुनील तिग्गा, अरुण केरकेट्टा, नितेश केरकेट्टा, विक्रम केरकेट्टा, सुरेश केरकेट्टा, नीरज कुमार एवं मधु केरकेट्टा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

# पूर्व विधायक योगेंद्र साव 3 साल के लिए कांग्रेस से निष्कासित

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**केरेडारी (हजारीबाग)।** झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी की अनुशासन समिति ने पूर्व विधायक सह कृषि मंत्री योगेंद्र साव पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें कांग्रेस की सदस्यता से तीन वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया है। यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर गठबंधन सरकार और मुख्यमंत्री के खिलाफ लगातार आपत्तिजनक पोस्ट एवं बयान देने के आरोप में की गई है। प्राप्त पत्र के अनुसार, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी (अनुशासन समिति) की ओर से जारी पत्रांक 140/03/2026 दिनांक 20 मार्च 2026 में कहा गया है कि योगेंद्र साव लगातार सोशल मीडिया के माध्यम से वर्तमान गठबंधन सरकार एवं मुख्यमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट कर रहे थे। पत्र में यह भी उल्लेख है कि उन्होंने हाल ही में फेसबुक लाइव वीडियो के माध्यम से भी सरकार के विरुद्ध आपत्तिजनक बयान दिया। अनुशासन समिति ने इसे कांग्रेस पार्टी के अनुशासनात्मक नियमों का उल्लंघन बताते हुए कहा है कि चूंकि वर्तमान गठबंधन सरकार में कांग्रेस भी शामिल है, इसलिए इस प्रकार के सार्वजनिक बयान से न केवल गठबंधन में असहजता उत्पन्न हुई, बल्कि कांग्रेस पार्टी की छवि भी धूमिल हुई है। पत्र में कहा गया है कि योगेंद्र साव का यह कृत्य कांग्रेस पार्टी के अनुशासनात्मक नियम की धारा-04 (क), (ख), (ग) का उल्लंघन है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो को इसका साक्ष्य माना गया है।

# जंगलों में धधक रही आग, प्रशासन मौन, हर साल करोड़ों खर्च, फिर भी जंगल असुरक्षित

**वन विभाग और जिला प्रशासन की चुप्पी पर उठे बड़े सवाल, आखिर जंगल जलाने वाले कब होंगे बेनकाब?**

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**केरेडारी (हजारीबाग)।** जिले के जंगल इन दिनों आग की लपटों में घिरे हुए हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि इस गंभीर मामले पर जिला प्रशासन और वन विभाग की चुप्पी कई सवालों को जन्म दे रही है। हर वर्ष सरकार द्वारा जंगल बचाने, पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन जब जंगलों में आग लगती है तो जमीनी हकीकत यही सामने आती है कि ह्लवही ढाक के तीन पातह्व। जंगलों में लगी आग सिर्फ पेड़-पौधों को ही नहीं निगल रही, बल्कि बेजुबान वन्य जीवों के जीवन पर भी बड़ा संकट खड़ा कर रही है। आग की चपेट में आकर छोटे जीव-जंतु, पक्षी और सरीसृपों के मरने की आशंका बढ़ गई है।

दूसरी ओर, जंगलों से उठता धुआं वायुमंडल को जहरीला बना रहा है, जिससे पर्यावरण संतुलन भी बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

### हर साल उठती है आग, लेकिन जिम्मेदारों पर नहीं होती कार्रवाई

स्थानीय लोगों का कहना है कि जंगलों में आग लगने की घटनाएं कोई नई बात नहीं हैं। हर साल गर्मी शुरू होते ही जंगल धधकने लगते हैं, लेकिन इसके बावजूद वन विभाग द्वारा न तो कोई ठोस रोकथाम व्यवस्था की जाती है और न ही आग लगाने वालों की पहचान कर उन पर सख्त कार्रवाई होती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जंगलों में आग लगाने वाले असली कसूरवार कौन हैं? और अगर वन विभाग को इसकी जानकारी है, तो फिर अब तक उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं हुई? कागजों में संरक्षण, जमीन पर विनाश। सरकारी फाइलों में जंगलों की सुरक्षा, पौधारोपण, अग्निरोधी प्रबंधन और वन्यजीव संरक्षण के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं। हर वर्ष लाखों-करोड़ों की योजनाएं चलाई जाती हैं, लेकिन जब आग लगती है तो न तो पर्याप्त संख्या में वनकर्मी नजर आते हैं और न ही कोई आपातकालीन व्यवस्था। ग्रामीणों का आरोप है कि फायर लाइन की व्यवस्था कमजोर है, जंगलों की निगरानी नाममात्र की है, गश्ती दल समय पर सक्रिय नहीं होते, आग बुझाने के संसाधनों का अभाव है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर जंगल बचाने के नाम पर खर्च हो रही राशि का हिसाब कौन देगा?

### वन्य जीवों पर मंडरा रहा है मौत का खतरा

जंगल में आग लगने का सबसे भयावह असर उन बेजुबान वन्य जीवों पर पड़ता है जो अपने प्राकृतिक आवास में ही फंस जाते हैं। आग लगने से घोंसलों में अंडे और चूजे नष्ट हो जाते हैं। खरगोश, नेवला, साही, सांप, छिपकली जैसे छोटे जीव भाग नहीं पाते। हिरण, जंगली सूअर जैसे जानवर सुरक्षित क्षेत्रों की ओर भागते हैं। जैव विविधता को गहरा नुकसान पहुंचता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि बार-बार लगने वाली आग से जंगल की प्राकृतिक पुनरुत्पादन क्षमता भी प्रभावित होती है।

### धुएं से बिगड़ रहा पर्यावरण, बढ़ रहा प्रदूषण

जंगलों में लगने वाली आग का असर सिर्फ वन क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। इसका धुआं दूर-दूर तक फैलकर हवा की गुणवत्ता खराब करता है। सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ाता है। तापमान में वृद्धि करता है। मिट्टी की उर्वरता घटाता है। जलस्रोतों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यानी जंगल की आग, पर्यावरण और जनजीवन दोनों के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है।

### जनता पूछ रही है सिर्फ पौधारोपण की फोटो या सच में संरक्षण?

जिले में हर साल बड़े स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाए जाते हैं, फोटो खिंचती है, प्रचार होता है, लेकिन जब उन्हीं जंगलों को बचाने की बात आती है तो जिम्मेदार विभागों की सक्रियता पर सवाल उठ जाते हैं। लोग पूछ रहे हैं कि क्या जंगल बचाने की योजनाएं सिर्फ कागजों और फोटो सेशन तक सीमित हैं? क्या वन विभाग की जिम्मेदारी सिर्फ पौधा लगाने तक है, बचाने तक नहीं?

### प्रशासन की चुप्पी से बढ़ रहा आक्रोश

जंगलों में लगातार आग लगने और जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं होने से स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। ग्रामीणों और पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि यदि समय रहते निगरानी बढ़ाई जाती, फायर लाइन दुरुस्त होती, वनकर्मियों की गश्त बढ़ती, और आग लगाने वालों पर सख्त कार्रवाई होती तो शायद हर साल इस तरह जंगलों को आग के हवाले नहीं होना पड़ता। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या जिला प्रशासन और वन विभाग जंगलों को यूं ही जलते हुए देखते रहेंगे? या फिर इस बार आग लगाने वालों की पहचान कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी? जंगल सिर्फ पेड़ों का समूह नहीं, बल्कि पर्यावरण, वन्यजीव और मानव जीवन की सुरक्षा कवच हैं। अगर इन्हें बचाने के नाम पर हर साल करोड़ों खर्च होते हैं, तो उसका असर जमीन पर भी दिखना चाहिए।

# बालू की अवैध ढुलाई की प्रभावी रोकथाम, राजस्व वृद्धि व कार्यों में लाएं पारदर्शिता : कमिश्नर

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**मेदिनीनगर (पलामू)**। प्रमंडलीय आयुक्त कुमुद सहाय पलामू के जिला परिवहन कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने विभागीय कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा की। उन्होंने राजस्व संग्रह, लंबित मामलों के निष्पादन, आम जनता को दी जा रही सुविधाओं तथा कार्यालय व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। आयुक्त ने राजस्व वसूली में तेजी लाने, राजस्व संग्रहण में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बरतने, बालू की अवैध ढुलाई की प्रभावी रोकथाम, वाहन निबंधन, कर वसूली, फिटनेस जांच एवं ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित कार्यों में तेजी लाने तथा लंबित मामलों को शीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया। आयुक्त ने बकायेदार वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने सहित परिवहन कार्यालय की ओर से दी जाने वाली सेवाओं को सुदृढ़ करने एवं कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कार्यालय की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए साफ- सफाई, अभिलेखों का संधारण एवं नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम लोगों को सरल, सुलभ एवं समयबद्ध सेवा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने सड़क सुरक्षा के मद्देनज़र बिना हेलमेट, ओवरलोडिंग, बिना फिटनेस, स्पीड चेकर के माध्यम से ओवर स्पीड की जांच करने एवं बिना वैध कागजात वाले वाहनों के विरुद्ध नियमित जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। साथ ही आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए अभियान चलाने पर बल दिया। आयुक्त ने हिट एंड रन, गुड समेरिटन, निलाम पत्र वाद, मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना के तहत संचालित हो रहे वाहनों की स्थिति, ड्राइविंग लाइसेंस को स्मार्ट कार्ड में परिवर्तन आदि की भी गहण समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन वाहनों का परमिट जिस रूट के लिए निर्धारित है, उसका परिचालन संबंधित मार्गों से ही कराना सुनिश्चित कराएं। आयुक्त ने कहा कि एमवीआई को अब समन की शक्ति प्राप्त हो गई है। ऐसे में उन्हें राजस्व वृद्धि संबंधी कार्यों में तेजी लाने की आवश्यकता है। आयुक्त ने मेदिनीनगर के शहरी क्षेत्र में ऑटो एवं टोटो को मुख्य सड़क से खाली रखवाने, सड़क पर ही सवारी नहीं बैठाने देने का सख्त निर्देश दिया, ताकि सड़क जाम की स्थिति से निजात मिले। आयुक्त द्वारा निरीक्षण के दौरान आयुक्त के सचिव बिजय वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# गैर सरकारी विद्यालयों को मान्यता देने हेतु उपायुक्त की अध्यक्षता में बैठक

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**खूंटी**। गैर सरकारी निजी विद्यालयों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियमके तहत मान्यता प्रदान करने को लेकर समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त आर० रॉनिटा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर समाहर्ता परमेश्वर मुण्डा, सांसद एवं माननीय विधायक के प्रतिनिधिगण, जिला शिक्षा पदाधिकारी तथा जिला शिक्षा अधीक्षक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिला शिक्षा अधीक्षक द्वारा जानकारी दी गई कि जिले से कुल छह गैर सरकारी निजी विद्यालयों द्वारा मान्यता प्राप्त करने हेतु आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें पटेल पब्लिक स्कूल, आइडियल नेशनल अकादमी, बिरसा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सहित अन्य विद्यालय शामिल हैं। उपायुक्त एवं समिति के सदस्यों द्वारा एक-एक कर सभी विद्यालयों के आवेदनों एवं दस्तावेजों की गहन समीक्षा की गई। इस क्रम में निर्धारित मानकों के अनुरूप विद्यालयों के लिए आवश्यक भूमि, आधारभूत संरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर), फायर सेफ्टी, शिक्षकों की योग्यता सहित अन्य जरूरी मापदंडों का बारीकी से परीक्षण किया गया। बैठक में सभी पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श करते हुए आवश्यक निर्णय लिए गए।

# हजारीबागः पूर्व मंत्री योगेंद्र साव के आवास पर चला प्रशासन का बुलडोजर

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**हजारीबाग**। जिले में गुरुवार को प्रशासन और एनटीपीसी प्रबंधन ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता योगेंद्र साव के आवास को ध्वस्त कर दिया। यह आवास बड़कागांव स्थित एनटीपीसी की चट्टी बरियातू कोल माइंस के ठीक सामने जोरदाग झुमरी टांड़ में स्थित था। जिस भूमि पर योगेंद्र साव का घर बना था, वह भूमि आधिकारिक तौर पर खनन क्षेत्र के लिए आवंटित है। लंबे समय से इस क्षेत्र को खाली करने के निर्देश दिए जा रहे थे। गुरुवार को भारी संख्या में पुलिस बल और दंडाधिकारियों की उपस्थिति में बुलडोजर ने इस निर्माण को जमींदोज कर दिया। कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति या विरोध से निपटने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए थे। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई पूरी तरह से नियमसम्मत है और खनन कार्यों में आ रही बाधाओं को दूर करने के उद्देश्य से की गई है। एनटीपीसी के चट्टी बरियातू कोल माइंस क्षेत्र में कोयला उत्पादन को सुचारू रूप से चलाने के लिए इस भूमि का अधिग्रहण और वहां से अवरोध हटाना अनिवार्य था।

# व्यवसायी के घर पर अंधाधुंध फायरिंग

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**औरंगाबाद**। बारून थाना क्षेत्र के जनकोप गांव में बीती रात अज्ञात अपराधियों द्वारा एक धान-चावल व्यवसायी के घर पर अंधाधुंध फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। पीड़ित व्यवसायी ने पूर्व में रंगदारी की मांग को लेकर मिली धमकी के बाद इस वारदात को अंजाम दिए जाने की आशंका जताई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जनकोप निवासी अजय प्रसाद गुप्ता ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि 14 मार्च को उन्हें फोन कर जान से मारने की धमकी देते हुए पैसों की मांग की गई थी। इसके पांच दिन बाद 19 मार्च की रात करीब 10 से 11 बजे के बीच बाइक सवार चार से पांच अपराधी उनके घर पहुंचे और ताबड़तोड़ फायरिंग कर फरार हो गए। पीड़ित के अनुसार फायरिंग की आवाज सुनकर वे छत पर पहुंचे, जहां से उन्होंने दो बाइकों पर सवार अपराधियों को भागते हुए देखा। घटना के बाद जांच करने पर घर की दीवार और दुकान के शटर पर गोली लगने के निशान पाए गए। मौके से तीन कारतूस के अवशेष भी बरामद किए गए हैं। सूचना मिलते ही बारुण पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पीड़ित ने आशंका जताई है कि धमकी देने वाले गिरोह के ही लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया है और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

# अफवाहों से बचें, आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं त्योहार

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**हुसैनाबाद**। रामनवमी, ईद व सरहुल पर्व को लेकर गुरुवार को हुसैनाबाद थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीपीओ एस मोहम्मद याकूब ने की। संचालन पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने किया। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी गौरांग महतो,जिप उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टुटू सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष अजय कुमार भारती, नपं उपाध्यक्ष सुनील कुमार चौधरी, अंचल पदाधिकारी पंकज कुमार, बीडीओ सुनील वर्मा के अलावा ईदगाह कमिटी और रामनवमी पूजा समिति के लोग मौजूद थे। बैठक को संबंधित करते हुए एसडीएम गौरांग महतो ने कहा की सभी पर्व आपसी भाईचारा और सौहार्द के साथ मनाये। यही प्रशासन की प्राथमिकता भी है, साथ ही उन्होंने कहा की जुलूस के दौरान डीजे पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। मौके पर एसडीपीओ एस मोहम्मद याकूब ने कहा की 20 या 21मार्च को ईद और 27या 28मार्च को रामनवमी जुलूस के मद्देनजर शांति व्यवस्था बनी रहे पुलिस प्रशाशन के साथ साथ आप सभी सम्मानित शांति समिति सदस्यों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का भी दायित्व बनता है।सोशल मीडिया पर प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी। भड़काऊ या आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले चाहे कोई भी हो उन्हें बक्सा नहीं जाएगा। जेल जाना तय है। बैठक में विभिन्न पूजा समितियों के प्रतिनिधियों के द्वारा जुलूस मार्ग की साफ सफ़ाई , प्रयाप्त प्रकाश,पेयजल व्यवस्था की मांग की गई, जबकि ईदगाह कमिटी द्वारा मस्जिदों में अदा करने वाली नमाज का समय की जानकारी दी। अधिकारियों ने सभी मांगों पर साकारात्मक विचार कर आवश्यक करवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य रूप से रामनवमी पूजा समिति के लोकनाथ केशरी, रामप्रवेश सिंह, पूर्व नगर अध्यक्ष शशि कुमार,पूर्व नगर उपाध्यक्ष गयासुद्दीन सिद्दीकी, पूर्व नपं अध्यक्ष ऊषा देवी,धनंजय शौंडिक, संतोष मेहता, रामाशंकर चौधरी, मुखिया अमरेंद्र ठाकुर, डॉ एजाज आलम, पूर्व वार्ड पार्षद सुहैल आलम, जफर इमाम, सोनू चन्द्रवंशी, पूर्व वार्ड पार्षद नज़ीर अहमद, जुल्फिकार अली, वार्ड पार्षद राजेंद्र पाल, आनंद कुमार,आशा देवी, अनिता साह, सरवरी बीबी, अभिमन्यु कुमार, संगीता कुमारी, आनंद कुमार, उमा देवी, पियरिया देवी, देवरी ओपी प्रभारी बब्लू कुमार दंगवार, ओपी प्रभारी सोनू गुप्ता, महिला थाना प्रभारी पार्वती कुमारी, एसआई सौरभ चौबे, मुकेश सिंह,के.के पांडेय, मुन्ना यादव समेत कई पुलिस पदाधिकारी और शांति समिति सदस्यों के अलावा पूजा समिति के प्रतिनिधि शामिल थे।

# ईद, सरहुल और रामनवमी पर शांति व सौहार्द का संदेश

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**पलामू**। आगामी सरहुल, ईद और रामनवमी पर्व को लेकर हैदरनगर थाना परिसर में गुरुवार क़ो शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी समुदायों के लोगों से आपसी भाईचारा और सौहार्द के साथ पर्व मनाने की अपील की गई।बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी गौरांग महतो ने की, जबकि संचालन थाना प्रभारी अफजल अंसारी ने किया। इस दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एस. मोहम्मद याकूब, बीडीओ विश्व प्रताप मालवा, सीओ संतोष कुमार एवं सांसद प्रतिनिधि डॉ. अजय जायसवाल सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग मौजूद रहे। बैठक में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न अखाड़ा समितियों के पदाधिकारियों से जुलूस मार्ग, समय और व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली गई। थाना प्रभारी ने आश्वस्त किया कि पर्व के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे और जुलूस के दौरान पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी।अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एस. मोहम्मद याकूब ने कहा कि सभी पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और एकता के प्रतीक हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे मिल-जुलकर त्योहार मनाएं और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। साथ ही सोशल मीडिया पर भ्रामक या भड़काऊ खबरें साझा करने से बचने की सख्त हिदायत दी गई।बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने भी प्रशासन का सहयोग करने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर मुखिया संतोष कुमार सिंह, जीतेंद्र सिंह, नवाजिश खान, अबू नसर सिद्दीकी, डॉ. अमीनुलहक अंसारी, महादेव लाल, राहुल कुमार, हरिओम गुप्ता समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। प्रशासन ने अंत में सभी नागरिकों से शांति, सद्भाव और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की, ताकि सभी पर्व हर्षोल्लास और सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो सकें।

# जल संरक्षण के प्रति ग्रामीणों ने दिखाई सक्रिय भागीदारी

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**खूंटी**। "जल महोत्सव पखवाड़ा" के तहत आज मुरहू प्रखंड अंतर्गत कोड़ाकेल पंचायत के घघरी ग्राम में "जल अर्पण" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संबंधित पंचायत के मुखिया द्वारा स्वागत भाषण के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य अतिथियों का स्वागत घघरी ग्राम की ग्रामीण महिलाओं द्वारा स्वागत गीत एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत घघरी ग्राम में संचालित जलापूर्ति योजना की सफलता पर अपने विचार व्यक्त किए गए। उन्होंने बताया कि गांव में घर-घर तक नल से जल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा चुकी है तथा ग्रामीणों द्वारा नियमित रूप से जल कर का भुगतान भी किया जा रहा है। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने ग्रामीणों के सहयोग की सराहना की। संबंधित प्रखंड के कनीय अभियंता द्वारा जल जीवन मिशन के तहत किए गए कार्यों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया एवं योजना के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के अंतर्गत मुखिया, प्रधान एवं ग्रामीणों द्वारा जागरूकता रैली भी निकाली गई तथा जल अर्पण, जल बंधन एवं जल वंदना जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया गया। इस दौरान मुंडारी भाषा में भी जल संरक्षण से संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिससे स्थानीय समुदाय की सहभागिता और अधिक सशक्त हुई। कार्यक्रम के अंत में जिला समन्वयक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इस अवसर पर मुखिया, ग्राम प्रधान, कनीय अभियंता, जल सहिया, प्रखंड समन्वयक, जिला समन्वयक सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

# जिले में एलपीजी गैस की पर्याप्त उपलब्धता, आपूर्ति सुचारू

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**नवादा**। शुक्रवार को गैस उठाव एवं वितरण से संबंधित एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान प्रभारी जिला आपूर्ति पदाधिकारी, नवादा राजकुमार सिन्हा द्वारा बताया गया कि एच०पी०सी०एल०, बी०पी०सी०एल० एवं आई०ओ०सी०एल० के प्रबंधकों द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार जिले में गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता है। जिले में गैस सिलेंडरों की किसी प्रकार की कमी नहीं है तथा सभी एजेंसियों द्वारा डोर-स्टेप डिलीवरी के माध्यम से उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए गैस एजेंसियों के नियमित निरीक्षण एवं गैस सिलेंडरों की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आमजनों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु जिला नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है, जिसमें कर्मियों की प्रतिनियुक्ति भी की गई है।

जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या – 06324-212122 है।

इसके साथ ही जानकारी दी गई कि वर्तमान परिस्थिति में नवादा जिला अंतर्गत एल०पी०जी० गैस एजेंसियों, विक्रेताओं एवं पेट्रोल पम्पों पर आम नागरिकों की भीड़ बढ़ने की संभावना है, जिससे अव्यवस्था अथवा विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है। साथ ही ऐसी स्थिति में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा एल०पी०जी० गैस सिलेंडरों अथवा पेट्रोलियम पदार्थों की जमाखोरी एवं कालाबाजारी किए जाने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। अतएव, आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर रोक लगाने तथा गैस एजेंसियों, विक्रेताओं एवं पेट्रोल पम्पों के आसपास विधि-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से अनुमंडल पदाधिकारी, नवादा सदर एवं रजौली द्वारा प्रत्येक प्रखंड के लिए धावा दल का गठन किया गया है। इस धावा दल में संबंधित प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी एवं संबंधित थाना के थानाध्यक्ष को शामिल किया गया है। आज धावा दल द्वारा विभिन्न प्रखंडों में अवस्थित गैस एजेंसियों के गोदामों का औचक निरीक्षण किया गया।

# कोडरमा जिला अंडर 23 महिला क्रिकेट टीम के बीच ड्रेस का वितरण

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**कोडरमा (कोडरमा)**। इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर 23 महिला क्रिकेट टूर्नामेंट में शामिल होने के लिए कोडरमा जिला अंडर 23 महिला क्रिकेट टीम का गठन कर लिया गया है। महिला खिलाड़ियों को ड्रेस वितरण करते हुए कोडरमा विधायक डॉक्टर नीरा यादव ने कहा कि हमारी शुभकामनाएं टीम के साथ है। कोडरमा जैसे जिले में स्थानीय खिलाड़ियों के बल पर महिला क्रिकेट टीम का गठन जिला क्रिकेट एसोसिएशन की उपलब्धि मानी जायेगी। जिला क्रिकेट टीम निरंतर कोडरमा में क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए तत्पर रहा है। उन्होंने महिला खिलाड़ियों को कहा की आपके अभिभावक, आपके गुरु, आपके एसोसिएशन के पदाधिकारी और हम सब आपसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद के साथ आपके उज्वल भविष्य की कामना करते हैं। इस अवसर पर केडीसीए के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा और सचिव दिनेश सिंह ने कहा कि जिला क्रिकेट एसोसिएशन सकारात्मक सोच के साथ जिला में क्रिकेट की बेहतरी के लिए कार्य करती है। और हर संभव खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रयत्नशील है। मौके पर उपाध्यक्ष अनिल सिंह, राकेश पांडेय और संजीव समीर ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए भविष्य की शुभकामनाएं दी और कहा की खिलाड़ी ऊंचे मनोबल के साथ हमेशा मैदान में उतरें और अच्छा प्रदर्शन करें, जिससे झारखंड में कोडरमा महिला टीम की एक अलग पहचान बन सके। टीम का मैनेजर ओम प्रकाश और राजू रंजन सिन्हा तथा कप्तान राज्य स्तरीय खिलाड़ी सृष्टि कुमारी को बनाया गया। मौके पर डॉ नीरा यादव,अमरजीत सिंह छाबड़ा, दिनेश सिंह, अनिल सिंह, राकेश पांडेय,सोनू खान, ओम प्रकाश, पंकज सिंह ,मुकेश प्रभाकर, महेश भारती, राजू रंजन सिन्हा, भीम गोस्वामी सहित अडंर 23 टीम के खिलाड़ी और उनके अभिभावक मौजूद थे।


**पूर्व रेलवे**

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नया मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, रेलवे म्यूजियम के पास, हावड़ा रेलवे स्टेशन, हावड़ा–711101 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई–निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैः **(वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा)। एनआईटी सं.: 297_2025-26, दिनांकः 18.03.2026, कार्य का विवरण** : एडीईएन/बैण्डेल के अधीन रूफ कवरिंग प्रदान करते हुए, संप एवं वाटर रिजर्वायर की सफाई करते हुए मौजूदा सबवे के उन्नयन के साथ सुधार। **अनुमानित मूल्य** : रु. 1,91,34,021.56, **बयाना राशिः** रु. 2,45,700/–, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : शून्य। **समापन अवधि** : 09 (नौ) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 06.04.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps. gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। **ईएमडी और टीडीसी का भुगतान**–ई–निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

HWH-701/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter



**पूर्व मध्य रेल**

**खुली ई-निविदा सूचना**

ई–निविदा सूचना संख्याः 14-MC-HEAVYREPAIR-2025-26

वरीय मण्डल यांत्रिक अभियंता (समन्वय), पूर्व मध्य रेल धनबाद के द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–खुली निविदा (e-open tender) Two Packet System में IREPS Portal में आमंत्रित की जाती है।

**कार्य का नामः** धनबाद मंडल में BOXN और BOXNHL वैगनों की 'C' श्रेणी की हैवी बॉडी मरम्मत । **2. संविदा की अवधिः** 12 माह । **3. कार्य– स्थानः** धनबाद मंडल के पाथरडीह, पतरातू और ओबरा डिपो । **4. अनुमानित बोली मूल्यः** रू.24,31,61,535.47/– (चौबीस करोड़ इकतीस लाख इकसठ हजार पाँच सौ पैंतीस रुपये और सैंतालीस पैसे मात्र) । **5. निविदा दस्तावेज मूल्यः** रू.0.00 (शून्य) **6. बयाना राशि (निविदा सूचना के तदनुसार):** रू.48,63,200/– (अड़तालीस लाख तिरसठ हजार दो सौ रुपये मात्र) । **7. निविदा प्रकाशन की तिथिः** 17/03/2026 **8. ई–निविदा जमा करने का तारीख तथा समयः** तारीख 25.03.2026 से 08.04.2026 को 12:00 बजे तक । **9. ई–निविदा खुलने का तारीख तथा समयः** 08.04.2026 को 12:30 बजे । **10. वेब साईट विवरणः** http://www.ireps.gov.in (ई– निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी ।)

कृते वरीय मण्डल यांत्रिक अभियंता (समन्वय)
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/01957/एसपीजे/एमईसीएच/टी/25–26/36



**पूर्व रेलवे**

**शुद्धिपत्र**

निविदा सूचना संख्या : ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21 (सूचना)/749 जो पूर्व में मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा द्वारा प्रकाशित की गई थी, इस निविदा की निविदा संख्या : ईएल–एचडब्ल्यूएच –25–21–3577 के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि और समय को आगे बढ़ाते हुए **31.03.2026 को 15.00 बजे तक** कर दिया गया है। इसका विवरण वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।

HWH-702/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

# मल्टी पोस्ट ईवीएम से चुने जायेंगे पंचायतों के प्रतिनिधि

- एक बीयू में जोड़े जायेंगे छह सीयू
- उन्नत तकनीक से लैश है ईवीएम
- पहली बार मतदाता करेंगे इस्तेमाल
- नवम्बर- दिसम्बर में होगा चुनाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

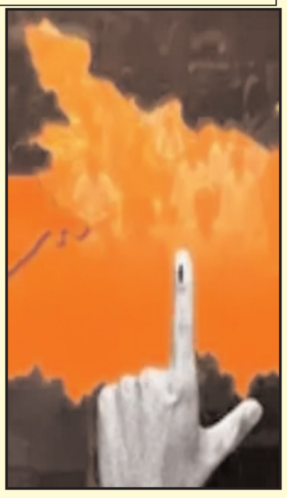

*पटना। बिहार में होने वाले आगामी पंचायत चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। संभावना है कि यह चुनाव नवंबर-दिसंबर में कराए जाएंगे। इस बार चुनाव प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए पहली बार मल्टी पोस्ट ईवीएम का इस्तेमाल किया जाएगा।*

*राज्य निर्वाचन आयोग ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीआरओ) और अपर जिला निर्वाचन पदाधिकारी (एडीआरओ) की नियुक्ति कर दी है। साथ ही सभी जिलों को नई व्यवस्था के लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं।*

*चुनाव के लिए हैदराबाद स्थित इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड से 32,200 कंट्रोल यूनिट (सीयू) और 1,93,200 बैलेट यूनिट (बीयू) खरीदी गई हैं। एक मल्टी पोस्ट ईवीएम सेट में एक कंट्रोल यूनिट के साथ छह बैलेट यूनिट जुड़े होते हैं। आयोग ने सभी जिलों के प्रमंडलीय आयुक्तों को पत्र भेजकर इन मशीनों के सुरक्षित रखरखाव के लिए वेयरहाउस चिह्नित कर उसकी सूची उपलब्ध कराने को कहा है।*

*वेयरहाउस के लिए तय मानकों के अनुसार प्राथमिकता सरकारी भवनों को दी जाएगी। विशेष स्थिति में ही आयोग की अनुमति से लीज पर वेयरहाउस बनाया जा सकेगा, जिसकी अवधि कम से कम 15 वर्ष होगी।*

*स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि ईवीएम स्टोरेज वाले वेयरहाउस में कोई अन्य सामग्री नहीं रखी जाएगी। साथ ही फर्स्ट लेवल चेकिंग के बाद खराब या डिफेक्टिव मशीनों के लिए अलग से व्यवस्था अनिवार्य होगी।*

*मल्टी पोस्ट ईवीएम की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके जरिए एक ही समय में छह पदों–ग्राम पंचायत सदस्य, मुखिया, पंच, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य के लिए मतदान किया जा सकेगा। इससे चुनाव प्रक्रिया अधिक तेज, पारदर्शी और सुविधाजनक हो जाएगी।*

*दरअसल, यह उन्नत तकनीक पर आधारित ईवीएम है, जिसे खास तौर पर त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के लिए विकसित किया गया है। पारंपरिक ईवीएम में एक बार में केवल एक पद के लिए वोट डाला जाता है, जबकि मल्टी पोस्ट ईवीएम में मतदाता एक ही बूथ पर सभी पदों के लिए क्रमवार मतदान कर सकता है।*

*इस व्यवस्था से मतदाताओं को अलग-अलग कतार में लगने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे समय की बचत होगी। वहीं चुनावी खर्च भी कम होगा और मतगणना की प्रक्रिया पहले से अधिक तेज और सटीक हो जाएगी।*

*इसके अलावा, कागजी मतपत्रों में होने वाली अमान्य वोट की समस्या भी खत्म हो जाएगी। प्रशासन का मानना है कि इस नई प्रणाली से चुनाव प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनेगी।*

# रिश्वत लेते बीपीआरओ चढ़ा निगरानी के हत्थे

## छठ घाट निर्माण योजना की स्वीकृति के लिए मांगी थी रिश्वत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**नगरनौसा(नालंदा)।** नालंदा में भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते निगरानी अन्वेषण ब्यूरो (विजिलेंस) की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी अनुष्का कुमारी को 12 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार खपुरा निवासी अजय कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी। अजय कुमार ने बताया कि पंचायत समिति द्वारा गांव में छठ घाट सीढ़ी निर्माण को लेकर योजना अनुशंसित किया गया था। बीपीआरओ द्वारा अनुशंसित योजना को खोलने के लिए एवं सरकारी कार्य को सुचारू रूप से शुरू करने और फाइल आगे बढ़ाने के नाम पर बीपीआरओ अनुष्का कुमारी की ओर से रिश्वत मांगी जा रही थी।

शिकायत मिलने पर शिकायत के सत्यापन के बाद विजिलेंस ने एक विशेष टीम का गठन किया। योजना के मुताबिक, जैसे ही अजय कुमार रिश्वत की राशि लेकर अधिकारी के पास पहुंचे और पैसे थमाए, पहले से घात लगाकर बैठी टीम ने उन्हें दबोच लिया।

इधर दोपहर तीन बजे के पास एक बार फिर विजलेंस की टीम नगरनौसा प्रखंड आवासीय परिसर पहुंची जहां बीपीआरओ के क्वार्टर की जांच की। विजलेंस टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर राकेश कुमार कर रहे थे।

# अनुशासनहीनता के आरोप में कांग्रेस नेता पार्टी से निष्कासित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**रांची।** झारखंड की सियासत में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता योगेंद्र साव को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देना महंगा पड़ गया है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने कड़ा कदम उठाते हुए उन्हें तीन वर्षों के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी ने जानकारी दी कि पार्टी की अनुशासन समिति ने इस मामले को गंभीरता से लिया। समिति के संज्ञान में यह बात आई कि योगेंद्र साव लगातार सोशल मीडिया के माध्यम से राज्य की वर्तमान गठबंधन सरकार और मुख्यमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक एवं अनुशासनहीन टिप्पणियां कर रहे थे।

बताया गया कि हाल ही में उन्होंने फेसबुक लाइव के जरिए भी सरकार के खिलाफ अनुचित बयान दिए, जिससे पार्टी की छवि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। कांग्रेस ने इसे संगठनात्मक अनुशासन का उल्लंघन माना। खास बात यह है कि झारखंड की मौजूदा गठबंधन सरकार में कांग्रेस भी साझेदार है, ऐसे में इस तरह के सार्वजनिक बयान पार्टी की मयार्दा के खिलाफ माने गए।

अनुशासन समिति ने इस पूरे मामले की समीक्षा के बाद निष्कर्ष निकाला कि योगेंद्र साव का आचरण पार्टी नियमों के विरुद्ध है। इस आधार पर कांग्रेस के अनुशासनात्मक नियमों की धारा-04 (क), (ख) और (ड़) के उल्लंघन का दोषी मानते हुए उन्हें पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तीन साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है। इस फैसले के बाद झारखंड की राजनीतिक हलचल तेज हो गई है और इसे कांग्रेस द्वारा अनुशासन को लेकर सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

# मठ की जमीन पर अतिक्रमणकारियों की नजर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**मुजफ्फरपुर।** रोहुआ स्थित श्रीराम जानकी मठ की जमीन पर कब्जा करने की साजिश का मामला सामने आया है। इसको लेकर मठ के न्यासधारी महंत दीनानाथ दास ने प्रमंडलीय आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह को आवेदन देकर सुरक्षा और कार्रवाई की मांग की है।

बताया गया कि बिहार धार्मिक न्यास पर्षद द्वारा दीनानाथ दास को मठ का न्यासधारी बनाए जाने के बाद अतिक्रमणकारियों में हलचल मच गई है। आरोप है कि कुछ असामाजिक तत्व अब दूसरे तरीके से मठ और उसकी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं।

इसी क्रम में मठ की दीवार पर पेंटिंग कर महंत के रूप में किसी अन्य व्यक्ति, सियावर शरण दास का नाम लिख दिया गया, जिससे विवाद और गहरा गया। महंत दीनानाथ दास ने इसे गंभीर साजिश बताते हुए प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है।

विदित हो कि बिहार धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो. रणवीर नंदन ने पिछले महीने आदेश जारी कर दीनानाथ दास को श्रीराम जानकी मंदिर मठ का महंत नियुक्त किया था। इस संबंध में आधिकारिक अधिसूचना भी जारी की गई थी।

मठ की पूर्व न्यास समिति वर्ष 2007 में गठित की गई थी, जिसका कार्यकाल पांच वर्षों के लिए था। समिति के अधिकांश सदस्यों के निधन के बाद यह निष्क्रिय हो गई थी और महंत का पद लंबे समय से रिक्त था। इस स्थिति को देखते हुए जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने अपने शिष्य दीनानाथ दास को महंत बनाए जाने का प्रस्ताव दिया था, जिसका ग्रामवासियों ने भी समर्थन किया। इसके बाद उन्हें पहले अस्थायी और फिर स्थायी रूप से मठ का न्यासधारी नियुक्त किया गया।न्यास पर्षद ने उन्हें मठ की जमीन और संपत्ति को अतिक्रमण से मुक्त कराने का अधिकार भी दिया है। बताया जाता है कि मठ की करीब 40 से 50 बीघा जमीन, जिसकी कीमत करोड़ों में है, पर अतिक्रमण किया गया है।

# विवाहिता की पीट-पीटकर हत्या

**दरभंगा ।** सदर थाना क्षेत्र के गौसाघाट में ससुराल वालों ने विवाहिता को मारपीट कर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद गजाला प्रवीण (41) के शव को घर में छोड़कर पति मो. मोस्तकीम अपने तीनों नाबालिग बच्चे सहित परिवार के अन्य लोगों को लेकर फरार हो गए।घटना गुरुवार की बताई जा रही है। लेकिन, गजाला प्रवीण के मायके वालों को घटना की जानकारी शुक्रवार को मिली । इसके बाद स्वजन में कोहराम मच गया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेका पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद स्वजन को शव सौंप दिया। पुलिस आरोपितों की खोज में छापेमारी करने मे जुटी है। गजाला के छोटे भाई लहेरियासराय थाना क्षेत्र के किलाघाट मिलान चौक निवासी शमशुल जमा ने बताया कि उनके बहनोई और परिवार के लोग बराबर रुपये की मांग करते थे।

जिसके विरोध के कारण उनकी बहन को सभी प्रताड़ित कर मारपीट करते थे।इसकी शिकायत मिलने पर बड़ी बहन सनाज ने पूर्व में कई बार दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत करवाया था, लेकिन गुरुवार को स्थिति गंभीर हो गई।

# कृषि समन्वयक निलंबित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**भागलपुर।** गोराडीह प्रखंड के नदियामा पंचायत में परिवार के हर सदस्य को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। इतना ही नहीं नाते-रिश्तेदार को भी लाभुक बना दिया गया है। झारखंड में रहने वाले परिवार को भी लाभुक बना दिया गया है। यहां मतदाता सूची से दोगुना प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभुक हैं। यह मामला जांच में सामने आया है।

कृषि विभाग की तीन सदस्यीय टीम ने मामले की जांच की है। नियम के मुताबिक परिवार के एक सदस्य को ही किसान सम्मान निधि का लाभ मिल सकता है। इधर, जिला कृषि पदाधिकारी प्रेम शंकर प्रसाद ने डीबीटी पोर्टल के प्रभारी पदाधिकारी, पटना को पत्र लिखा है। डीबीटी पोर्टल के प्रभारी पदाधिकारी से पिछले पांच साल के आंकड़े की मांग की गई है।

प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि योजना के शुरू वाले वर्ष से लेकर 2022-23 तक की सूची मांग की गई है। साथ ही जांच टीम को जल्द से जल्द रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। मामले की जांच के जिलाधिकारी के आदेश पर जिला कृषि पदाधिकारी ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया है।

टीम में अनुमंडल कृषि पदाधिकारी सदर राम जीवन सिंह, उप परियोजना निदेशक आत्मा विपुलजी व प्रखंड कृषि पदाधिकारी सबौर संजीव कुमार पाल को रखा गया है। जांच टीम विस्तृत जांच रिपोर्ट एक-दो दिनों में सौंप देगी। एग्री स्टैक योजना अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री व ई-केवाइसी के कार्यों की समीक्षा के क्रम में गोराडीह प्रखंड के नदियामा पंचायत का निरीक्षण व जनप्रतिनिधि के साथ बैठक के दौरान मुखिया द्वारा बताया गया कि मतदाता सूची में सात हजार मतदाता हैं। कृषि विभाग के पोर्टल के अनुसार 11606 पंजीकृत किसान हैं।

## पंचायत में मतदाता से अधिक हैं लाभुक

एक मध्यम आबादी वाले पंचायत में वयस्क आबादी के डेढ़ गुणा किसानों का पंजीकरण यह दर्शाता है कि तत्कालीन किसान सलाहकार व कृषि समन्वयक द्वारा उच्चतम स्तर की लापरवाही बरती गई है। वे अनियमितता में शामिल रहे हैं। नदियामा पंचायत में 12 वार्ड है। 2021 के मतदाता सूची के आधार पर 6392 व वर्तमान में 6459 मतदाता हैं। उप विकास आयुक्त के निर्देश पर प्रखंड विकास पदाधिकारी से पत्राचार कर रिपोर्ट मांगी गई थी, जिसके बाद यह मामला सामने। जिस समय यह गड़बड़ी हुई उस समय नदियामा पंचायत में कृषि समन्वयक राजीव कुमार व किसान सलाहकार रामाकांत मंडल पदस्थापित थे।

किसान सलाहकार रामाकांत मंडल द्वारा 31 दिसंबर 2024 को अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था। जिलाधिकारी के आदेश कृषि समन्वयक राजीव कुमार को निलंबित कर दिया गया है। निलंबित अवधि में राजीव कुमार का मुख्यालय अनुमंडल कृषि कार्यालय कहलगांव किया गया है। वे नाथनगर प्रखंड में कार्यरत थे।

# 'जुमा अलविदा' की नमाज में मांगी गयी अमन-चैन की दुआ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**शिवाजीनगर।** प्रखंड क्षेत्र में पवित्र रमजान माह के आखिरी जुम्मे अलविदा की नमाज अकीदत, श्रद्धा और धार्मिक उल्लास के साथ अदा की गई। इस मौके पर प्रखंड के परशुराम, रहटौली, पूरा, हबका समेत विभिन्न गांवों की मस्जिदों में सुबह से ही नमाजियों की भीड़ उमड़ पड़ी। रोजेदारों और अकीदतमंदों ने बड़ी संख्या में मस्जिदों में पहुंचकर जुम्मे की नमाज अदा की और देश में अमन-चैन, भाईचारे तथा खुशहाली की दुआ मांगी। प्रखंड के परशुराम गांव स्थित समीर सुन्नी जामा मस्जिद में भी नमाज को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। यहां बड़ी संख्या में लोगों ने एक साथ नमाज अदा की। नमाज के दौरान मस्जिद परिसर पूरी तरह इबादत के माहौल में रंगा नजर आया, जहां लोगों ने अल्लाह तआला से क्षेत्र की तरक्की, शांति और आपसी सौहार्द बनाए रखने की दुआ की। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर भाईचारे और मोहब्बत का संदेश दिया। इस दौरान सामाजिक एकता और सौहार्द की मिसाल देखने को मिली जानकारी देते हुए समीर सुन्नी जामा मस्जिद के इमाम मौलाना मोहम्मद मुराद ने बताया कि रमजान का महीना इस्लाम में बेहद पाक और बरकतों वाला माना जाता है। इस महीने में रोजा, नमाज और इबादत का विशेष महत्व होता है। उन्होंने कहा कि रमजान के दौरान किए गए नेक अमल और इबादत का सवाब कई गुना बढ़ जाता है और अल्लाह तआला अपने बंदों की दुआ को कबूल करते हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस मुकद्दस महीने में ज्यादा से ज्यादा इबादत करें, जरूरतमंदों और गरीबों की मदद करें तथा समाज में आपसी भाईचारा, प्रेम और सौहार्द बनाए रखें। अलविदा जुम्मे को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया। विभिन्न मस्जिदों के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, ताकि नमाज शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

# आरोपित को सुनाई गई सजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**अररिया।** तीन वर्ष पूर्व एक युवती के साथ दुष्कर्म और ब्लैकमेल कर लगातार शोषण करने के मामले में अदालत ने सख्त फैसला सुनाया है। अररिया न्याय मंडल के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम मनोज कुमार तिवारी की अदालत ने पचैली गांव निवासी फैजान को दोषी करार देते हुए 14 वर्ष के सश्रम कारावास और 53 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुमार्ना नहीं देने पर तीन महीने की अतिरिक्त सजा का प्रावधान भी रखा गया है।

मामले में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, वर्ष 2023 में पीड़िता के साथ घटना उस समय हुई जब वह शौच के लिए बाहर गई थी। आरोपी ने उसे पकड़कर दुष्कर्म किया और घटना का वीडियो बना लिया। इसके बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे लगातार ब्लैकमेल किया गया। शादी का झांसा देकर आरोपी लंबे समय तक उसके साथ संबंध बनाता रहा, जिससे पीड़िता गर्भवती हो गई।

# सोशल मीडिया और लव ट्रैंगल में गयी थी युवक की जान, युवती गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**आरा।** भोजपुर पुलिस ने सन्नी नामक छात्र के अपहरण एवं हत्या के षड्यंत्र में शामिल एक युवती को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तारी हरियाणा के फरीदाबाद जिले के मुजेसर थाना क्षेत्र स्थित संजय सिंह कॉलोनी, सेक्टर-23 से की गई।

गिरफ्तार आरोपित युवती अंकिता सिंह मूल रूप से भोजपुर जिले के आयर थाना क्षेत्र के बलिगांव गांव की निवासी है। हालांकि, वह वर्तमान में अपने परिवार के साथ फरीदाबाद में रह रही थी। उसकी गिरफ्तारी को लेकर नवादा इंस्पेक्टर विपिन बिहारी एवं दारोगा दीपक कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम वारंट लेकर फरीदाबाद गई थी। इस दौरान क्राइम ब्रांच के सहयोग से षड्यंत्र एवं उकसावे में शामिल युवती को गिरफ्तार कर लिया गया। कांड में प्रयुक्त मोबाइल भी जब्त कर लिया गया। पुलिस टीम उसे 48 घंटे के ट्रांजिट रिमांड पर गुरुवार को आरा लाई, जहां कोर्ट में प्रस्तुत करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। युवती पर हत्या के लिए भड़काने का आरोप है।

इस मामले में पहले ही टाउन थाना क्षेत्र के चरखंभा गली निवासी कथित प्रेमी बादल उर्फ मुखिया, महादेवा खरा कुआं निवासी आदर्श ठाकुर, अजीमाबाद थाना क्षेत्र के ब्रह्मपुर निवासी अनीष कुमार तथा मृतक के चचेरे भाई एकौना निवासी करण को गिरफ्तार किया जा चुका है।

बताया जाता है कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर गाली-गलौज एवं लव ट्रायंगल को लेकर उत्पन्न विवाद के कारण यह घटना हुई थी। पुलिस के अनुसार, बीते 30 जनवरी 2026 की सुबह बड़हरा थाना क्षेत्र के एकौना गांव निवासी उपेंद्र सिंह का पुत्र सन्नी कुमार सिंह कोचिंग के लिए घर से निकला था। इसी दौरान इंस्टाग्राम पर हुए विवाद के चलते केजी रोड से उसका अपहरण कर लिया गया था। बाद में उसके साथ मारपीट कर गला दबाकर हत्या कर दी गई थी।

घटना के बाद छात्र का शव पिपरहिया अंडरपास से बरामद किया गया था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कांड में गिरफ्तार बादल उर्फ मुखिया, आदर्श ठाकुर एवं अनीष कुमार की निशानदेही पर शव की बरामदगी हुई थी।

## बीडीओ को मिला अंचल का अतिरिक्त प्रभार

**बेगूसराय।** जिला प्रशासन ने प्रशासनिक कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। जिला समाहरणालय से जारी पत्र के अनुसार, जिले के छह अंचलों में सीओ के अवकाश पर रहने के कारण संबंधित प्रखंडों के बीडीओ को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। जिन अंचलों का प्रभार बीडीओ को दिया गया है, उनमें बेगूसराय सदर, बरौनी, मटिहानी, वीरपुर, खोदावंदपुर तथा साहेबपुर कमाल शामिल हैं। इन सभी स्थानों पर अब संबंधित बीडीओ अंचल अधिकारी के कार्यों का भी निर्वहन करेंगे।

# अस्पताल के गेट के पास कराई गई डिलीवरी

## प्रबंधन की लापरवाही, वीडियो वायरल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**बक्सर।** चक्की सीएचसी में स्वास्थ्य व्यवस्था की बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां एक गर्भवती महिला को प्रसव के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा, लेकिन अस्पताल प्रशासन की ओर से कोई मदद नहीं मिली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार को प्रसव पीड़ा से कराह रही महिला को परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे थे। परिजनों का आरोप है कि लंबे इंतजार के बावजूद न तो कोई डॉक्टर पहुंचा और न ही कोई नर्स महिला की स्थिति देखने आई।

स्थिति बिगड़ने पर मजबूर होकर परिजनों और अन्य महिलाओं ने अस्पताल के मुख्य गेट के पास ही साड़ी की घेराबंदी कर प्रसव कराया। इस दौरान महिला को किसी भी तरह की चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध नहीं थी, जिससे उसकी जान को खतरा बना रहा।

इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि महिलाओं ने साड़ी से घेरा बनाकर डिलीवरी कराई। वीडियो सामने आने के बाद अस्पताल की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

इस तरह की घटना ने न केवल अस्पताल की लापरवाही उजागर की है, बल्कि महिलाओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति एक बार फिर सामने आई है ।मामले पर जब चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अंजलि कुमार से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि उन्हें इस घटना की कोई जानकारी नहीं है और उस समय वह अस्पताल में मौजूद नहीं थीं।

वहीं, अस्पताल के प्रबंधक राजीव रंजन प्रसाद से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। इसको लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

# फाइनेंस कंपनी के कर्मी की प्रताड़ना से महिला ने की आत्महत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**हाजीपुर।** वैशाली जिले के गोरौल थाना क्षेत्र अंतर्गत राजखंड गांव में एक महिला ने माइक्रो फाइनेंस कंपनी कर्मी के उत्पीड़न से तंग आकर आत्महत्या कर ली।

स्वजन का आरोप है कि लोन की किस्त चुकाने के लिए महिला को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने फाइनेंस कंपनी के एक कर्मी को पकड़कर उसकी जमकर पिटाई कर दी।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर घटना के संबंध में जानकारी लेने के पश्चात आवश्यक कार्रवाई में जुटी है। पुलिस ने दो फाइनेंस कंपनी कर्मी को हिरासत में लिया है। फाइनेंस कंपनी के कर्मी से पूछताछ के पश्चात आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। मृत महिला स्थानीय पवन महतों के 30 वर्षीय पत्नी दुर्गा देवी थी। महिला के चार बच्चे हैं। बताया गया है कि महिला ने कैशपा माइक्रो क्रेडिट फाइनेंस बैंक से एक लाख रुपये का कर्ज लिया था।

## दो गिरफ्तार

मृतका की मां ने बताया कि फाइनेंस कर्मी और समूह की महिलाओं और फाइनेंस कर्मी से दुर्गा देवी से कहा था कि तुम फांसी लगाकर मर जाओ, सारे रुपये माफ कर दिए जाएंगे। स्वजन ने यह भी आरोप लगाया कि इससे पहले उनका मोबाइल छीन लिया गया था और घर का कुछ सामान भी ले जाया गया था।ग्रामीणों द्वारा पकड़े गए फाइनेंस कर्मी अरविंद कुमार ने बताया कि सुबह ब्रांच मैनेजर महिला के घर आई थीं, लेकिन उसे बातचीत की जानकारी नहीं है। मुझे यहां बुलाया गया था और पिटाई की गई है।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने स्वजन के बयान के आधार पर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है सभी का रो-रोकर बुरा हाल है, मृतका का पति पटना में रहकर सब्जी बेचता है। फिलहाल वह पटना में ही था, उसे घटना की जानकारी दे दी गई है।

घटना के संबंध में गरौल थाना अध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि मृतका के मां के बयान पर सात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिसमें से दो बैंक कर्मी की गिरफ्तारी हो गई है। जबकि अन्य चार लोग पति सास ससुर और परिवार के लोग हैं। जिनकी संलिप्तता जांच की जा रही है।

उन्होंने टीम बुलाई है, घटनास्थल से जुड़े तथ्य जुटाए गए हैं। बैंककर्मी की एक बाइक जब्त किया गया है। पकड़े गए दोनों आरोपी को जेल भेज दिया जाएगा।

# सरपंच का निधन

**टिकारी।** टिकारी प्रखंड अंतर्गत भोरी ग्राम कचहरी के लगातार रहे सरपंच दामोदर शर्मा के आकस्मिक निधन पर टिकारी सरपंच संघ के लोगो ने गहरी संवेदना व्यक्त किया है। मालूम हो की स्व दामोदर शर्मा लगातार 2006से अबतक सरपंच पद पर निर्वाचित रहे है इसके पूर्व 22वर्षो का कालखंड में भी सरपंच रहे थे। शोक व्यक्त करने वालों में सरपंच रामाशीष प्रजापति, शिव बल्लभ मिश्र, इंद्रदेव यादव, अलख निरंजन कुमार, बिनोद शर्मा, रामनिवास ठाकुर, रविन्द्र सिंह, सुनील शर्मा, रामस्वरूप यादव, संजय दास, राजकुमार पासवान , पारस साव, रामदास सिंह, लालदेव सिंह शामिल हैं। लोगो ने निधन को अपूरणीय क्षति लोगो ने बताया।

# फेसबुकिया लड़की ने युवक से ठगे लाखों, प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**समस्तीपुर।** साइबर थाना पुलिस ने एक युवक से ठगी का मामला दर्ज किया है। पीड़ित मुफस्सिल थाना का मुसापुर निवासी चंद्रशेखर ठाकुर का पुत्र कुमार अमर है। उसने पुलिस को बताया कि फेसबुक से पहले एक लड़की ने उससे दोस्ती की और फिर उससे स्वयं के द्वारा ट्रेडिंग के जरिए पैसा कमाने का लालच दिया।

वह उसके झांसे में पड़कर पैसे लगाने शुरू कर दिया। बाद में उसे अच्छी कमाई का झांसा दे साइबर लुटेरों ने उससे 11.10 लाख रुपये की ठगी कर ली है। बताया गया कि उसे राजस्थान के जयपुर की रहने वाली एक लड़की आरूषी कुमारी के नाम से फेसबुक एप पर फ्रेंड रिक्वेस्ट आया। दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। उसने इसे अपने जाल में फंसाया और फिर ट्रेडिंग से पैसा कमाने की बात कही। उसने युवक को एक एप डाउनलोड कराया। एप के माध्यम से ट्रेडिंग की शुरूआत की गई। कुछ दिनों बाद में कमाई की गई राशि भी उसके एकाउंट में भेज दी गई और फिर साइबर लुटेरों का असली खेल शुरू हुआ।

हजारों का फायदा करने बाद में उसने उक्त युवक को पूरी तरह से अपने विश्वास में लेकर अलग-अलग वॉट्सएप ग्रुप और ऑनलाइन एप के माध्यम से झांसा देकर एक अकाउंट से 9.79 लाख और दूसरे से 1.31 लाख रुपये ले लिया। पीड़ित को फायदा समेत उसकी कुल पूंजी 68 लाख रुपये की बताई गई।

पीड़ित ने जब इसकी निकासी की बात कही तो उसे पहले उक्त राशि के कमीशन के तौर पर 20.64 लाख रुपये जमा करने को कहा। पीड़ित से बातचीत भी करना कम कर दिया। जब भी फोन या मैसेज करें तो कमीशन की राशि जमा करने की बात कही। साइबर फ्राड का व्यवहार भी बदल गया।

इससे पीड़ित को शंका हुई और उसने जब इस तरह की न्यूज देखी तो उसके होश उड़ गए। त्वरित रूप से उसने इसकी सूचना हेल्पलाइन नंबर पर फोन कर दी।

CMYK

# रामनवमी व चैती छठ की तैयारियां तेज, देव चैती छठ मेला के लिए 30 लाख मंजूर

## सामाजिक आयोजनों में बेहतर व्यवस्था और पारदर्शिता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता : उपमुख्यमंत्री

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** राज्य सरकार ने विभिन्न धार्मिक आयोजनों एवं मेलों के सुचारु संचालन और बेहतर व्यवस्था के लिए बड़ी वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। शुक्रवार को कुल एक करोड़ 63 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस संबंध में उप मुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने स्पष्ट रूप से कहा कि राज्य सरकार आस्था एवं परंपरा के बड़े धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को सुरक्षित, व्यवस्थित और जनहितकारी बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। ऐसे आयोजनों में किसी तरह की कमी नहीं होने दी जायेगी। उन्होंने कहा कि इन आयोजनों में स्थानीय सक्रिय लोगों को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इससे आयोजनों में निखार आ जाता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना नगर क्षेत्र में रामनवमी शोभा यात्रा के आयोजन के लिए 50 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके अतिरिक्त पटना जिले के दुल्हिन बाजार स्थित उलार धाम सूर्य मंदिर में चैती छठ मेला के लिए 6 लाख रुपये, देशभर में प्रसिद्ध औरंगाबाद के प्रसिद्ध देव चैती छठ मेला के लिए 30 लाख रुपये, दरभंगा राम दरबार चौक महावीर मंदिर रामनवमी मेला के लिए 05 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। सीताकुंड मेला, मुंगेर के लिए 21 लाख, मुजफ्फरपुर श्रावणी मेला का 05 लाख, बांका श्रावणी मेला का 31 लाख तथा अररिया जिले के बाबा सुन्दरनाथ धाम में सम्पन्न हुए महाशिवरात्रि मेला का बकाया 15 लाख रुपये की राशि की भी स्वीकृति प्रदान की गई है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उपरोक्त सभी आयोजनों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और यातायात प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्वीकृत राशि का उपयोग केवल निर्धारित मदों में ही किया जाए और किसी भी प्रकार का विचलन न हो। उन्होंने यह भी कहा कि सभी संबंधित समाहर्त्ता, अपर समाहर्त्ता एवं अंचलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि राशि का व्यय पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाए तथा समय पर उपयोगिता प्रमाण-पत्र विभाग को उपलब्ध कराया जाए। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने जोर देते हुए कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि हर धार्मिक आयोजन श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित, सुव्यवस्थित और यादगार बने। प्रशासनिक स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि समय पर राशि की निकासी और व्यय सुनिश्चित किया जाए, ताकि आयोजन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

# भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से 1, अणे मार्ग स्थित उनके सरकारी आवास पर भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई जिसमें राज्य की आर्थिक स्थिति, वित्तीय प्रबंधन और विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर सामान्य चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि इसे औपचारिक शिष्टाचार मुलाकात के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री आवास पर हुई इस मुलाकात को प्रशासनिक और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक देश की मौद्रिक नीतियों और बैंकिंग व्यवस्था का प्रमुख संस्थान है। ऐसे में राज्य सरकार और आरबीआई के बीच संवाद से वित्तीय गतिविधियों और योजनाओं के बेहतर समन्वय की संभावनाएं बढ़ती हैं। भेंट के दौरान दोनों पक्षों के बीच सौहार्दपूर्ण बातचीत हुई और राज्य के समग्र विकास से जुड़े मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। यह मुलाकात राज्य और केंद्र के वित्तीय तंत्र के बीच सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम मानी जा रही है।

# एमनेस्टी पॉलिसी 2025 का लाभ उठाने हेतु शीघ्र करें 31 मार्च तक आवेदन

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार ने राज्य के सभी पात्र औद्योगिक आवंटियों से एमनेस्टी पॉलिसी 2025 का लाभ उठाने हेतु शीघ्र आवेदन करने की अपील की है। प्राधिकार ने स्पष्ट किया है कि एमनेस्टी पॉलिसी, 2025 के तहत आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2026 निर्धारित है। यह नीति बंद पड़ी एवं रद्द की गई औद्योगिक इकाइयों को पुनर्जीवित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। यह नीति उन सभी आवंटियों के लिए लागू होगी जो स्वेच्छा से इसमें सम्मिलित होकर निर्धारित लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। इस नीति का उद्देश्य औद्योगिक भूखण्डों पर लंबित विवादों और मुकदमों को समाप्त करना, भूमि के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करना तथा बंद पड़ी इकाइयों को पुनर्जीवित कर औद्योगिकीकरण की प्रक्रिया को गति देना है। उद्योग विभाग के सचिव सह प्रबंध निदेशक, बियाडा एवं आइडीए कुंदन कुमार ने कहा एमनेस्टी पॉलिसी 2025 उद्योगों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। सभी पात्र आवंटी 31 मार्च, 2026 की समयसीमा से पहले आवेदन कर इस नीति का लाभ उठाएं। यह पहल न केवल लंबित विवादों के समाधान में सहायक होगी, बल्कि राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को नई गति भी प्रदान करेगी। प्राधिकार ने स्पष्ट किया है कि यह योजना एक वन-टाइम अवसर के रूप में लाई गई है जिसके माध्यम से आवंटी लंबित विवादों एवं मुकदमों से बाहर निकलकर पुनः अपने उद्योग को स्थापित कर सकते हैं जिन इकाइयों के भूखण्ड पर तृतीय पक्ष अधिकार सृजित नहीं हुए हैं वे इस नीति का लाभ ले सकेंगी। बियाडा द्वारा यह भी बताया गया है कि आवेदन प्राप्त होने के बाद तीन कार्य दिवस में प्रारंभिक स्वीकृति तथा सभी औपचारिकताओं की पूर्ति के उपरांत सात कार्य दिवस में अंतिम स्वीकृति प्रदान की जा रही है। अतः इच्छुक आवंटी बिना विलंब आवेदन कर इस प्रक्रिया का लाभ उठाएं। निर्धारित शर्तों के अनुसार समयबद्ध तरीके से ट्रायल एवं वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने पर इकाइयों को औद्योगिक गतिविधियों में पुनः स्थापित होने का अवसर मिलेगा।

# नीतीश कुमार का औरंगाबाद दौरा ऐतिहासिक, सफल और अत्यंत प्रभावी : सुशील सिंह

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**औरंगाबाद।** समृद्धि यात्रा के तहत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के औरंगाबाद दौरे को पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने ऐतिहासिक, सफल और अत्यंत प्रभावी बताया है। पूर्व सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जिले में 678 करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर विकास को नई गति दी है। इनमें कई महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल हैं जिनकी घोषणा पहले प्रगति यात्रा के दौरान की गई थी। देव में रिंग रोड, फोर लेन प्रगति पथ और परैया-गुरुवा-रफीगंज सड़क निर्माण जैसी बड़ी परियोजनाएं जिले के बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगी और विकास को नई दिशा देंगी। उन्होंने कहा कि बारुन प्रखंड के मुंशी बीघा गांव में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि मुख्यमंत्री की नीतियों और कार्यों पर जनता का भरोसा बढ़ा है। जन संवाद कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री ने सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों की जानकारी सीधे लोगों तक पहुंचाई जो सराहनीय पहल है। सुशील कुमार सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच और विकास के प्रति प्रतिबद्धता के कारण औरंगाबाद सहित पूरे बिहार में तेजी से परिवर्तन दिखाई दे रहा है। समृद्धि यात्रा के माध्यम से सरकार ने यह संदेश दिया है कि विकास की धारा को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उसकी प्राथमिकता है। पूर्व सांसद ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी इसी गति से विकास कार्य जारी रहेंगे और बिहार विकसित राज्य की दिशा में और तेजी से आगे बढ़ेगा।

# उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति : राम कृपाल यादव

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** बिहार में उर्वरकों की आपूर्ति को लेकर सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए कालाबाजारी, जमाखोरी और अधिक कीमत पर बिक्री के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति लागू कर दी है। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने स्पष्ट कहा कि राज्य के किसी भी जिले में उर्वरक की कोई कमी नहीं है और किसानों को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2025-26 में 20 मार्च 2026 तक अनियमितताओं के खिलाफ 115 उर्वरक प्रतिष्ठानों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है जबकि 449 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस रद्द किए गए हैं। कार्रवाई को और प्रभावी बनाने के लिए मुख्यालय स्तर पर उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है जो शिकायतों के आधार पर लगातार छापेमारी कर रहा है। राज्य में वर्तमान उर्वरक भंडार की स्थिति बताते हुए मंत्री ने कहा कि यूरिया 2.45 लाख मीट्रिक टन, डीएपी 1.46 लाख मीट्रिक टन, एनपीके 2.05 लाख मीट्रिक टन, एमओपी 0.41 लाख मीट्रिक टन और एसएसपी 1.03 लाख मीट्रिक टन उपलब्ध है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि प्रखंडवार आवश्यकता के अनुसार उर्वरकों का उप-आवंटन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी क्षेत्र में कमी न हो। मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि उर्वरक प्रतिष्ठानों में पॉस मशीन पर दर्ज स्टॉक और भौतिक स्टॉक का नियमित सत्यापन किया जाए। किसी भी तरह की गड़बड़ी मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही सभी जिलों में जांच दल गठित कर नियमित निरीक्षण और छापेमारी तेज करने को कहा गया है। खासतौर पर अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती जिलों में निगरानी बढ़ाने और सशस्त्र सीमा बल के साथ समन्वय स्थापित कर उर्वरक तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। राम कृपाल यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी स्तर पर अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

# बिहार दिवस की पूर्व संध्या पर 'बिहार महोत्सव' का आयोजन आज : डॉ. आनंद रंजन झा

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**हाजीपुर/वैशाली।** बिहार दिवस की पूर्व संध्या पर आज क्षेत्र में 'बिहार महोत्सव' का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और आयोजन स्थल को आकर्षक रूप से सजाया गया है। कार्यक्रम का संयोजन कवयित्री वर्षा ठाकुर द्वारा किया जा रहा है जिसमें विभिन्न स्थानों से आमंत्रित कवि, कलाकार एवं विशिष्ट अतिथि अपनी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम में काव्य पाठ, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं बिहार की समृद्ध परंपरा की झलक देखने को मिलेगी। आयोजकों के अनुसार इस महोत्सव का उद्देश्य बिहार की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित एवं प्रचारित करना तथा युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ना है। इस अवसर पर कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी, जंदाहा (वैशाली) के निदेशक डॉ. आनंद रंजन झा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन की कामना करते हुए संयोजक वर्षा ठाकुर सहित सभी आमंत्रित कवियों, कलाकारों एवं अतिथियों के प्रति अग्रिम आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करते हैं। बिहार दिवस को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और आज आयोजित होने वाला 'बिहार महोत्सव' कार्यक्रम लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनने की संभावना है क्योंकि इस काव्य और कला के मंच पर उपस्थित होंगे पद्मश्री डॉ. सुनील जोगी जी (दिल्ली), दिव्यांश दुष्यंत (उत्तराखंड), विकास बैरागी गुरु (मध्य प्रदेश), प्रियंका मिश्रा (कटनी, मध्य प्रदेश), शिवम सांबरा (लखनऊ) एवं अन्य जाने माने हस्तियां।

# डॉ. प्रेम कुमार ने दी ईद-उल-फितर पर मुस्लिम समाज को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने ईद-उल-फितर के मौके पर समस्त मुस्लिम समाज को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी है। ईद रमजान महीने की सख्त इबादत के बाद खुशी, सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक है। इस दिन ईद के नमाज के बाद मुसलमान भाई एक-दूसरे के गले मिलकर मुबारकबाद देते हैं। इस्लामिक कैलेंडर के नौवें महीने में 29 या 30 रोजे रखने के बाद आखिरी रोजे के दिन इफ्तारी के बाद चांद का दीदार होता है और अगले दिन दसवें महीने यानी 'शव्वाल' की पहली तारीख को 'मीठी ईद' का त्योहार मनाया जाता है। इसे 'ईद-उल-फितर' या 'रमजान ईद' के नाम से भी जाना जाता है। इस्लामी मान्यता के अनुसार ईद-उल-फितर की शुरुआत पैगंबर मुहम्मद ने मक्का से मदीना प्रवास के बाद की थी और पहली बार 624 ईस्वी में मनाई गई थी।

# मुख्यमंत्री के आगमन से रफीगंज सहित पूरे दक्षिण बिहार के लिए खुले संभावनाओं के द्वार : प्रमोद

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**औरंगाबाद।** समृद्धि यात्रा के तहत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के औरंगाबाद दौरे को रफीगंज विधायक प्रमोद सिंह ने ऐतिहासिक और दूरगामी प्रभाव वाला बताया है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा न केवल औरंगाबाद जिले बल्कि रफीगंज विधानसभा क्षेत्र और पूरे दक्षिण बिहार के लिए नई संभावनाओं का द्वार खोलने वाली है। विधायक ने कहा कि 678 करोड़ रुपये की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है। विशेष रूप से सड़क और आधारभूत संरचना से जुड़ी परियोजनाएं क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को गति देंगी। परैया-गुरुवा-रफीगंज सड़क निर्माण जैसी योजनाएं स्थानीय लोगों के लिए वरदान साबित होंगी और आवागमन के साथ व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रमोद सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री की योजनाओं और कार्यशैली के कारण बिहार में विकास की एक नई सोच विकसित हुई है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में जो बदलाव दिख रहा है, वह मुख्यमंत्री के नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है, क्योंकि उनकी योजनाओं का सीधा लाभ आम जनता तक पहुंच रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि समृद्धि यात्रा ने आम लोगों में विकास को लेकर नई उम्मीद जगाई है। मुख्यमंत्री द्वारा सीधे जनता से संवाद करना और योजनाओं की समीक्षा करना यह दर्शाता है कि सरकार जमीनी स्तर पर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। विधायक प्रमोद सिंह ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि औरंगाबाद सहित दक्षिण बिहार के विकास के लिए यह दौरा मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में क्षेत्र और तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ेगा।

# विश्व गौरैया दिवस: जू का मोबाइल ऐप और वेबसाइट लांच, डिजिटल सुविधाओं से जुड़ेंगे पर्यटक

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** विश्व गौरैया दिवस के मौके पर राजधानी पटना स्थित संजय गांधी जैविक उद्यान में पर्यावरण संरक्षण को लेकर व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की तरफ से आयोजित इस कार्यक्रम में मंत्री प्रमोद कुमार ने लोगों से अपने जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित कर पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय योगदान देने की अपील की है। मंत्री ने प्राकृतिक शैक्षणिक लाइब्रेरी का अवलोकन किया जहां गौरैया से संबंधित तस्वीरें, पेंटिंग, घोंसले और विभिन्न कलाकृतियां प्रदर्शित की गई थीं। उन्होंने इन प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि 'वसुदैव कुटुंबकम' की भावना हमें यह सिखाती है कि इस धरती पर हर जीव का समान अधिकार है।

# विश्व गौरैया दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

## संजय कुमार की पुस्तक 'आई लव स्पैरो' का हुआ लोकार्पण

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

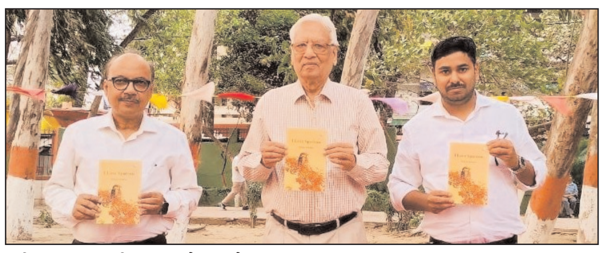

**पटना।** विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर शुक्रवार को हमारी गौरैया एवं एनवायरमेंट वॉरियर्स ने पटना के एस के पार्क में गौरैया फोटो और घोंसला की प्रदर्शनी सह जागरूकता अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। मौके पर अतिथि प्रो. संतोष कुमार, पूर्व प्राचार्य, बिहार इंजीनियरिंग कॉलेज, पटना और प्रो. नित्यानंद मौर्य, सिविल विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान ने गौरैयाविद संजय कुमार की पुस्तक 'आई लव स्पैरो' का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में गौरैया की घर वापसी करवाने वाले 11 लोगों को विशेष सम्मान प्रदान किया गया जिनमें प्रो. श्यामानंद प्रसाद, सगुना मोड़, नवीन कुमार, मित्रमंडल कॉलोनी, डॉ. पूनम रंजन, आनंदपुरी, अमित कुमार, चांदपुर बेला, पुष्पलता मोहन, आसियाना ई. संजू कुमारी, रुकनपुरा, दिग्विजय कुमार, डॉ. निशान्धिता राज, प्रेमकला डिवाइज सरिस्ताबाद, मो. अशरफ अली, दीघा और आशा प्रसाद, अम्बेडकर पथ शामिल है। गौरैया जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुये प्रो. संतोष कुमार, पूर्व प्राचार्य, बिहार इंजीनियरिंग कॉलेज, पटना ने कहा कि घर आंगन की गौरैया आज बहुत कम दिखती है, लेकिन लोगों के प्रयास से कई घरों में गौरैया की घर वापसी हुई है। यह समाज के लिए प्रेरणादायक है। गौरैया प्रो. नित्यानंद मौर्य, सिविल विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान ने कहा कि गौरैया की घर वापसी की जवाबदेही हर घर और व्यक्ति की है क्योंकि हमने ही उसे अपने से दूर किया है। इस अवसर पर एनवायरमेंट वॉरियर्स के निदेशक निशांत रंजन ने बताया कि गौरैया संरक्षण अभियान सालों भर चलाया जाता है ताकि लोगों के बीच संदेश पहुंचता रहे।

# आधुनिको भव संस्कृतं वद एवं बिहार संस्कृत संजीवन समाज का नववर्ष समारोह सम्पन्न

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**पटना।** भारतीय नववर्ष का आरंभ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से होता है। इसे सृष्टि के प्रारंभ का द्योतक माना जाता है। हमारे व्रत-त्योहार, विवाह, गृह-प्रवेश एवं सभी शुभ कार्य हिन्दू पंचांग के अनुसार सम्पन्न होते हैं, इसलिए सभी भारतवासियों को पंचांग के माह तिथि की समझ आवश्यक है। ये सभी बातें आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा ने सीता-राम स्मृति दशदिवसात्मक अन्तर्जालीय अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर में नववर्ष समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए अभियान के प्रधान संरक्षक एवं सदस्य (प्रशासकीय) राज्य लोक सेवा न्यायाधिकरण उत्तर प्रदेश के डा. अनिल कुमार सिंह ने कहा कि हमें एक जनवरी की तरह भारतीय नववर्ष को मनाना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व संयुक्त निदेशक, पेंशन उत्तर प्रदेश के धर्मेंद्र पति त्रिपाठी, राष्ट्रीय संयोजिका प्रो. रागिनी वर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्षा डॉ लीना चौहान, राजकीय महाविद्यालय गुलजारबाग पटना के संस्कृत विभागाध्यक्षा प्रो. रंजु कुमारी, एल एम टी महाविद्यालय सहरसा के संस्कृत विभागाध्यक्षा डॉ दीप्ति कुमारी, महंथ केशव संस्कृत महाविद्यालय फतुहा के संस्कृत सह आचार्या डॉ नीरा कुमारी, डॉ रागनी कुमारी, तारा विश्वकर्मा, डॉ विश्वजीत रुद्रप्राल, वन्दना पटेरिया, अमिता शर्मा, देवेश प्रकाश, उमा हनोते, प्रो. मीनाक्षी प्रसाद आदि वक्ताओं ने भी भारतीय नववर्ष की महत्ता पर प्रकाश डाला।

# महाप्रबंधक ने किया मोकामा-बरौनी-समस्तीपुर-दरभंगा-लौकहा बाजार रेलखंड का निरीक्षण

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**हाजीपुर।** पूर्व मध्य रेल महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने आज मोकामा-बरौनी- समस्तीपुर-दरभंगा-सकरी-झंझारपुर-लौकहा बाजार रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने रेलखंड के मध्य स्टेशनों, रेल पुलों, रेलवे ट्रैक सहित संरक्षा से जुड़े पहलुओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने संरक्षा पर विशेष बल देते हुए इसके प्रति हमेशा चौकसी बरतने का निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में सर्वप्रथम महाप्रबंधक द्वारा दिनकरग्राम सिमरिया स्टेशन पहुंचे जहां उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध विभिन्न यात्री सुविधाओं, सुरक्षा, सरंक्षा आदि से जुड़े विविध पहलुओं का गहन जायजा लिया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक, सोनपुर अमित सरन तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। महाप्रबंधक द्वारा लौकहा बाजार स्टेशन का भी निरीक्षण किया गया एवं यात्री सुविधाओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया।

# अब पैक्स बनेंगे गांवों के 'वन-स्टॉप सेंटर', आत्मनिर्भरता पर जोर

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** राज्य के पैक्सों को सशक्त करने के लिए शहर के होटल पनाश कौटिल्य में चल रही दो दिवसीय कार्यशाला शुक्रवार को सम्पन्न हो गई। इस मौके पर नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद ने कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में काम करने वाले पैक्स और अन्य समूह सरकारी सहयोग लें, लेकिन खुद को आत्मनिर्भर बनाएं। अपने आप को इतना विकसित करें कि लोग आपसे सहयोग मांगें। इस कार्यशाला को नीति आयोग ने पूर्वी भारत में किसान संगठनों का सशक्तिकरण विषय पर आयोजित किया था। इसे सहकारिता विभाग और डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (आरपीसीयू), पूसा के सहयोग से आयोजित किया गया था। इसमें प्रो. रमेश चंद ने कहा कि इस कार्यशाला में बिहार सहित 9 राज्यों से आए पैक्स अध्यक्षों और अधिकारियों से पैक्स की चुनौतियों और सफल कार्यों को सुना है। सहकारिता अब एक कामयाब मॉडल बन चुका है, इससे देश-विदेश के लोग प्रेरणा ले रहे हैं।

# विशेषज्ञ चिकित्सकों की सुविधा अब घर के नजदीक, स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने पर जोर : मंगल पाण्डेय

## राज्य के 51 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर पॉलीक्लिनिक सेवा हो रही संचालित

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में प्रदेशवासियों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्पित है। इस दिशा में राज्य के शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को और सशक्त बनाने के लिए पॉली क्लिनिक व्यवस्था लागू की गई है जिससे आम लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की सुविधा अब उनके घर के नजदीक ही उपलब्ध हो रही है। इस पहल से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। आम जन को समय पर सुलभ एवं बेहतर इलाज की सुविधा मिल रही है। श्री पांडेय ने कहा कि वर्तमान में राज्य में 148 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (यूपीएचसी) संचालित हैं जिनमें से 51 केंद्रों पर पॉलीक्लिनिक सेवाएं शुरू की गई हैं। जुलाई 2025 से प्रारंभ इस पहल के तहत फरवरी 2026 तक कुल 1,81,239 मरीजों को ओपीडी सेवाएं प्रदान की जा चुकी हैं। पॉलीक्लिनिक केंद्रों पर सामान्य चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ विशेषज्ञ डॉक्टरों की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। रोटेशन एवं साप्ताहिक रोस्टर के आधार पर जनरल मेडिसिन, स्त्री एवं प्रसूति रोग, शिशु रोग, त्वचा रोग, कान-नाक-गला (ईएमटी) तथा नेत्र-रोग के विशेषज्ञ डॉक्टरों के द्वारा मरीजों को परामर्श एवं उपचार प्रदान किया जा रहा है।

# संपादकीय

## ईरान ने पलट दिया अमेरिका का खेल, होर्मुज पर गिड़गिड़ा रहे पीड़ित देश

ईरान के खिलाफ ऑपरेशन एपिक फ्यूरी लॉन्च करने के बाद से अभी तक अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप दर्जनों बार दोहरा चुके हैं कि यह जंग उन्होंने करीब जीत ही ली है और तेहरान बातचीत के लिए गिड़गिड़ा रहा है। हालांकि दो हफ्ते से ज्यादा वक्त बाद भी जो जमीनी हकीकत है, वह बताती है कि ईरान की क्षमताओं को आंकने में अमेरिका-इस्राइल से चूक हो गई। यह बात ट्रंप की उन अपीलों से भी जाहिर हो रही है, जो उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर की हैं।ट्रंप चाहते हैं कि नैटो और दूसरे देश भी होर्मुज स्ट्रेट को खुलवाने के लिए आगे आएं। उन्होंने जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और फ्रांस का नाम लिया है। हालांकि किसी भी देश ने इसमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। ऑस्ट्रेलिया ने तो साफ तौर पर इनकार कर दिया है, जबकि जापान ने कानूनों का हवाला दिया है। इस बेरुखी पर ट्रंप ने नैटो को धमकी दी है, तो पेइचिंग को याद दिलाया है कि होर्मुज स्ट्रेट से होकर उसका '90 प्रतिशत तेल' जाता है, और उनकी चीन यात्रा टल भी सकती है। दुनिया दबाव की यह रणनीति टैरिफ वॉर में भी देख चुकी है। दूसरों को इस लड़ाई में खींचने की बेताबी बताती है कि ट्रंप फंसा महसूस कर रहे हैं। अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के खिलाफ एकतरफा युद्ध तब शुरू किया, जब समझौते को लेकर बातचीत चल रही थी और माना जा रहा था कि इस बार कोई रास्ता निकल सकता है। इस एकतरफा फैसले का ही असर था कि ब्रिटेन ने शुरू में अपने सैन्य अड्डे इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी थी, जिसे लेकर ट्रंप आज तक नाराज बताए जाते हैं। अमेरिका-इस्राइल केवल ईरान की ताकत को ही भांपने में गलत साबित नहीं हुए, बल्कि यह समझने में भी चूक कर गए कि संघर्ष कितना व्यापक हो सकता है। अब इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। धरती का सबसे व्यस्त तेल मार्ग बंद है। बढ़ती अनिश्चितता ने क्रूड ऑयल के दाम को 105 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंचा दिया है। पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था दबाव का सामना कर रही है। हालात पर साफगोई की उम्मीद ट्रंप से अब भी नहीं की जा सकती है। वह तो अपने दावे पर कायम हैं कि ईरान समझौता करना चाहता है, जबकि तेहरान बार-बार कह रहा है कि अमेरिका को उसकी आक्रामकता का जवाब दिया जाएगा। अमेरिकी मीडिया और वहां के कई राजनेता मान रहे हैं कि वॉशिंगटन से बड़ी चूक हो गई। ईरान युद्ध पश्चिम एशिया को लेकर अमेरिका के गलत आंकलनों और पूर्वाग्रहों का एक और उदाहरण है।

*सबसे पहले शुरूआत नक्शे से करते हैं। उस दौर में पाकिस्तान है बना ही नहीं था तो आप कल्पना कर सकते हैं कि भारत और ईरान दरअसल पड़ोसी देश थे। दोनों की सीमाएं हजारों साल से साथ ही थी। जाहिर है तब आज की तरह कोई एक सरकार नहीं होती थी। जनजातियां थी, अलग-अलग छोटे-छोटे कबीले थे, राज्य भी कह सकते हैं। लेकिन अगर आप सांस्कृतिक दृष्टि से इस जिसे हम आर्यावर्त कहते रहे हैं और ईरान तो इनकी सीमा तो ऐसी ही मिलती रही है और जाहिर है दोनों एक दूसरे को प्रभावित भी करते रहे क्योंकि तब कोई वीजा तो था नहीं। कोई आपका पासपोर्ट तो लगता नहीं था। तो यहां से आदमी कब इधर चला जाए अपनी भेड़े चराते या घोड़े दौड़ाते या इधर से इधर आ जाए यह कहा नहीं जा सकता और इसलिए दोनों जो दोनों की संस्कृतियां हैं उस पर काफी एक दूसरे का प्रभाव दिखता है।*

# अहुर-असुर से आर्य-वेद तक

## भारत-ईरान का वो रिश्ता जो अमेरिका-इजरायल चाहकर भी नहीं तोड़ सकते

(अभिनय आकाश)

ईरान का अर्थ ही है आर्यों का देश। आर्यों की ही एक शाखा ने इधर भारत में वेदों की रचना की थी। आज हम अहुरा-असुर से आर्य-वेद तक के सफर का एमआरआई स्कैन करेंगे। बताएंगे कि ईरान और भारत के ऐतिहासिक संबंध कैसे थे। और ये भी कि एरनम के फारस और फिर ईरान होने की कहानी क्या है?

ईरान-इजराइल युद्ध में भारत एक ऐसे तटस्थ देश की भूमिका निभा रहा है जो ना तो खुलकर तेल अवीव की मिसाइलों वाली बोली के समर्थन में है और न ही पूरी तरह तेहरान की तरफ झुका हुआ है। भारत और ईरान के रिश्ते हजारों साल पुराने हैं। वहीं इजरायल ने विभिन्न संकट की घड़ी में मददगार के रूप में भारत का साथ दिया है। अब आप सोचेंगे कि जब इजराइल से हमारी इतनी गहरी दोस्ती है तो हम ईरान को लेकर इतने फिक्रमंद क्यों हैं? क्या यह सिर्फ कच्चे तेल की सप्लाई या चाबहार बंदरगाह के व्यापार का मामला है? तो जवाब है बिल्कुल नहीं। भारत और ईरान का रिश्ता आज की कूटनीति कच्चे तेल या व्यापार की पैदाइश नहीं है। अगर आपको भारत का यह बैलेंसिंग एक्ट समझना है तो आज से हजारों साल पीछे जाना होगा। दरअसल हमारा और ईरान का रिश्ता किसी कागजी समझौते का नहीं बल्कि खून और सभ्यता का रिश्ता है। ईरान का अर्थ ही है आर्यों का देश। आर्यों की ही एक शाखा ने इधर भारत में वेदों की रचना की थी। आज हम अहुर-असुर से आर्य-वेद तक के सफर का एमआरआई स्कैन करेंगे। बताएंगे कि ईरान और भारत के ऐतिहासिक संबंध कैसे थे। और ये भी कि एरनम के फारस और फिर ईरान होने की कहानी क्या है?

**दोनों की सीमाएं हजारों साल से साथ ही थी-** सबसे पहले शुरूआत नक्शे से करते हैं। उस दौर में पाकिस्तान है बना ही नहीं था तो आप कल्पना कर सकते हैं कि भारत और ईरान दरअसल पड़ोसी देश थे। दोनों की सीमाएं हजारों साल से साथ ही थी। जाहिर है तब आज की तरह कोई एक सरकार नहीं होती थी। जनजातियां थी, अलग-अलग छोटे-छोटे कबीले थे, राज्य भी कह सकते हैं। लेकिन अगर आप सांस्कृतिक दृष्टि से इस जिसे हम आर्यावर्त कहते रहे हैं और ईरान तो इनकी सीमा तो ऐसी ही मिलती रही है और जाहिर है दोनों एक दूसरे को प्रभावित भी करते रहे क्योंकि तब कोई वीजा तो था नहीं। कोई आपका पासपोर्ट तो लगता नहीं था। तो यहां से आदमी कब इधर चला जाए अपनी भेड़े चराते या घोड़े दौड़ाते या इधर से इधर आ जाए यह कहा नहीं जा सकता और इसलिए दोनों के जो दोनों की संस्कृतियां हैं उस पर काफी एक दूसरे का प्रभाव दिखता है। 2000 से 3000 ईसा पूर्व के बीच भारत और ईरान के लोग एक ही परिवार का हिस्सा थे। अगर आप आधुनिक इराक, दक्षिणी ईरान और उत्तर पश्चिमी भारत के

नक्शे को एक साथ रखकर देखें तो आपको पता चलेगा कि यह पूरा इलाका कभी एक ही विशाल सांस्कृतिक और जन सांख्यिकी यानी डेमोग्राफिक क्षेत्र हुआ करता था। सिर्फ यही नहीं हमारी सिंधु घाटी सभ्यता ईरान और मेसोपोटामिया की समकालीन सभ्यताओं के बीच जो गहरे व्यापारिक संबंध थे वो आज भी जमीन की खुदाई में मिलते हैं। हजारों साल पहले हमारे पूर्वज एक दूसरे के शहरों में आते जाते थे। व्यापार करते थे और एक दूसरे के रीति-रिवाजों को मानते थे। यह दोनों सभ्यताएं एक दूसरे से पूरी तरह जुड़ी हुई थी। इसका एक सबसे बड़ा जिंदा सबूत आज भी मौजूद है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में ब्राहूई नाम का एक कबीला रहता है। यह लोग शक्ल, सूरत और नस्ल से बिल्कुल ईरानी लगते हैं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इनकी बोली दक्षिण भारत की द्रविड़ भाषाओं जैसे तमिल या तेलुगु से काफी मिलती जुलती है। यह कोई इत्तेफाक नहीं है। बल्कि इस बात का पक्का सबूत है कि हमारी जड़े एक ही जमीन से जुड़ी हैं और आधुनिक सीमाएं बनने से पहले हम एक ही थे।

**एक ही कबीले में रहते थे भारतीय-ईरानी-** इंडो आर्यन और ईरानी लोगों के साझे अतीत को वैज्ञानिक भाषा में कुर्गन परिकल्पना या कुर्गन हाइपोथेसिस और बीएमएसी यानी बैक्टीरिया मार्गना आर्कियोलॉजिकल कॉम्प्लेक्स के नाम से जाना जाता है। इस थ्योरी के मुताबिक हजारों साल पहले मध्य एशिया के यूरेशियन स्टेपीज इलाके में एक बहुत बड़ा घुमंतु समूह यानी नोमेडिक ग्रुप रहता था। यह लोग घोड़ों की सवारी करने और रथ चलाने में माहिर थे। यह वो लोग थे जो एक ही भाषा बोलते थे और एक ही जैसी संस्कृति को मानते थे। लेकिन वक्त के साथ चारगाहों और नई जमीन की तलाश में इन लोगों ने वहां से दक्षिण की तरफ अपना सफर शुरू किया। यही वो ऐतिहासिक सफर था जिसने दुनिया का भूगोल हमेशा के लिए बदल दिया। प्रवास के इस लंबे रास्ते में यह विशाल इंडो ईरानी भाषी समूह दो अलग-अलग शाखाओं में बट गए। इस समूह की पहली शाखा ने हिंदू कुश के ऊंचे पहाड़ों को पार किया और भारतीय उपमहाद्वीप के सिंधु और गंगा के उपजाऊ मैदानी इलाकों में आकर बस गए। इन्हें ही इतिहास में इंडो आर्यंस कहा जाता है। जबकि दूसरी शाखा पहाड़ों के पार नहीं गई। वो ईरानी पठार जो ईरानियन प्लेटो हैवहां रुक गई। उन्होंने वहीं अपनी सभ्यता का विस्तार किया और वो आगे चलकर प्राचीन फारसी या ईरानी कहलाए। यानी जो आज के भारतीय हैं और जो ईरानी हैं वह असल में हजारों साल पहले एक ही कबीले में रहते थे।

**अहुर और असुर, यस्न और यज्ञ-** पारसी धर्म में सर्वोच्च भगवान अहुर मज़्दा हैं। वे निराकार, रंगहीन, लिंगहीन और परम बुद्धिमान सत्ता हैं। अहुर का अर्थ है स्वामी या दिव्य। अब, यदि आप अहुर के 'ह' को 'स' से बदल दें, तो आपको वैदिक संस्कृति का 'असुर' शब्द मिल जाएगा। ऋग्वेद में 'असुर' शब्द का प्रयोग दिव्य प्राणियों के लिए किया जाता था, और इसका इस्तेमाल वरुण और इंद्र जैसे देवताओं के लिए होता था। पारसी-ज़ोरोस्ट्रियन संस्कृति और इतिहास के अनुसंधान और संरक्षण के लिए समर्पित संगठन की निदेशक शेर्नाज़ कहती हैं कि पारसी धर्म में अच्छाई का मतलब अहुर मज़्दा से है, जो रोशनी और बुद्धि की शक्ति हैं। वहीं, बुराई की ताकत अंग्र मैन्यू है, जो अंधेरे और नकारात्मकता का प्रतीक है। अहुर मज़्दा, मित्र और सात 'अमेशा स्पेंटा' की शक्तियां, असुर वरुण और आदित्यों के समान ही हैं। ऋग्वेद में आदित्यों को सूर्य-देवताओं का एक समूह माना गया है। जो देवता कभी दोनों संस्कृतियों में पूजे जाते थे, बाद में पारसियों ने उन्हें मानना छोड़ दिया, लेकिन वैदिक परंपरा में उन्हें माना जाता रहा। और इसी तरह, वैदिक परंपरा के कुछ देवता पारसी परंपरा में भी बदल गए। लंदन की एसओएएस यूनिवर्सिटी के मारियानो एरिचिएलो उस सिद्धांत के बारे में बताते हैं कि कैसे मध्य एशियाई मैदानों में रहने वाली 'हिंद-ईरानी' आबादी अलग हो गई। वह कहते हैं, इस सिद्धांत की शुरुआत 19वीं सदी में उन भाषाविदों ने की थी जिन्होंने संस्कृत, अवेस्तान और अन्य हिंद-यूरोपीय भाषाओं की तुलना की थी। बाद में कुछ विद्वानों ने यह राय दी कि किसी धार्मिक विवाद के कारण ये दोनों लोग अलग हुए होंगे। मारियानो बताते हैं कि कैसे दोनों परंपराओं में कुछ पवित्र शब्दों का अर्थ उल्टा हो गया। वह समझाते हैं, मिसाल के तौर पर, पारसी धर्म में अहुर मज़्दा सबसे बड़े भगवान हैं, जबकि वैदिक परंपरा में 'असुर' शब्द का मतलब धीरे-धीरे खराब या नकारात्मक हो गया। यह बदलाव इशारा करता है कि शायद कोई धार्मिक बदलाव हुआ होगा, जिसमें पहले के कुछ देवताओं को छोड़ दिया गया था। न केवल रीति-रिवाज और देवता, बल्कि पारसियों और हिंदुओं के पवित्र ग्रंथों अवेस्ता और ऋग्वेद में सुरक्षित भौगोलिक यादें भी एक साझा हिंद-ईरानी सांस्कृतिक दुनिया की ओर इशारा करती हैं। इन ग्रंथों में मध्य एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप में नदी प्रणालियों और भूभागों के समान विवरण मिलते हैं।

**अवेस्ता को ऋग्वेद के चश्मे से समझें-** विशेषज्ञों के अनुसार भारतीय और फारसी सभ्यताएँ कज़िन कल्चर यानी एक ही जड़ से जुड़ी हुई हैं।

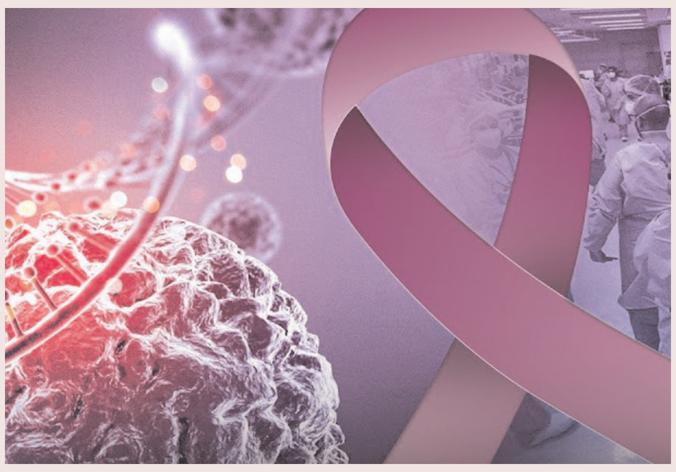

# कैंसर की राजधानी बनता भारत? 78 प्रतिशत भारतीयों के खून में मिले कीटनाशकों के अवशेष

(अभिषेक कुमार सिंह)

भारत में कैंसर के बढ़ते मामलों के पीछे जागरूकता और सख्त नियमन की कमी तथा हर स्तर पर बरती जा रही अनदेखी जिम्मेदार है। सामान्यतः एक भारतीय जो भोजन ग्रहण करता है, उसकी सटीक जांच की न तो कोई फिक्र है और न ही कोई ऐसी व्यवस्था उसके आसपास मौजूद है, जिससे वह आसानी से भोजन में छिपे जहर की पड़ताल कर सके।

जांच का जिम्मा जिन एजंसियों पर है, उनकी थोड़ी-बहुत सक्रियता होली और दिवाली जैसे त्योहारों पर दिखती है। इसका नतीजा क्या है, यह हाल में बंगलुरु स्थित 'गट-हेल्थ स्टार्टअप माइक्रोबायोटीएक्स' के कराए गए शोध में सामने आया है। देश के नौ राज्यों और 14 शहरों के 200 शहरी भारतीयों के रक्त नमूनों के विश्लेषण में पाया गया कि 78 फीसद लोग कीटनाशक अवशेषों के संपर्क में हैं।

अध्ययन में शामिल लोगों में से 36 फीसद में तीन या अधिक कीटनाशकों का मिश्रित असर देखा गया, जो गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों की ओर संकेत करता है। विषाक्त पदार्थ भूजल और वायु प्रदूषण के रास्ते शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। जांच के बाद आई रपट में कहा गया है कि 54 फीसद नमूनों में एंटीबायोटिक्स और 39 फीसद में स्टेरायड पाए गए। यह हार्मोन के असंतुलन और कैंसर जोखिम बढ़ा सकता है।

कुछ रसायन जो 'नानस्टिक' बर्तनों में भी उपयोग होते हैं, वे कैंसर, बांझपन, थायरायड और यकृत में गंभीर बीमारियों के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। सवाल है कि आखिर फसल उत्पादन, हमारे खानपान और रोजमर्रा की जिंदगी में कीटनाशकों के बढ़ते इस्तेमाल की वजह क्या है? आखिर इन पर वैसी रोक क्यों नहीं लग पा रही है, जैसी विकसित देशों में लगाई जाती है।

आज तक किसानों को इस बारे में जानकारी नहीं दी गई है कि किसी फसल पर कितनी मात्रा में कीटनाशकों का छिड़काव किया जाना चाहिए। सिर्फ किसान ही नहीं, वितरक यानी आढ़तिए भी फलों-सब्जियों को संरक्षित करने के लिए कीटनाशकों का इस्तेमाल करते हैं। सवाल है कि क्या हमारी सरकार आम जनता का हित देखना चाहती है या नहीं? इसका जवाब लोगों की जागरूकता में छिपा है।

यदि लोग खुद इन कीटनाशकों के इस्तेमाल के प्रति जागरूक होंगे और वे इस पर सवाल उठाएंगे, तो सरकार इनके इस्तेमाल की नीति बनाने के लिए बाध्य होगी। बाह्य संक्रमणों और कीटों से निपटना पहले भी चुनौती थी और आज भी यह बड़ी समस्या है। इस तस्वीर में महज इतना फर्क आया है कि आज हमारे पास विकसित किए गए कीटनाशक वे रसायन हैं जो इन कीटों और संक्रमणों से हमें काफी हद तक निजात दिलाते हैं।

आम धारणा यह है कि ये हमें कई दिक्कतों से बचाते हैं, लेकिन शोध साबित करते रहे हैं कि मक्खी-मच्छर, फफूंद या बैक्टीरिया से बचने की यह कोशिश हमें रसायन जनित कैंसर और दूसरी गंभीर बीमारियों की जद में ले जा रही है। मामला सिर्फ खाद्य पदार्थों में मिलाए जाने वाले खतरनाक रासायनिक तत्त्वों का नहीं है, बल्कि उन चीजों का भी है जो संक्रमण रोकने और कीटरोधी के तौर पर इस्तेमाल की जा रही हैं।

खेतों में कीटनाशकों से फसलें सुरक्षित रहती हैं। घरों में रासायनिक दवाएं दीमक, तिलचट्टों, मक्खी-मच्छरों से हमें सुरक्षा प्रदान करती हैं। घरेलू कीटनाशकों का तो यह कह कर जोर-शोर से प्रचार किया जाता है कि कम या ज्यादा मच्छर होने पर इनका असर भी मनचाहे ढंग से घटाया या बढ़ाया जा सकता है। मगर कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रचलन हमारी सेहत की बलि ले रहा है।

खेत-खलिहान हों या घर, हमें हर जगह कीटनाशकों के इस्तेमाल की सलाह दी जा रही है, पर यह कोई नहीं बता रहा कि कितनी मात्रा तक इनका इस्तेमाल सुरक्षित है। खतरनाक रसायन दो तरीकों से हम तक पहुंच रहे हैं। अव्वल तो मक्खी-मच्छर और तिलचट्टों के रोकने के लिए हम खुद इनका इस्तेमाल करते हैं। दूसरे, खेतों में फसलों पर छिड़के जाने वाले कीटनाशकों के अंश फल-सब्जियों और अनाजों के जरिए हम तक पहुंचते हैं। अब चाहे कोई मौसम हो, शहरों-कस्बों में हर तरह के मच्छर प्रतिरोधी रसायनों की बिक्री धड़ल्ले से हो रही है।

# मजबूत सेना, स्वदेशी हथियार और नई युद्ध तकनीक, यही है मोदी सरकार की जबरदस्त सामरिक रणनीति

**मोदी सरकार की दूसरी निर्णायक रणनीति है सैन्य आधुनिकीकरण को तेज करना। पिछले कुछ वर्षों में यह स्पष्ट हुआ है कि भारत को एक साथ दो मोर्चों पर युद्ध की संभावना को ध्यान में रखते हुए अपनी सैन्य क्षमता बढ़ानी होगी। इसी रणनीति के तहत भारत ने नौसेना के लिए 26 आधुनिक राफेल लड़ाकू विमान खरीदने का लगभग 7.4 अरब डॉलर का समझौता किया है, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री शक्ति और मजबूत होगी।**

(नीरज कुमार दुबे)

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने हथियार आयातक देश की छवि से बाहर निकलकर रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। उदाहरण के तौर पर हाल ही में इंडोनेशिया ने भारत से लगभग 3800 करोड़ रुपये की ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने का समझौता किया है।

साल 2026 में भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है। बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन, चीन की आक्रामक सैन्य विस्तार नीति, हिंद महासागर में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और सीमा क्षेत्रों में लगातार तनाव ने भारत को अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए मजबूर किया है। इसी पृष्ठभूमि में मोदी सरकार ने वर्ष 2026 में ऐसी सामरिक रणनीति अपनाई है जिसका मूल उद्देश्य है सैन्य शक्ति का तीव्र आधुनिकीकरण, स्वदेशी रक्षा उत्पादन का विस्फोटक विस्तार, नई युद्ध तकनीकों में निर्णायक बढ़त और वैश्विक रक्षा कूटनीति का विस्तार।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी की सबसे पहली और सबसे स्पष्ट प्राथमिकता है रक्षा बजट में निरंतर वृद्धि। केंद्रीय बजट 2026-27 में भारत सरकार ने रक्षा क्षेत्र के लिए लगभग 7.85 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड आवंटन किया है जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत अधिक है। यह राशि भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दो प्रतिशत है और केंद्र सरकार के कुल खर्च का लगभग 14.67 प्रतिशत हिस्सा रक्षा क्षेत्र को जाता है। इस बजट में 2.19 लाख करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के लिए रखे गए हैं ताकि सेना को अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमान, आधुनिक युद्धपोत, पनडुब्बी, ड्रोन और स्मार्ट हथियारों से लैस किया जा सके।

मोदी सरकार की दूसरी निर्णायक रणनीति है सैन्य आधुनिकीकरण को तेज करना। पिछले कुछ वर्षों में यह स्पष्ट हुआ है कि भारत को एक साथ दो मोर्चों पर युद्ध की संभावना को ध्यान में रखते हुए अपनी सैन्य क्षमता बढ़ानी होगी। इसी रणनीति के तहत भारत ने नौसेना के लिए 26 आधुनिक राफेल लड़ाकू विमान खरीदने का लगभग 7.4 अरब डॉलर का समझौता किया है, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री शक्ति और मजबूत होगी।

इसके साथ ही भारतीय वायुसेना के लिए नए लड़ाकू स्क्वॉड्रन, आधुनिक मिसाइल प्रणाली और लंबी दूरी की मारक क्षमता वाले हथियारों पर तेजी से काम चल रहा है।

सामरिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम चीन और पाकिस्तान दोनों से उत्पन्न सुरक्षा चुनौतियों के जवाब में उठाया गया है।

तीसरी बड़ी प्राथमिकता है आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग का निर्माण। वर्ष 2026 के रक्षा बजट में पूंजीगत खरीद का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा घरेलू उद्योगों से खरीद के लिए निर्धारित किया गया है। इसका अर्थ है कि लगभग 1.39 लाख करोड़ रुपये भारतीय कंपनियों और रक्षा निर्माण इकाइयों को मिलेंगे। इससे न केवल सैन्य क्षमता बढ़ेगी बल्कि देश में विशाल रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र भी विकसित होगा।

इसी दिशा में उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारा एक बड़ा उदाहरण बनकर उभरा है जहां अब तक 35000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित हो चुका है। इस परियोजना का लक्ष्य भारत को वैश्विक रक्षा उत्पादन केंद्र बनाना है और हजारों उच्च कौशल रोजगार पैदा करना है।

चौथी रणनीतिक प्राथमिकता है नई पीढ़ी के युद्ध क्षेत्रों में प्रवेश। पारंपरिक युद्ध अब अकेला निर्णायक तत्व नहीं रह गया है। ड्रोन, कृत्रिम बुद्धि आधारित युद्ध प्रणाली, डाटा युद्ध और साइबर युद्ध भविष्य की लड़ाइयों का आधार बनते जा रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत ने ड्रोन बल, सैन्य जियो स्पेशल एजेंसी, डाटा फोर्स और संज्ञानात्मक युद्ध इकाइयों की स्थापना की दीर्घकालिक योजना तैयार की है। इसका उद्देश्य है कि वर्ष 2047 तक भारत पूरी तरह तकनीकी रूप से उन्नत सैन्य शक्ति बन सके।

पांचवीं प्राथमिकता है रक्षा निर्यात का आक्रामक विस्तार। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने हथियार आयातक देश की छवि से बाहर निकलकर रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। उदाहरण के तौर पर हाल ही में इंडोनेशिया ने भारत से लगभग 3800 करोड़ रुपये की ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने का समझौता किया है। यह सौदा केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत की सामरिक उपस्थिति मजबूत होती है।

छठी रणनीतिक दिशा है भविष्य के युद्ध खतरों के लिए तैयारी। भारत की नई रक्षा दृष्टि में रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु हमलों से निपटने के लिए विशेष सुरक्षा ढांचे का निर्माण भी शामिल है। रक्षा बल विजन 2047 दस्तावेज में स्पष्ट किया गया है कि भविष्य के युद्ध बहुआयामी होंगे और उनके लिए तेज प्रतिक्रिया क्षमता विकसित करना आवश्यक है।

इन सभी पहलों का व्यापक लक्ष्य है भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित और सैन्य दृष्टि से आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना। देखा जाये तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा प्रस्तुत रक्षा विजन 2047 राष्ट्रीय शक्ति के समग्र विस्तार का खाका है जिसमें सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और तकनीकी नवाचार को एक साथ जोड़ा गया है।

कुल मिलाकर देखें तो वर्ष 2026 में मोदी सरकार की रणनीतिक प्राथमिकताएं बेहद स्पष्ट और आक्रामक हैं। विशाल रक्षा बजट, तेज सैन्य आधुनिकीकरण, स्वदेशी हथियार निर्माण, नई युद्ध तकनीकों में निवेश, रक्षा निर्यात का विस्तार और भविष्य के युद्धों के लिए तैयारी, ये सभी कदम मिलकर भारत को एक उभरती वैश्विक सैन्य शक्ति में बदलने की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं। यदि यह रणनीति इसी गति से लागू होती रही तो आने वाले दशक में भारत केवल दक्षिण एशिया की सुरक्षा व्यवस्था का केंद्र नहीं रहेगा बल्कि हिंद प्रशांत क्षेत्र की शक्ति संतुलन राजनीति में भी निर्णायक भूमिका निभाएगा।( इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं। )

## संक्षिप्त समाचार

### बलरामपुर पैक्स का परिणाम घोषित

**बलरामपुर/कटिहार (नबिटासं)।** बलरामपुर प्रखंड मुख्यालय में पैक्स चुनाव का मतगणना शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। प्रखंड के बलरामपुर पैक्स में हुए चुनाव का परिणाम देर रात घोषित कर दिया गया। प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ प्रशांत कुमार सिंह की देख रेख में मतगणना देर शाम प्रारंभ किया गया। प्रखंड के तीन पैक्स फतेहपुर, महिशाल एवं बलरामपुर में चुनाव होना था। जिसमें दो पैक्स महिशाल से युक्ति देवी एवं फतेहपुर पैक्स से

रूबी देवी अध्यक्ष पद पर निर्विरोध घोषित हुई है। तथा केवल बलरामपुर पैक्स के लिए ही चुनाव प्रक्रिया अपनाया गया था। यहाँ चुनावी नतीजे के मुताबिक विगत दो बार से कुर्सी पर काबिज निवर्तमान पैक्स अध्यक्ष अपने स्थान पर अपनी पत्नी हमीदा खातून को चुनावी मैदान में उतरा था। जो अपनी कुर्सी बचाने में नाकाम रही। कुल 1645 वोटों में से मतदाताओं ने 896 मताओं का प्रयोग किया था। जिसमें हमीदा खातून को 401मत प्राप्त हुए। वहीं परवेज आलम ने 446मत प्राप्त कर 45 वोटो से विजय घोषित हुए। इस में प्रतीक्षपित मतों की संख्या 49 रही। प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी ने बताया कि प्रबंधकारिणी समिति के निर्वाचित सदस्यों का नाम में अनुसूचित जाति, जन जाति से सेलटू राय, पिछड़ा वर्ग कोटि से रामसागर यादव, अत्यंत पिछड़ा वर्ग कोटि से हरेंद्र नाथ सिंह एवं पातल देवी सामान्य कोटि से मो. इजहार आलम,केसला जमी, बीबी रोशन आरा एवं गीता देवी शामिल है। वहीं विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस कर्मी एवं पदाधिकारी तैनात रहे।

### 31 मार्च से पहले योजनाएं पूरी करने की होड़ में नियमों की अनदेखी

**बरारी/कटिहार (नबिटासं)।** मनरेगा योजनाओं को बंद कर नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी के बीच जिले में अनियमितता के मामले सामने आने लगे हैं। विभागीय निर्देश के अनुसार 31 मार्च 2026 तक मनरेगा के तहत चल रही सभी योजनाओं को पूर्ण कर बंद करना है। जिसके बाद 1 अप्रैल से विकसित भारत-रोजगार आजीविका मिशन ग्रामीण के तहत नए कार्य शुरू होंगे। इसी जल्दबाजी में कई स्थानों पर नियमों को दरकिनार कर कार्य कराए जाने की शिकायतें मिल रही हैं। बरारी प्रखंड के कावर पंचायत वार्ड संख्या 9 में मनरेगा के तहत करीब 8 से 9 लाख रुपये की लागत से आरसीसी कलभट निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जिसमें गंभीर अनियमितता का आरोप लगा है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जहां मजदूरों से कार्य कराया जाना चाहिए, वहां जेसीबी मशीन का उपयोग किया जा रहा है। जो मनरेगा नियमों के विरुद्ध है। साथ ही निर्माण स्थल पर योजना से संबंधित सूचना बोर्ड भी नहीं लगाया गया है, जिससे पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। पूर्व सरपंच चंदन कुमार सिंह ने इस मामले में कार्यक्रम पदाधिकारी श्याम देव कुमार को आवेदन देकर जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण में 12 एमएम सरिया के स्थान पर 8 एमएम सरिया का उपयोग किया जा रहा है। जिससे गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है और भविष्य में निर्माण के क्षतिग्रस्त होने की आशंका है। इस संबंध में कार्यक्रम पदाधिकारी श्याम देव कुमार ने कहा कि मामले की स्थलीय जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

### अकीदत व एहतराम के साथ अदा की गई अलविदा जुमा की नमाज

**बलरामपुर/कटिहार (नबिटासं)।** शुक्रवार को रमजान माह की आखरी जुमे की नमाज प्रखंड क्षेत्र के सभी जामे मस्जिदों में अकीदत व एहतराम के साथ अदा की गई।इस जुमे को अलविदा

जुमा भी कहा जाता है।अजान सुनते ही जवानों एवं बुजुर्गों के साथ बच्चे भी अलविदा जुमा की नमाज पढ़ने के लिए मस्जिदों में पहुंचने लगे। जिसको लेकर मस्जिदों में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अपने तकरीर में मौलाना मो. मुशरर्फ ने रोजेदारों से ईद की नमाज अदा करने से पहले फितरा अदा करने को कहा। जो घर खुशहाल है उस घर के प्रत्येक व्यक्ति को फितरा देना है। फितरा की अदायगी जे लिए 2 किलो 45 ग्राम गेंहू या उसके बदले वर्तमान में बाजार भाव की कीमत से रुपया गरीब, विधवा, लाचार आदि लोगों में बांटने का हुक्म है। अगर किसी घर मे ईद की सुबह बच्चे का जन्म होता है तो उस के मां बाप को बच्चे का भी फितरा अदा करने का हुक्म है। मस्जिदों में नमाज के बाद रोजेदारों ने अल्लाह की बारगाह में सादगी और एहतराम के साथ अपना सिर झुका कर नेक राह पर चलने के साथ मुल्क में अमन शांति,तरक्की एवं आपसी सदभाव की दुआ मांगी।

# साईबर फ्रॉड में चार्टर्ड अकाउंटेंट और आईसीआईसीआई बैंक मैनेजर सहित आधा दर्जन को पुलिस ने किया गिरफ्तार

## 2 करोड़ से ज्यादा का साइबर फ्रॉड : डीएसपी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**कटिहार।** साइबर थाना पुलिस ने बड़ी करवाई करते हुए म्यूल अकाउंट संदिग्ध बैंक खाता गिरोह पर बड़ा एक्शन किया है। सायबर पुलिस ने 2 करोड़ से ज्यादा का साइबर फ्रॉड खेल को उजागर किया। जिसमें सीए और आईसीआईसीआई बैंक मैनेजर समेत 6 आरोपी को गिरफ्तार करने में सफल रहे। कटिहार साइबर डीएसपी राम कृष्ण ने पुरे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

ऑपरेशन प्रहार 2.0 के तहत साइबर थाना कटिहार ने म्यूल अकाउंट संदिग्ध बैंक खातों के जरिए हो रहे अवैध लेनदेन के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। इस कार्रवाई में कुल

6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। साइबर डीएसपी ने बताया कि हाल में शहर के विनोदपुर निवासी दवा व्यवसायी लक्ष्मीकांत अग्रवाल के चार्टर्ड अकाउंटेंट पुत्र निशांत अग्रवाल उसके सहयोगी रवि शंकर रवि कोढा निवासी को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों ने अपने बैंक खातों को साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराया। जिसके जरिए करीब 50 लाख 69 हजार रुपये का अवैध लेनदेन किया गया। इतना ही नहीं चार्टर्ड अकाउंटेंट ने अपनी पत्नी का खाता भी संचालित कर अवैध राशि का उगाही किया है ।मामले से बचने के लिए इन्होंने बैंक चेकबुक, मोबाइल और मुहर खोने की झूठी सूचना भी थाने में दर्ज कराई थी। वहीं दूसरे मामले में खाताधारक कैलाश प्रसाद साह, रिंकू कुमार, राजेश कुमार मिश्रा और आइसीआइसीआइ बैंक के ब्रांच मैनेजर कौशल कुमार को गिरफ्तार किया गया है। साइबर डीएसपी के माने तो सभी ने मिलकर साइबर अपराधियों के साथ सांठगांठ कर खाते के जरिए करीब 1 करोड़ 71 लाख रुपये का अवैध ट्रांजैक्शन किया है। पुलिस के मुताबिक अब तक कुल 26 संदिग्ध खातों की पहचान की गई है। जिनकी जांच जारी है। आने वाले दिनों में इस मामले में और भी बड़े खुलासे होने की संभावना है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे अपने बैंक खातों का इस्तेमाल किसी भी अवैध गतिविधि में न होने दें और अपनी निजी जानकारी किसी व्यक्ति के साथ साझा करने से बचें।

# ईद पर अमन-चैन का पैगाम, बारसोई में सड़कों पर उतरा प्रशासन

## फ्लैग मार्च के जरिए सुरक्षा का दिलाया भरोसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**बारसोई (कटिहार)।** ईद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को बारसोई

में प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। अनुमंडल प्रशासन के नेतृत्व में निकाली गई फ्लैग मार्च ने पूरे नगर में सुरक्षा और विश्वास का मजबूत संदेश दिया। अनुमंडल कार्यालय परिसर से शुरू हुई यह फ्लैग मार्च शहर के प्रमुख चौक-चौराहों एवं संवेदनशील इलाकों से होकर गुजरी।

मार्च के दौरान पुलिस बल की सख्त मौजूदगी और अधिकारियों की सक्रियता ने यह स्पष्ट कर दिया कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसडीएम राजू कुमार एवं एसडीपीओ अजय कुमार ने आमजनों से अपील करते हुए कहा कि ईद का पर्व आपसी भाईचारे और प्रेम के साथ मनाएं। उन्होंने लोगों को सचेत किया कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।फ्लैग मार्च में बारसोई थाना अध्यक्ष उमेश कुमार सहित कई पुलिस पदाधिकारी व बड़ी संख्या में पुलिस जवान शामिल रहे। पूरे अभियान के दौरान प्रशासन का सख्त और सजग रुख देखने को मिला। जिससे आम लोगों में सुरक्षा की भावना और अधिक मजबूत हुई। प्रशासन ने दो टूक शब्दों में कहा कि शांति भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं जिम्मेदार नागरिकों से अपील की गई कि वे आपसी सद्भाव बनाए रखते हुए ईद का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाएं।

# मनसाही हाट में शार्ट सर्किट से लगी आग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**मनिहारी (कटिहार)।** प्रखंड क्षेत्र के साहेबनगर पंचायत के मनसाही हाट में शुक्रवार को दिन के 11:30 बजे के आसपास मोहम्मद मंसूर उर्फ मकसूद के किराना एवं कॉस्मेटिक दुकान में सौर सर्किट से लगे आग में लाखों का नुकसान होने का मामला प्रकाश में आया हैं ।

सूचना के अनुसार मनसाही हाट के दुकानदार लोग शुक्रवार को जुम्मा की नमाज अदा करने की तैयारी कर रहे थे इसी दरमियान अचानक मो. मंसूर उर्फ मकसूद के किराना एवं कॉस्मेटिक दुकान में लगे बिजली के बोर्ड में सौर सर्किट से आग लग गई और देखते ही देखते पूरा दुकान जलकर स्वाहा हो गया। इस घटना की जानकारी लोगों ने

मनसाही पुलिस एवं दमकल को टीम को दिया दमकल की टीम तुरंत पहुंचकर आग पर काबू पा लिया अगर दमकल की टीम समय पर नहीं पहुंचती तो पूरे मनसाही हाट की दुकान जलकर राख हो जाता। वहीं पीड़ित दुकानदार मोहम्मद मंसूर उर्फ मकसूद ने बताया कि दुकान में किराना के साथ कॉस्मेटिक के समान थे जो चलकर राख हो गए हैं। अगलगी में लाखों का नुकसान हुआ। इस बाबत घटनास्थल पर जिला परिषद प्रतिनिधि खुर्शीद आजाद पहुंचकर जिला प्रशासन से अग्नि पीड़ित को मुआवजा देने की मांग की।

## डीएम-एसपी ने गैस एजेंसी का किया औचक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**कटिहार।** जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी ने शहर की प्रमुख गैस एजेंसियों इंडेन गैस एजेंसी का संयुक्त औचक निरीक्षण किये। निरीक्षण के दौरान गैस वितरण व्यवस्था, स्टॉक रजिस्टर, उपभोक्ताओं को समय पर आपूर्ति एवं निर्धारित दर पर गैस उपलब्ध कराने की स्थिति का जायजा लिया गया। साथ ही संबंधित एजेंसी संचालकों को निर्देश दिया गया कि किसी भी प्रकार की कालाबाजारी, अनियमितता या उपभोक्ताओं की शिकायत पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि गैस आपूर्ति में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अधिक मूल्य वसूली की सूचना तत्काल संबंधित पदाधिकारियों को दें।

# जुमा अलविदा की नमाज अदा की गई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**मनसाही (कटिहार) ।** प्रखंड के विभिन्न जामा मस्जिद में रोजा के अंतिम शुक्रवार को जुम्मा की नमाज अदा की गई। इस मौके पर मुस्लिम भाई जामा मस्जिद पहुंचे वजू खाना में वजू किए। इनके उपरांत नमाज अदाकर अमन चैन प्यार का पैगाम दिए। कहां की हम सभी लोग एक साथ रहते हैं,एक साथ जीवन यापन करते हैं और रोजा भी साथ रखते हैं,और आज ईद का अंतिम जुम्मा था हम सभी लोग जामा मस्जिद पहुंचकर जुम्मा की नमाज अदा कर भाईचारे का संदेश दिए। वहीं आज विभिन्न ईदगाह में ईद की नमाज अदा की जाएगी।

# रोजेदार परिवारों के बीच बांटा गया ईद मनाने का सामान

## स्वयंसेवी संस्था की ओर रोजेदार परिवारों को मिला ईदी पैकेट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**कटिहार।** रमजान का आखिरी दिन पर रोजेदारों में उत्साह देखा गया।आज ईद मनाया जाएगा।विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी स्वयंसेवी संस्था अल-मदद- फाउन्डेशन कटिहार की ओर से जरुरतमंद रोजेदार परिवारों के बीच एक सौ से अधिक ईद के जरुरी सामानों का पैकेट वितरण किया गया।

शहर के रामपारा, चौधरी मोहल्ला, बैगना मुहल्ले तथा डंडखोरा प्रखंड के डंडखोरा, सौरिया, भमरैली, मगुरजान और कंदरपेली के गांवों में संस्था के पदाधिकारियों ने चिह्नित परिवारों को ईदी किट पहुंचाया। सभी किटों में साड़ी, लुंगी, टोपी, सेवई, चावल,

सूरमा,साबुन जैसे ईद मनाने का अतिआवश्यक सामान था। गरीबी के कारण त्योहार का सामान जुटाने में असमर्थ परिवारों के चेहरे पर ईद किट मिलने खुशी देखी गई। फाउन्डेशन के अध्यक्ष मुश्ताक आजम ने बताया कि हमारी संस्था जनसहयोग से प्राप्त राशि का गरीब एवं लाचार लोगों के सहयोग के लिए तत्पर रहती है।संस्था की ओर से गर्मी के दिनों मे सार्वजनिक जगहों पर शीतल पेयजल की व्यवस्था,लाचार लोगों को इलाज में सहयोग तथा बच्चों को बैग,कापी, किताब, पेंसिल आदि मुहैया कराया जाता है।वहीं विगत कई वर्षों से गरीब परिवारों को ईदी पैकेट भेट कर ईद मनाने में सहयोग करने के सामाजिक दायित्वों का भी संस्था निर्वहन करती है।इस बार भी एक सौ अधिक किट का वितरण किया गया है।वितरण कार्यक्रम में संस्था के सचिव मो.रईस सहित अन्य कई सक्रिय रुप से शामिल रहे।

# सौरिया पैक्स अध्यक्ष पद पर रामप्रसाद को मिली दूसरी जीत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**डंडखोरा (कटिहार)।** प्रखंड क्षेत्र के सौरिया प्राथमिक कृषि साख सहयोग समिति लि. का अध्यक्ष के एकल पद के लिए हुए चुनाव की मतगणना में रामप्रसाद महतो ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई मतगणना में रामप्रकाश महतो के विजयी होने की घोषणा होते हीं उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। समर्थकों ने उन्हे फूल-माला से लादकर और एक दूसरे को अबीर लगाकर विजयोत्सव मनाया।

प्रखंड प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी सह विकास पदाधिकारी शुभम प्रकाश एवं प्रेक्षक पंकज कुमार

ने रामप्रसाद महतो को निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र प्रदान किया। बीडीओ ने बताया कि तीन चक्रों की गिनती में रामप्रसाद महतो को 591 तथा उसके प्रतिद्वंदी बाबुल कुमार को 489 मत हुए। तो वहीं कुल 35 मत को रद्द घोषित किया गया।उन्होंने बताया कि प्राप्त मतों के आधार पर रामप्रसाद महतो को 102 मतों से निर्वाचित घोषित किया गया।

रामप्रसाद महतो ने अपनी जीत का श्रेय पैक्स के मतदाताओं को दिया है, जिन्होंने उनके पूर्व के कार्यकाल को सराहा। उन्होंने कहा कि पूर्व की भांति किसानों को पैक्स की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिलाने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहूंगा। मतगणना को लेकर सुरक्षा व्यवस्था काफी सख्त रही।एसआई रीतेश कुमार, एएसआई सुमन कुमार, सुधीर कुमार पुलिस बलों के साथ सख्त देखे गये।

रामप्रसाद महतो की जीत पर मुखिया निरंजन मंडल, पंचायत समिति सदस्य सबिता देवी, भाजपा नेता संतोष साह, वेदपाल सिंह, धरणीधर पाठक, पैक्स अध्यक्ष हीरालाल साह, कन्हैया विश्वास, गयानाथ मंडल, चंदन प्रसाद साह, सत्यव्रत कुशवाहा, बिक्रम शर्मा, केशव केवट, रवि कुशवाहा, बबलू केवट सहित दर्जनों अन्य ने बधाई दी

# एलपीजी कालाबाजारी करने वालों पर प्रशासन सख्त : डीएम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**कटिहार।** मध्य पूर्व के देशों में जारी तनाव के बीच सोशल मीडिया पर घरेलू गैस और पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति को लेकर फैल रही भ्रामक खबरों पर जिला प्रशासन ने विराम लगा दिया है। जिले में गैस की कोई किल्लत नहीं है। यह जानकारी जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर दी है।उन्होंने बताया कि जिले में रसोई गैस का पर्याप्त स्टॉक ने बताया कि जमाखोरी और अवैध रिफिलिंग रोकने के लिए गठित धावा दल हर गतिविधि पर नजर रख रही है।

कोढ़ा प्रखंड में अवैध गैस रिफिलिंग के विरुद्ध छापेमारी कर प्राथमिकी दर्ज किये जाने से अब तक जिले में ऐसे मामलों में 3 एफआईआर दर्ज हो चुका है।जिला पदाधिकारी ने आम जनों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया के अफवाहों के आधार पर पैनिक होने की

उपलब्ध है और आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है।

डीएम ने बताया कि जिले के सभी 54 गैस वितरकों के पास वर्तमान में 21,781 घरेलू तथा 1016 व्यवसायिक एलपीजी सिलेंडर का स्टॉक है। 19 मार्च तक हुई 5,290 बुकिंग के विरूद्ध 6,352 सिलेंडरों की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।उन्होंने बताया कि शुक्रवार को भी विभिन्न गैस एजेंसियों को 8,460 नए सिलेंडर प्राप्त हुआ हैं, जिससे उपभोक्ताओं को उनकी आवश्यकतानुसार आसानी से गैस उपलब्ध कराई जा सकेगी। डीएम आवश्यकता नही है और न हीं गैस एजेंसियों पर अनावश्यक भीड़ लगाएं। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थानों को निर्बाध आपूर्ति का निर्देश दिए गया है। उन्होंने गैस से जुड़ी शिकायत जिलास्तरीय हेल्पलाइन नंबर 06452-239025 एवं 239026 पर दर्ज करने की बात कही है। मौके पर पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी , अनुमंडल पदाधिकारी प्रद्युम्न सिंह यादव, जिला आपूर्ति पदाधिकारी सुशील कुमार तथा डीपीआरओ अभिषेक रंजन मौजूद रहे।

# बच्चों के अधिकारों और उनके हितों की रक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल : प्रमंडलीय आयुक्त

## बाल संरक्षण को लेकर प्रमंडल स्तरीय विचार गोष्ठी सह संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**कटिहार।** पूर्णिया प्रमंडल में बाल संरक्षण को लेकर प्रमंडल स्तरीय विचार गोष्ठी सह संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समग्र रूप से बाल संरक्षण को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वूपर्ण पहल का आयोजन किया गया । पूर्णिया प्रमंडल अंतर्गत बाल संरक्षण के क्षेत्र में पारस्परिक बेहतर संबंध, प्रभावी समन्वय तथा बहुविभागीय उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रमंडलीय स्तर पर विचार गोष्ठी सह संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित की गयी। यह कार्यक्रम बाल संरक्षण को समग्रता के साथ सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्तवपूर्ण एवं दूरगामी पहल है।

इसमें बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न विभागों, संस्थाओं तथा प्रशासनिक इकाई के बीच समन्वय को और अधिक प्रभावी बनाने पर व्यापक

विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्णिया प्रमंडल के प्रमंडलीय आयुक्त राजेश कुमार ने की । इस अवसर पर पूर्णिया प्रमंडल के अंतर्गत आने वाले सभी चार जिल पूर्णिया, कटिहार, अररिया एवं किशनगंज से बाल संरक्षण तंत्र से जुड़े अधिकारी, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि तथा संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की।कार्यक्रम का संचालन अंजनी कुमार उप विकास आयुक्त पूर्णिया ने किया। सर्वप्रथम अमरेश कुमार सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई पूर्णिया ने बाल संरक्षण को लेकर प्रमंडल स्तरीय उद्देश्य के बारे में बताया। अध्यक्षीय संबोधन में प्रमंडलीय आयुक्त राजेश कुमार ने बच्चों के अधिकारों और उनके हितों की रक्षा को प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल बताते हुए कहा कि बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण और समग्र विकास केवल किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह प्रशासन, पुलिस,न्यायिक संस्थाओं,शिक्षा,स्वास्थ्य,श्रम, सामाजिक सुरक्षा तथा समुदाय-सभी की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बच्चों की देखरेख और संरक्षण के लिए विभिन्न संस्थागत व्यवस्थाएं स्थापित की गई हैं, जिनमें किशोर न्याय परिषद, बाल सुधार गृह, पर्यवेक्षण गृह एवं अन्य बाल देखरेख संस्थान शामिल हैं। इन संस्थानों का प्रभावी संचालन तथा वहां रह रहे बच्चों के खान-पान, स्वास्थ्य, शिक्षा और समुचित देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए परवरिश आदि विभिन्न योजनाएं संचालित है। प्रमंडलीय आयुक्त ने कहा कि बाल संरक्षण तंत्र को प्रभावी बनाने के लिए विभागों के बीच नियमित संवाद, स्पष्ट भूमिका निर्धारण, समयबद्ध प्रतिक्रिया और उत्तरदायी कार्य संस्कृति विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों से आग्रह किया कि बाल संरक्षण के एजेंडे को जिला स्तर तक सीमित न रखते हुए इसे प्रखंड और पंचायत स्तर तक भी प्रभावी रूप से लागू किया जाए। इससे जमीनी स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित होगा, जोखिमग्रस्त बच्चों की समय पर पहचान संभव होगी तथा स्थानीय स्तर पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि यदि बाल संरक्षण की समझ, प्रणाली और जवाबदेही को ब्लॉक एवं पंचायत स्तर तक मजबूत किया जाए तो बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण की पूरी प्रक्रिया अधिक प्रभावी और परिणामोन्मुख हो सकती है। प्रमंडलीय आयुक्त ने यह भी रेखांकित किया कि बाल संरक्षण के मामलों में केवल बैठकों का आयोजन पर्याप्त नहीं है, बल्कि नियमित फॉलो-अप, अनुश्रवण, जवाबदेही निर्धारण, गुणवत्तापूर्ण दस्तावेजीकरण तथा विभागों के बीच वास्तविक कार्यगत समन्वय को संस्थागत रूप देना भी अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने सभी जिलों को निर्देश दिया कि बाल संरक्षण को बहुविभागीय एजेंडा के रूप में स्वीकार करते हुए इसे प्रशासनिक कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए। अंशुल कुमार जिला पदाधिकारी पूर्णिया ने अपने संबोधन में बाल संरक्षण के विषय को अत्यंत संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं प्रशासनिक तंत्र को अधिक जागरूक और उत्तरदायी बनाने में सहायक सिद्ध होती हैं।

• 2 प्रतिशत से अधिक उछल गया

## सोने के भाव में 3350 की तेजी, चांदी 8540 उछली, क्या अब बदल रहा ट्रेंड

**नईदिल्ली, एजेंसी।** हफ्ते की शुरुआत में भारी गिरावट का सामना करने के बाद शुक्रवार को सोने की कीमतों में मजबूत रिकवरी देखने को मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना सुबह के कारोबार में 2 प्रतिशत से अधिक उछल गया, जिससे निवेशकों को कुछ राहत मिली है। हालांकि, बाजार की अस्थिरता अभी भी बनी हुई है और आगे की दिशा को लेकर अनिश्चितता कायम है। हालांकि शुक्रवार को तस्वीर बदलती नजर आई। सुबह के कारोबार में सोने की कीमतों में 3,350 रुपये यानी करीब 2.30 प्रतिशत की तेजी आई और यह 1,48,302 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया। इसी तरह चांदी में भी जोरदार उछाल देखने को मिला और यह 8,540 रुपये बढ़कर 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह तेजी मुख्य रूप से वैल्यू बाइंग के कारण आई है, जहां निवेशकों ने गिरावट के बाद कम कीमतों पर खरीदारी का मौका भुनाया। बता दें गुरुवार को सोने और चांदी में बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी, जिसने निवेशकों को चौंका दिया। एमसीएक्स पर सोना 1,44,954 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था, जिसमें 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई थी। वहीं, चांदी भी करीब 7 प्रतिशत टूटकर 2,31,460 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई थी। इस गिरावट की मुख्य वजह अमेरिकी डॉलर की मजबूती, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और महंगाई को लेकर बढ़ती चिंताएं रही थीं, जिससे निवेशकों का रुझान सुरक्षित निवेश से कुछ समय के लिए हट गया। फिर भी विशेषज्ञ मानते हैं कि मध्यम और लंबी अवधि में सोने की स्थिति मजबूत बनी हुई है। केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और वैश्विक अनिश्चितता सोने को सपोर्ट दे सकती है। हालांकि शॉर्ट टर्म में निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है, क्योंकि बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

### इस हफ्ते कैसा रहा सोने-चांदी का हाल

इस हफ्ते अब तक सोने की कीमतों में करीब 10,600 रुपये यानी लगभग 7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की जा चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी यही रुझान देखने को मिला, जहां अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स में 7 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है और यह लगातार तीसरे हफ्ते गिरावट की ओर बढ़ रहा है। इसका बड़ा कारण डॉलर की मजबूती और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की कम उम्मीदें हैं। दरअसल, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के कारण डॉलर की मांग बढ़ती है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में तेल की कीमतें डॉलर में तय होती हैं। डॉलर मजबूत होता है और सोने जैसे गैर-ब्याज वाले निवेश पर दबाव बढ़ता है।

# रुपया पहली बार 93 प्रति डॉलर के पार

## आप पर क्या पड़ेगा असर, जानें गिरावट की वजह

**नईदिल्ली, एजेंसी।** भारतीय रुपया शुक्रवार, 20 मार्च को पहली बार 93 प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार गया। शुरुआती कारोबार में रुपया 3 पैसे गिरकर 92.92 पर खुला और बाद में 93.08 तक फिसल गया, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। इससे पहले 18 मार्च को रुपया 92.63 के स्तर तक गिरा था, जिसे अब पार कर लिया गया है। कच्चे तेल की कीमतों में उछालः मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण ब्रेंट क्रूड करीब .120 प्रति बैरल तक पहुंच गया। हालांकि शुक्रवार को यह घटकर .107 के आसपास आ गया, लेकिन अभी भी ऊंचे स्तर पर है। तेल महंगा होने से भारत का इंपोर्ट बिल बढ़ता है, जिससे डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। डॉलर की बढ़ती मांगः ऊंचे इंपोर्ट बिल के कारण कंपनियां ज्यादा डॉलर खरीद रही हैं, जिससे रुपये पर दबाव बढ़ रहा है। विदेशी निवेशकों की बिकवालीः मार्च में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 8 अरब से ज्यादा निकाल लिए हैं। यह

जनवरी 2025 के बाद सबसे बड़ा आउटफ्लो है। मजबूत होता अमेरिकी डॉलरः वैश्विक अनिश्चितता के बीच निवेशक सुरक्षित विकल्प के तौर पर डॉलर की ओर जा रहे हैं, जिससे डॉलर मजबूत हो रहा है और अन्य मुद्राएं कमजोर। डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट सिर्फ सरकार की नहीं, बल्कि आम लोगों की मुश्किलें भी बढ़ा देती है। जब रुपया कमजोर होता है, तो इसका सीधा असर महंगाई और आपके महीने के बजट पर पड़ता है। आइए समझते हैं कि रुपये में गिरावट क्यों होती है और इसका असर आप पर कैसे पड़ता है।

### महंगाई बढ़ती है

भारत अपनी जरूरत का 75 प्रतिशत से 80 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। जब रुपया कमजोर होता है, तो तेल आयात महंगा हो जाता है। अनुमान के मुताबिक, डॉलर के मुकाबले रुपये में 1 रुपये की गिरावट से तेल कंपनियों पर करीब 8,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ता है। इस वजह से पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ जाते हैं, जिससे महंगाई बढ़ती है। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी से महंगाई लगभग 0.8 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। इसका असर खाने-पीने की चीजों और ट्रांसपोर्ट खर्च पर साफ दिखता है।

### दवाएं और पढ़ाई महंगी

कई जरूरी दवाएं भारत में विदेशों से आती हैं। रुपये के कमजोर होने से इन दवाओं की कीमत बढ़ जाती है। इसके अलावा विदेश में पढ़ाई महंगी हो जाती है। विदेश यात्रा का खर्च बढ़ जाता है। होटल और खाने-पीने पर ज्यादा खर्च करना पड़ता है। सरकार तेल कंपनियों को सब्सिडी देती है ताकि जनता को राहत मिल सके, लेकिन जब डॉलर महंगा होता है, तो सरकार का खर्च बढ़ जाता है। ऐसे में सरकार को विकास योजनाओं (जैसे सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा) पर खर्च कम करना पड़ सकता है। इसका असर आम लोगों को मिलने वाली सुविधाओं पर पड़ता है। देश में आने और जाने वाली विदेशी मुद्रा के अंतर को चालू खाता घाटा कहते हैं। जब आयात ज्यादा होता है, तो देश से ज्यादा डॉलर बाहर जाता है और बढ़ जाता है। भारत में सबसे ज्यादा विदेशी मुद्रा तेल और सोने के आयात पर खर्च होती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारतीय रिजर्व बैंक ने मार्च में अब तक 15 अरब डॉलर से ज्यादा बेचकर रुपये को संभालने की कोशिश की है। वित्तीय वर्ष के अंत (मार्च) में का

# एचडीएफसी बैंक से एनटीपीसी सहित सात शेयरों में हलचल की उम्मीद

**नईदिल्ली, एजेंसी।** भारतीय कॉरपोरेट सेक्टर में आज कई अहम घटनाक्रम सामने आए हैं, जिनका असर बाजार और निवेशकों की धारणा पर साफ दिख रहा है। बैंकिंग, आईटी, एफएमसीजी, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों से जुड़ी खबरों ने निवेशकों का ध्यान खींचा है।

अचानक हुए नेतृत्व परिवर्तन ने सभी को चौंका दिया है। बैंक के सीईओ शशिधर जगदीशन ने बताया कि पार्ट टाइम चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफे से पहले किसी तरह की गंभीर चिंता सामने नहीं आई थी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बैंक की मूल स्थिति मजबूत बनी हुई है और उनके तथा अध्यक्ष के बीच कोई मतभेद नहीं था।

शेयर प्राइस ट्रेंडः गुरुवार को बैंक के शेयरों में 5 प्रतिशत से अधिक गिरावट दर्ज की गई। पिछले एक महीने में शेयर करीब 13 प्रतिशत और 2026 में अब तक लगभग 20 प्रतिशत टूट चुका है, जो निवेशकों की बढ़ती चिंता को दर्शाता है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने वैश्विक टेक कंपनी के साथ समझौता किया है, जिसका उद्देश्य आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंजीनियरिंग समाधान के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाना है।

### बैंक की मूल स्थिति मजबूत बनी हुई है

यह साझेदारी औद्योगिक एआई, डेटा सेंटर और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर केंद्रित होगी। इससे कंपनियों को तकनीकी नवाचार और परिचालन दक्षता

बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। ऐसे में टीसीएस और एबीबी के शेयरों में आज हलचल देखने को मिल सकती है।

नेस्ले इंडिया ने गुजरात के साणंद स्थित अपने प्लांट में 'मंच' ब्रांड के लिए नई उत्पादन लाइन लगाने का फैसला किया है। कंपनी इस परियोजना में करीब 225 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इस नई लाइन के शुरू होने के बाद उत्पादन क्षमता में सालाना 8,300 टन की वृद्धि होगी, जिससे कंपनी अपनी बाजार मांग को बेहतर तरीके से पूरा कर सकेगी।

### अंबर एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी जुटाएगी फंड

एम्बर एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी ने राइट्स इश्यू के जरिए 328 करोड़ रुपये जुटाने की योजना को मंजूरी दी है। यह राशि कंपनी की रणनीतिक योजनाओं और विस्तार में उपयोग की जाएगी, जिससे इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में इसकी स्थिति और मजबूत होने की उम्मीद है। टाटा एलक्सी ने जापान की टेरुमो कॉर्पोरेशन के लिए एक ग्लोबल ऑफशोर डेवलपमेंट सेंटर लॉन्च किया है। यह मेडिकल टेक्नोलॉजी, खासकर कार्डियक और वैस्कुलर सॉल्यूशंस के विकास पर काम करेगा। इससे उत्पाद विकास में तेजी और वैश्विक मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। ऑक्टोपस एनर्जी ग्रुप के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत दोनों कंपनियां बिजली वितरण, रिन्यूअल एनर्जी, एनर्जी स्टोरेज और इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग जैसे क्षेत्रों में सहयोग के अवसर तलाशेंगी। यह साझेदारी भारत के ऊर्जा क्षेत्र में नए अवसरों को खोल सकती है और भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में अहम

### पेट्रोल-डीजल, कच्चा तेल और एलपजीजी के लिए राहत भरा रहा आज का दिन

**नईदिल्ली, एजेंसी।** कच्चे तेल की कीमतों में आज थोड़ी नरमी है। भारत में पेट्रोल-डीजल के रेट नहीं बढ़े हैं और एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। यानी आज शुक्रवार राहत भरा है। आइए जानें क्या हैं आज पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और क्रूड के रेट

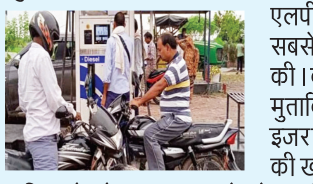


सबसे पहले बात कच्चे तेल की। ब्लूमबर्ग की खबर के मुताबिक अमेरिका और इजराइल के नेताओं ने फारस की खाड़ी की प्रमुख ऊर्जा सुविधाओं को हुए नुकसान से परेशान निवेशकों को आश्वस्त करने की कोशिश की। ब्रेंट क्रूड 106 डॉलर प्रति बैरल से नीचे गिर गया, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट 94 डॉलर के आसपास था। गिरावट के पीछे इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का वह बयान है, जिसमें उन्होंने कहा कि इजरायल ईरानी ऊर्जा सुविधाओं पर अधिक हमलों से परहेज करेगा। पेट्रोल-डीजल के उपभोक्ताओं के लिए राहत है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के रेट नहीं बढ़ाए हैं। आज 20 मार्च की सुबह छह बजे जारी रेट के मुताबिक दिल्ली में इंडियन ऑयल के पंपों पर पेट्रोल की रिटेल कीमत 94.77 और डीजल 87.67 रुपये लीटर है। पोर्ट ब्लेयर में पेट्रोल 82.46 प्रति लीटर है तो डीजल 78.05 प्रति लीटर। सिलवासा, दादरा और नगर हवेली में पेट्रोल 92.37 प्रति लीटर है। हरिद्वार, उत्तराखंड में पेट्रोल 92.78 लीटर है वहीं, रुद्रपुर में 92.94 प्रति लीटर। ईटानगर में पेट्रोल 90.87 प्रति लीटर है जबकि, डीजल ?80.38 प्रति लीटर।

# सूर्या मिधा मार्क जकरबर्ग को पछाड़कर बने दुनिया में सबसे कम उम्र के बिलिनेयर

## युवा यूनीक प्रोडक्ट्स और सर्विसेज मार्केट में ला रहे हैं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दुनिया में टेक्नोलॉजी का चलन बढ़ने से नॉलेज को हासिल करना आसान हुआ है। इसका फायदा उठाकर कई प्रतिभाशाली युवा यूनीक प्रोडक्ट्स और सर्विसेज मार्केट में ला रहे हैं। इनमें से कई सफल हो रहे हैं और इनके फाउंडर्स कम उम्र में ही सक्सेस का स्वाद चख रहे हैं। फोर्ब्स की हाल में जारी बिलिनेयर लिस्ट में 35 की उम्र 30 साल से कम है। इनमें भारतीय मूल के अमेरिकी उद्यमी सूर्या मिधा भी शामिल हैं जो दुनिया में सबसे कम उम्र के सेल्फ-मेड बिलिनेयर हैं। पहले यह खिताब फेसबुक के मार्क जकरबर्ग के पास था जो 2008 में 23 साल की उम्र में बिलिनेयर बन गए थे। लेकिन सूर्या मिधा 22 साल की उम्र में ही इस मुकाम पर पहुंच गए।

मिधा ने अपने दो दोस्तों ब्रेंडन फूडी और आदर्श हिरेमथ के साथ मिलकर एआई हायरिंग स्टार्टअप स्ह्रह्म्श्वह्- की स्थापना की थी। इस कंपनी ने पिछले साल के अंत में 10 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर 350 मिलियन डॉलर जुटाए थे। फोर्ब्स के मुताबिक मिधा की नेटवर्थ करीब 2.2 अरब डॉलर है और वह दुनिया में सबसे कम उम्र के बिलिनेयर हैं। फूडी इस कंपनी के सीईओ, हिरेमथ सीटीओ

और मिधा बोर्ड चेयरमैन हैं।

मिधा का जन्म माउंटेन व्यू में हुआ था और उनका बचपन कैलिफोर्निया के सैन होजे में बीता था। उनके माता-पिता दिल्ली से अमेरिका गए थे। स्कूल के दिनों में उनकी पहचान नेशनल डिबेट चैंपियन की थी। उनकी कम्युनिकेशन और एनालिटिकल एबिलिटीज काफी स्ट्रॉन्ग थी। मिधा ने जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी से फॉरेन स्टडीज में हायर एजुकेशन ली। उसी समय हिरेमथ हार्वर्ड में थे जबकि फूडी जॉर्जटाउन में इकनॉमिक्स की पढ़ाई कर रहे थे। मिधा और हिरेमथ ने पॉलिसी डिबेट में तीनों नेशनल टूर्नामेंट जीते। फोर्ब्स के मुताबिक एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां एप्लिकेंट्स का इंटरव्यू एक एआई अवतार लेता है और उन्हें उन कंपनियों में प्लेस किया जाता है जो प्रतिभाओं को खोज रही है। यानी यह कंपनी रिक्रूटमेंट को मॉडर्नाइज करने के लिए एआई का यूज कर रही है। कई बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियां अपनी इंजीनियर्स और रिसर्चर्स को रिक्रूट करने के लिए इस प्लेटफॉर्म का यूज कर रही हैं।

## एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट आईपीओ की तैयारी, कंपनी ने सेबी को जमा किए डॉक्युमेंट

**नईदिल्ली, एजेंसी।** भारतीय शेयर बाजार में भले ही भूचाल हो लेकिन आईपीओ मार्केट में हलचल बरकरार है। कई बड़ी कंपनियों ने आईपीओ लॉन्च किए हैं तो कुछ आईपीअे की तैयारी में हैं। आईपीओ की तैयारी वाली कंपनियों में एक एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट है। कंपनी ने आईपीओ के लिए शुरुआती दस्तावेज जमा किए हैं। कंपनी आईपीओ के जरिये धन जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी के दस्तावेजों के मसौदे (डीआरएचपी) के अनुसार, आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है, जिसके तहत 20.37 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री की जाएगी। इसमें कोई नया शेयर जारी नहीं किया जाएगा। इस आईपीओ के माध्यम से कंपनी के प्रवर्तक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और अमुंडी इंडिया होल्डिंग अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। इस इश्यू के प्रबंधन के लिए मर्चेंट बैंकर्स के एक समूह को नियुक्त किया गया है। इसमें कोटक महिंद्रा कैपिटल, एक्सिस कैपिटल, बोफा सिक्योरिटीज इंडिया, एचएसबीसी सिक्योरिटीज एंड कैपिटल मार्केट्स (इंडिया), आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, जेफरीज इंडिया, जेएम फाइनेंशियल, मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स शामिल हैं। एसबीआई और पेरिस स्थित अमुंडी की एसबीआईएफएमएल में क्रमशः 61.98 प्रतिशत और 36.40 प्रतिशत हिस्सेदारी है और वे आईपीओ के माध्यम से संयुक्त रूप से 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रहे हैं।

• मानव का परखनली शिशु तैयार कर माता के गर्भाशय में ट्रांसफर किया जाता है

# गाय 4 लीटर तो उसकी बछिया देगी 40 लीटर दूध, भारतीय कंपनी ने शुरू किया पशुओं के लिए आईवीएफ

**नईदिल्ली, एजेंसी।** विज्ञान का चमत्कार यह है कि जिस तरह से मानव का परखनली शिशु तैयार कर माता के गर्भाशय में ट्रांसफर किया जाता है, उसी तरह ऐसा गाय-भैंस में भी होने लगा है। भारत की एक कंपनी बीएल एग्रो की सहायक कंपनी लीड्स जेनेटिक्स ने ऐसा ही कुछ किया है। हममें से ढेरों लोग इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन या आईवीएफ तकनीक के बारे में जानते होंगे। इस तनकीक से वैसे दंपत्ति संतान सुख का लाभ लेते हैं, जिनका किसी कारणवश प्राकृतिक तरीके से गर्भाधान नहीं हो पाता है। इसमें माता का एग और पिता का स्पर्म लेकर प्रयोगशाला में भ्रूण बनाया जाता है। उसके बाद एक सप्ताह के भ्रूण को माता के गर्भाशय में प्रत्यारोपित कर दिया जाता है। अब ऐसा ही गाय-भैंसों के लिए भी हो रहा है।

गाय-भैंसों की अगली नस्ल सुधर सके, इसके लिए ब्राजील में काफी रिसर्च हुआ है। वहां के ही संगठन फेजेन्डा फ्लोरेशिया के सहयोग से भारतीय गाय पर भी 'ओवम पिक-अप इन-विट्रो फ़र्टिलाइज़ेशन' या ओपीयू-आईवीएफ का परीक्षण हो रहा है। फेजेन्डा फ्लोरेशिया की पशु चिकित्सा

विशेषज्ञ डॉक्टर अमांडा फ़ैंटुची की अगुवाई में वहां की एक टीम भारत आई है। इसी टीम ने बीएल एग्रो की सहायक कंपनी लीड्स जेनेटिक्स की 159 गायों के गर्भाशय में ब्राजील से आयातित उच्च-गुणववाले भ्रूण को प्रत्यारोपित किया है।

बीएल एग्रो के चेयरमैन घनश्याम खंडेलवाल के मुताबिक 'ये भ्रूण ब्राजील की कंपनी फेजेन्डा फ्लोरेशिया से लिए गए हैं। इन्हें 'ओवम पिक-अप इन-विट्रो फ़र्टिलाइज़ेशन' तकनीक से डेवलप किया गया है। इन्हें तैयार करने के लिए गिर नस्ल की ऐसी गाय के फीमेल जायगोट्स लिए गए हैं, जिनमें प्रतिदिन 40 लीटर तक दूध देने की क्षमता है। साथ गिर नस्ल के स्वस्थ सांढ़ का स्पर्म लिया गया है जिसकी मां हर रोज 40 लीटर दूध देती थी।' खंडेलवाल का दावा है कि ब्राजील से आयातित जो भ्रूण भारत की गायों में प्रत्यारोपित किए गए हैं, उससे शर्तिया बछिया ही पैदा होगी। उनका कहना है कि सांढ़ के स्पर्म में से 'एक्स' और 'वाई' क्रोमोजोम को इस तरह से अलग किया जाता है कि सिर्फ 'एक्स' ही बचे। फिर उससे जो भ्रूण तैयार किया जाता है उसमें 90 प्रतिशत तक बछिया पैदा होती है। यही बछिया 18 महीने बाद गर्भ धारण करने योग्य और अगले एक साल में बछिया को जन्म देकर दूध देना शुरू कर देती है। अभी तक इनके यहां आयातित उच्च-गुणवत्ता वाले भ्रूण को 255 देसी गायों में सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया गया है, पहले बैच में 116 और अब 159 गायों में। कंपनी ने दावा किया है कि पहले बैच में गर्भधारण की सफलता दर 60 फीसदी रही। यह इंडस्ट्री के मानकों के हिसाब से एक रिकॉर्ड है। यूं तो भारत दुनिया में सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। लेकिन भारत में देसी गायों से दूध का औसत उत्पादन लगभग 4.5 लीटर रोज का है।

## ऑनलाइन इंश्योरेंस में ग्राहकों के साथ धोखा! सर्वे में सामने आई कंपनियों की चाल, निजी जानकारी का गलत इस्तेमाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ऑनलाइन इंश्योरेंस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने वाले 10 में से 8 से ज्यादा लोगों ने 'डार्क पैटर्न्स' (धोखाधड़ी वाली चालों) का अनुभव किया है। लोकल सर्कल्स के एक सर्वे में शामिल लोगों ने बताया कि उन्हें सब्सक्रिप्शन के जाल में फंसाने, बार-बार परेशान करने, जबरदस्ती कोई काम कराने और झांसा देकर कुछ और थमा देने जैसे कड़वे अनुभव हुए हैं। पिछले 24 महीनों के दौरान, ऐसे लोगों की संख्या 61 प्रतिशत से बढ़कर 80 प्रतिशत हो गई है जिन्होंने ऑनलाइन इंश्योरेंस खरीदा और फिर उसे कैंसिल करने में उन्हें काफी दिक्कत आई या वे सब्सक्रिप्शन के जाल में फंस गए। पिछले 24 महीनों में उन ग्राहकों की संख्या भी 57 प्रतिशत से तेजी से बढ़कर 85 प्रतिशत हो गई है, जिन्होंने ऑनलाइन इंश्योरेंस कंपनियों के दबाव वाले रवैये का सामना किया।

पर्सनल डिटेल्स का गलत इस्तेमाल

इन लोगों को या तो बिना मांगे फालतू मैसेज और जानकारियां भेजी गई या फिर इनकी निजी जानकारी (पर्सनल डिटेल्स) का गलत इस्तेमाल किया गया। सर्वे में सामने आया है कि ऑनलाइन बीमा बेचने वाले प्लेटफॉर्म से पॉलिसी खरीदने वाले 80 प्रतिशत लोगों ने सब्सक्रिप्शन ट्रैप महसूस किया। ग्राहकों को गुमराह कर उनसे जबरदस्ती अपनी मर्जी का काम करवाने का एक डिजिटल तरीका है। काफी कंपनियां शुरू में ग्राहकों से कई तरह की लुभावनी बातें करती हैं। ऐसा करके वे ग्राहकों को गुमराह करती हैं। एक बार ग्राहक उनकी बातों में आ गया तो वे उनसे ऐसे काम करवा लेती हैं जो ग्राहक की मर्जी के विपरीत होते हैं। जब तक ग्राहकों को इस बारे में पता चलता है, तब तक काफी देर हो चुकी होती है।

# नई रेल लाईन का रास्ता साफ

## उड़ीसा से मिलेगी कनेक्टीविटी

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**रांची।** बहुप्रतीक्षित बुड़ामारा-चाकुलिया रेल लाइन परियोजना के क्रियान्वयन की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है।

शुक्रवार को परियोजना प्रभावित गांवों में आयोजित ग्राम सभा में ग्रामीणों ने भूमि अर्जन के लिए अपनी सहमति दे दी है। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निर्देश पर प्रशासन ने ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद स्थापित कर उनकी आपत्तियों का समाधान किया।

जिला भू-अर्जन पदाधिकारी गुंजन सिन्हा की अध्यक्षता में भूरशान, खैरबनी, टोभाबनी, गौरांगपुर, मौदा एवं हिजली गांवों में ग्राम सभा का आयोजन किया गया।

इस दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों को रेल परियोजना के लाभ और भूमि अधिग्रहण की कानूनी प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से समझाया।

रैयतों ने परियोजना को लेकर अपनी जिज्ञासाएं रखीं, जिन्हें अधिकारियों ने संतोषजनक जवाब देकर शांत किया।

ग्रामीणों की सहमति मिलने से अब रेल लाइन निर्माण का कार्य निर्बाध रूप से शुरू हो सकेगा। इस दौरान बहरागोड़ा के अंचल अधिकारी, दक्षिण पूर्व रेलवे खड़गपुर के सहायक अधिशासी अभियंता सहित स्थानीय ग्रामीण और संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

रेल लाइन बनने से क्षेत्र में परिवहन व्यवस्था सुदृढ़ होगी और विकास के नए द्वार खुलेंगे। प्रशासन ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया है कि भूमि अर्जन की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रहेगी।

बुड़ामारा-चाकुलिया रेलखंड का सामरिक और आर्थिक महत्व काफी अधिक है। करीब 60 किलोमीटर लंबी यह लाइन झारखंड के चाकुलिया को ओडिशा के मयूरभंज जिले स्थित बुड़ामारा से जोड़ेगी।

वर्तमान में चाकुलिया हावड़ा-मुंबई मुख्य मार्ग पर है। इस मिसिंग लिंक के जुड़ने से चाकुलिया से बारीपदा और बालेश्वर की दूरी काफी घट जाएगी।

# लच्छे और सेवइयों की खुशबू से गुलजार हुए बाजार

## यूरोप और खाड़ी देशों में बढ़ी डिमांड

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**धनबाद।** कोयलांचल के साथ-साथ दुनिया के कई देशों में भी वासेपुर के बने हुए लच्छे का स्वाद और खुशबू अपनी पहचान छोड़ जाता है।

ईद के समय वासेपुर में बने हुए लच्छे का डिमांड खाड़ी के कई देशों और यूरोपियन देशों में खासकर हो जाता है, क्योंकि धनबाद और वासेपुर के कई लोग इन देशों में रहते हैं और ईद में किसी कारण नहीं आने की वजह से वासेपुर के बने हुए लच्छे को इन देशों में पार्सल के द्वारा मंगवाया जाता है।

यह वासेपुर से इस परिवार के किसी रिश्तेदार के द्वारा पहुंचने का काम भी किया जाता है, परिवार के लोग भी अपने रिश्तेदारों को यहां के लच्छे ईद के समय पार्सल के द्वारा विश्व के अलग-अलग देशों में भेजते हैं, जिसकी खुशबू और मिठास के वहां के स्थानीय लोग भी दीवाने हैं।

वासेपुर के रहने वाले मोहम्मद इरफान अंसारी, अमादूल इस्लाम, मंसूर आलम, मोहम्मद तौसीफ आलम और हुसैन निषात जो यूरोप के जर्मनी में रहते हैं। वह अपने दोस्तों के लिए भी लच्छे का पैकेट मंगवाते हैं। उन्होंने बताया कि उनके जर्मनी के स्थानीय दोस्त और कंपनी के बहुत सारे कर्मचारी भी लच्छे के बेहद शौकीन है, जो ईद का इंतजार करते हैं और ईद आते ही वासेपुर में तैयार किए गए लच्छे खाने का शौक जाहिर करते हैं, जिसकी वजह से इस्लाम धनबाद वासेपुर के बने हुए लच्छे को पार्सल के द्वारा अपने परिवार से यूरोपियन कंट्री भेजा जाता है। वासेपुर के साथ-साथ पूरे कोयलांचल के मुस्लिम भाई, ईद उल फितर की तैयारी में जुट गए हैं। इसको लेकर स्थानीय पुराना बाजार और धनबाद शहर के विभिन्न बाजारों में, खरीदारी करने के लिए मुस्लिम भाइयों का, भीड़ देखने को बन रहा है।

मर्द औरतें और छोटे-छोटे बच्चे भी ईद की खरीदारी में लगे हुए हैं। ईद को देखते हुए बाजारों में, कपड़ों की दुकानों पर महिलाएं की भीड़ देखने को बन रही है। इसको देखते हुए जिला प्रशासन की तरफ से बाजारों में पुलिस बल की भी व्यवस्था की गई है।

हालांकि, महंगाई की मार हर जगह है, कपड़ों में भी, पिछले साल के बनिस्बत इस वर्ष काफी बढ़ोतरी हुई है, फिर भी इस त्यौहार को लेकर खरीदारों के बीच कुछ खास फर्क नहीं पड़ रहा है।

ईद को लेकर लच्छे और सेवइयों का भी बाजार सजा हुआ है, ईद उल फितर के मौके पर इस्लाम धर्म में 2 रकात नफिल नमाज के बाद, मीठा खिलाना और मीठा खाना सुन्नत है। इस वजह से ईद के समय, लच्छे और सेवइयों की बिक्री काफी बढ़ जाती है, इस वर्ष महंगाई को देखते हुए डालडा वाला लच्छा 250 से 300 रुपये केजी और रिफाइंड तेल का लच्छा 300 से लेकर 400 केजी बिकता है।

वहीं घी वाला लच्छा 600 से 1200 केजी के दर से बिक रहा है। स्थानीय वासेपुर के दुकानदारों का कहना है कि महंगाई काफी बढ़ गई है, इसको लेकर और साल के भांति इस बार 1 केजी में लगभग 50 से 200 की बढ़ोतरी हुई है।

ईद के समय पर रिफाइंड तेल के बना हुआ लच्छा और घी के बने हुए लच्छे की डिमांड होती है। यह लच्छा वासेपुर में झारखंड और बंगाल के कारीगर बनाते हैं। झारखंड से मधुपुर जामताड़ा और साहिबगंज के कारीगर वासेपुर आकर खुशबूदार लच्छे तैयार करते हैं।

# जल अर्पण दिवस समारोह आयोजित

## बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**बोकारो।** बोकारो के तेनुघाट प्रमंडल में जल महोत्सव पखवाड़ा (08 मार्च से 22 मार्च तक) के तहत आज जिला स्तरीय जल अर्पण दिवस समारोह का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल तेनुघाट, प्रखंड विकास पदाधिकारी पेटरवार, विधायक प्रतिनिधि, सहायक अभियंता पेयजल स्वच्छता प्रमंडल तेनुघाट, सभी कनिय अभियंता पेयजल स्वच्छता, प्रमंडल तेनुघाट जिला परिषद सदस्य जिला समन्वयक तेनुघाट, यूनिसेफ सहयोगी आईडीएफ टिम, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, सभी वॉश कोऑर्डिनेटर सहित अन्य के द्वारा प्रखंड प्रखंड पेटरवार अंतर्गत तेनुघाट में किया गया।

जल अर्पण दिवस महोत्सव पर प्रकाश डालते हुए मंच का संचालन यूनिसेफ सहयोगी आईडीएफ टीम के अनुरोध कुमार के द्वारा किया गया।

कार्यपालक अभियंता द्वारा जल रक्षा सूत्र बांधा गया, जल वंदना एवं एवं जलसहिया को जल जांच किट से जल जांच हेतु निर्देश दिए साथ ही जल बंधन के तहत जल शपथ ग्रहण कराया गया। वहीं इस अवसर पर स्कूली बच्चों को लेकर के जल जागरुकता रैली निकाली गई।

वहीं सहायक अभियंता द्वारा जल अर्पण दिवस एक महत्वपूर्ण आयोजन है, जिसका उद्देश्य जल संरक्षण और जल स्त्रोतों के महत्व को बढ़ावा देना है। यह दिवस जल जीवन मिशन के तहत मनाया जाता है, जिसका लक्ष्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है। दिवस के दौरान, विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया जा रहा है, जैसे कि जल स्त्रोतों का संरक्षण, पानी की बबार्दी रोकना और संतुलित उपयोग जरूरी है।

प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जल अर्पण दिवस पर लोकगीत, जागरूकता कार्यक्रम, और जल संकल्प के जरिए लोगों को जल संरक्षण के प्रति प्रेरित किया जाता है। मुखिया तेनुघाट नीलम श्रीवास्तव के द्वारा बताया गया कि योजना का संचालन में ग्रामीणों का सहयोग अति आवश्यक है जल अर्पण दिवस का आयोजन ग्रामीणों के साथ किया जा रहा है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भाग लेते हैं। यह आयोजन जल संरक्षण को एक जन आंदोलन बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और समाज में सहभागिता एवं उनके प्रयासों एवं उनके सराहनीय कार्य के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई जिला समन्वयक के द्वारा

वहीं जल बचाओ से संबंधित महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। विधायक प्रतिनिधि मुकेश कुमार महतो के द्वारा संबोधन करते हुए कहा गया कि ग्राम स्तर पर चापाकल, जल मीनार एवं बहु ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं के मरम्मत एवं पेयजल के रख रखाव को ध्यान में रखते हुए शुद्ध पेयजल की उपलब्धता को सुदृढ़ बनाए रखने की कार्य का सराहना की। जल संरक्षण को जन जन तक पहुंचाना है और जल के महत्ता को बताना है। पेय जल को आवश्यकता अनुसार ही खर्च करना चाहिए।

इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार महतो, विधायक प्रतिनिधि मुकेश कुमार महतो, जिला परिषद सदस्य माला कुमारी, कार्यपालक अभियंता पीएचईडी चन्दन कुमार , सहायक अभियंता शास्त्री शाह कनिय अभियंता रोहित कुमार मंडल गोपाल पोद्दार जिला सामान्य वर्ग दिलीप कुमार, प्रखंड वास कोऑर्डिनेटर संबंधित पंचायत के मुखिया, कई पंचायत के जलसहिया उपस्थित रहे।

## मनरेगा श्रमिकों के समक्ष भुखमरी

बिहारशरीफ। मनरेगा का नाम बदलकर दिए जाने की चर्चा के बीच जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। गोंदूविगहा पंचायत के दर्जनों श्रमिकों को पिछले तीन माह से मजदूरी नहीं मिली है, जिससे उनकी परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है।

श्रमिकों का कहना है कि कुल 64 लाख 39 हजार 148 रुपये की मजदूरी अब तक बकाया है। इतनी बड़ी राशि अटकने से मजदूरों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और रोजमर्रा के खर्च पूरे करना भी मुश्किल हो गया है।

मजदूर जगदीश मांझी, गणेश राम और अजय पासवान ने बताया कि मजदूरी नहीं मिलने के कारण इस बार होली फीकी रही। अब चैती छठ भी नजदीक है, लेकिन पैसे के अभाव में त्योहार मनाने को लेकर चिंता बढ़ गई है। श्रमिकों ने बताया कि घर का खर्च चलाने के लिए उन्हें कर्ज लेना पड़ रहा है। दुकानदार भी अब उधार देने से मना कर रहे हैं, जिससे स्थिति और गंभीर होती जा रही है। कई परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

# त्योहारी सीजन में चप्पे-चप्पे पर रहेगा अतिरिक्त बल तैनात

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**रांची।** राज्य में ईद, सरहुल व रामनवमी के मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जिलों में करीब दस हजार अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है। इनमें जैप व आईआरबी के 5000 जवान तथा 5400 गृह रक्षकों की अतिरिक्त तैनाती शामिल है। सभी जिलों के बल को भी विधि-व्यवस्था ड्यूटी में लगा दिया गया है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

त्योहारों के दौरान किसी तरह की विधि व्यवस्था का संकट न हो, इसके लिए पुलिस की गश्त तेज है। गुप्तचरों को भी सक्रिय कर दिया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की त्योहारों के मद्देनजर विधि व्यवस्था पर बैठक व दिशा-निर्देश के आलोक में पूरे राज्य में सुरक्षा की पुख्ता तैयारी है।

सभी धर्म-संप्रदाय के लोगों के साथ पुलिस-प्रशासन की विभिन्न स्तरों पर शांति समिति की बैठक में भी लोगों से अपील की जा चुकी है कि वे अफवाहों पर ध्यान न देते हुए त्योहारों को हर्ष व उल्लास के साथ मनाएं। अफवाह फैलाने वालों की सूचना पुलिस-प्रशासन को दें। पुलिस की एक विंग इंटरनेट मीडिया की निगरानी भी कर रही है। प्रमुख स्थलों पर फायर ब्रिगेड की तैनाती कर दी गई है। संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस के वाटर कैनन व दंगा रोधी वाहनों को तैनात कर दिया गया है, ताकि किसी भी विषम स्थिति से निपटा जा सके।

राज्य के संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस ने अपनी गश्त तेज कर दी है। हजारीबाग, पूर्वी सिंहभूम, पलामू, लोहरदगा में विशेष तैनाती की गई है। डीजे पर आपत्तिजनक गाना बजाने पर रोक है। पूर्व में घटित घटनाओं के आधार पर संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जुलूस मार्ग की ड्रोन से निगरानी की तैयारी है। धार्मिक स्थलों के आसपास विशेष चौकसी है, ताकि कोई असामाजिक तत्व आपसी सौहार्द व भाईचारा बिगड़ने की कोशिश न कर पाए।

# केकड़ा पकड़ाई और जल रखाई के साथ 'सरहुल' शुरू

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**रांची।** झारखंड के सबसे बड़े प्रकृति पर्व 'सरहुल' की शुरूआत आज यानी शुक्रवार से हो रही है। राजधानी रांची सहित पूरे प्रदेश में उत्सव का माहौल है। चैत्र शुक्ल पक्ष की द्वितीया को होने वाली परंपराओं के साथ आज शाम सरना स्थलों पर विशेष अनुष्ठान किए जाएंगे।

सरहुल पूजा के पहले दिन आज 'केकड़ा पकड़ाई' और 'जल रखाई' की रस्म निभाई जाएगी। परंपरा के अनुसारःपरिवार का एक सदस्य आज उपवास रखेगा।

शाम के समय जलाशय से दो नए घड़ों में जल भरकर सरना स्थल पर रखा जाएगा। इन घड़ों के जल के स्तर को देखकर आगामी वर्ष की बारिश और फसल का अनुमान लगाया जाता है। पर्व को लेकर रांची के चप्पे-चप्पे पर रौनक है। नगर निगम और पूजा समितियों ने शहर को रंगीन लाइटों से सजाया है।यहां विशेष तैयारी की गई है। पूरे परिसर की सफाई कर उसे पारंपरिक पेंटिंग और लोक नृत्यों की कलाकृतियों से सजाया गया है। हातमा कचहरी रोड से लेकर सुजाता चौक और सिरमटोली तक का मार्ग दूधिया रोशनी में नहाया हुआ है।

अल्बर्ट एक्का चौक पर विभिन्न 'खोड़हा दलों' के स्वागत के लिए भव्य स्टेज बनाए गए हैं, जहाँ पुष्प वर्षा के साथ श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया जाएगा।

सरहुल का मुख्य आकर्षण शनिवार को निकलने वाली भव्य शोभायात्रा होगी। राजधानी के 298 विभिन्न सरना स्थलों से श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में नाचते-गाते मुख्य शोभायात्रा में शामिल होंगे। खोड़हा दलों की थाप और मांदर की गूंज से पूरा शहर गुंजायमान रहेगा।

राजधानी रांची में 20 से 22 मार्च तक प्रकृति 2026 अखिल भारतीय बसंत कला शिविर का आयोजन किया जाएगा। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखंड की ओर से आयोजित यह तीन दिवसीय कार्यक्रम जैप परिसर स्थित शौर्य सभागार में होगा। इसमें देशभर के कलाकार शामिल होकर अपनी कला के माध्यम से प्रकृति संरक्षण का संदेश देंगे। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम बैक टू नेचर : प्रकृति की ओर लौटें, रखी गई है।इसका उद्देश्य लोगों को प्रकृति के महत्व से जोड़ना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। कलाकार जंगल, जल, जैव विविधता जैसे विषयों को अपनी कृतियों में उकेरेंगे।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण लाइव पेंटिंग होगा, जिसमें विभिन्न राज्यों से आए कलाकार मौके पर ही चित्र बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे। यह पहल कला के माध्यम से लोगों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने की दिशा में अहम मानी जा रही है। यह शिविर वर्ल्ड स्पैरो डे, इंटरनेशनल डे आफ फारेस्ट्स और वर्ल्ड वाटर डे के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है, जिससे इसका महत्व और बढ़ गया है। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों के साथ संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सदस्यों को भी सम्मानित किया जाएगा, जो जमीनी स्तर पर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रहे हैं।प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख संजीव कुमार ने बताया कि यह आयोजन कला और पर्यावरण के बीच मजबूत संबंध स्थापित करेगा।

# सीआई की पिटाई का मामला पहुंचा उपायुक्त के पास

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

गढ़वा। भ्रष्टाचार और आपसी रंजिश के गठजोड़ ने गढ़वा में एक ऐसा बवाल खड़ा कर दिया है, जिसने प्रशासनिक गलियारे से लेकर आम जनता तक को हिलाकर रख दिया है। पलामू जिले के लेस्लीगंज अंचल के निरीक्षक (सीआई) नरेंद्र कुमार के साथ गढ़वा शहर के सोनपुरवा स्थित उनके आवास पर हुई मारपीट का मामला अब केवल 'लड़ाई-झगड़ा' नहीं, बल्कि करोड़ों के जमीन खेल और घूसखोरी की परतें खोलने वाला कांड बन गया है।

हालांकि, मंगलवार की देर शाम सोनपुरवा में हुई इस घटना के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपित गढ़वा थाना क्षेत्र के बेलचंपा गांव निवासी अंकित उपाध्याय को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। घायल सीआई नरेंद्र कुमार का इलाज गढ़वा सदर अस्पताल में चल रहा है। नरेंद्र कुमार का आरोप है कि अंकित एवं उसके साथ आए दो अज्ञात लोगों ने उनके घर घुसकर जातिसूचक शब्द कहते हुए गाली-गलौज की और जानलेवा हमला किया। पत्नी के गले से सोने के चेन लूट लिया।

मामला तब उलझ गया जब गिरफ्तार अंकित उपाध्याय की पत्नी छोटी देवी ने नरेंद्र कुमार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। आरोपों के अनुसार जब नरेंद्र कुमार गढ़वा अंचल में राजस्व उप निरीक्षक थे, तब उन्होंने अंकित के बीमार भाई के इलाज के लिए बेची जाने वाली 13 डिसमिल जमीन का एलपीसी (भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र) बनाने के नाम पर चार लाख रुपये लिए थे। पैसे लेने के बावजूद एलपीसी नहीं बनाया गया और इसी बीच उनका स्थानांतरण लेस्लीगंज (पलामू) हो गया। आरोप है कि कई बार गुहार लगाने के बाद सीआई ने एक लाख रुपये तो लौटाए, लेकिन शेष तीन लाख रुपये पिछले आठ महीनों से दबा कर बैठे थे।

हैरानी की बात यह है कि अंकित उपाध्याय ने इस लेनदेन और एलपीसी न बनने को लेकर उपायुक्त को भी आवेदन दिया था, लेकिन सिस्टम की सुस्ती देखिए कि कार्रवाई के बजाय मामला ठंडे बस्ते में पड़ा रहा।

मंगलवार को इसी बकाया राशि के हिसाब-किताब के लिए सीआई ने अंकित को अपने घर बुलाया था, जहां विवाद ने हिंसक रूप ले लिया।

अब इस मामले में दोनों ओर से एफआईआर दर्ज हुई है। एक तरफ सीआई ड्यूटी के बाद हमले की बात कह रहे हैं, तो दूसरी तरफ अंकित का परिवार इसे अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई और धोखेबाजी का परिणाम बता रहा है।

## आपस में भिड़ी पुलिस

**कटिहार।** कटिहार रेलवे जंक्शन पर उस समय सनसनी फैल गई, जब शराब तस्करों को पकड़ने पहुंची मद्य निषेध टीम और जीआरपी के बीच ही हिंसक झड़प हो गई। सूचना मिली थी कि हाटे-बाजारे एक्सप्रेस से भारी मात्रा में शराब की खेप आने वाली है। लेकिन तस्करों पर कार्रवाई करने के बजाय वर्दीधारी ही आमने-सामने आ गए। शुरूआत में मामूली बहस हुई, जो देखते ही देखते हिंसक भिड़ंत में बदल गई। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठियां चलीं, जिससे स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मौके पर मौजूद यात्रियों में भी दहशत फैल गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। इस झड़प के दौरान सिपाही रवि शंकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद दोनों विभागों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। मद्य निषेध के अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि जीआरपी की टीम अक्सर कार्रवाई में जानबूझकर बाधा डालती है। उनका कहना है कि तस्करों के खिलाफ अभियान के दौरान समन्वय के अभाव के कारण इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं।

# हेडमास्टर की हरकत से शिक्षिका हलकान

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**दुमका।** जिला के जरमुंडी प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय की एक पारा शिक्षिका ने अपने ही विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक सह सचिव ब्रजेश कुमार पत्रलेख पर मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।

शिक्षिका ने जरमुंडी की प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। आवेदन के आधार पर डीएसई के आदेश पर बीईईओ ने पूरे मामले की जांच की तो आरोप सही साबित हुआ। कार्रवाई के लिए डीएसई जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

विभाग को दिए आवेदन में शिक्षिका ने बताया कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक उनके साथ गलत व्यवहार करते हैं। विद्यालय अवधि में चलने फिरने के दौरान अक्सर जान बूझकर टकरा जाते हैं और बैड टच भी करते हैं।

महिला कर्मचारी के लिए निर्धारित प्रत्येक माह के दो दिनों के विशेष आकस्मिक अवकाश की स्वीकृति देने में आना कानी करते हैं और विशेष अवकाश का सबूत मांगते हैं।

विशेष अवकाश के एवज में गलत तरीके से यूज करना चाहते हैं। विरोध करने पर अक्सर लड़ाई झगड़ा करते हैं और मानदेय रोकने की धमकी भी देते हैं। प्रधानाध्यापक के व्यवहार से तंग आ चुकी है जिसके कारण उसे मानसिक रूप से परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

## प्रीमियम पेट्रोल के दाम बढ़े

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**रांची।** मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अभी तक लोगों को एलपीजी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, दूसरी तरफ तेल कंपनियों ने ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी कर आम आदमी की चिंता बढ़ा दी है।

20 मार्च 2026 को तेल मार्केटिंग कंपनियों ने एक बड़ा फैसला लेते हुए प्रीमियम पेट्रोल के दामों में 2.09 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी कर दी है। वहीं, झारखंड में भी प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर अब लोगों की जेबों पर दिखेगा।

## 25 को सीएम आरा में

**आरा।** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 25 मार्च को प्रस्तावित भोजपुर दौरे और समृद्धि यात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। कार्यक्रम के मद्देनजर 20 मार्च की शाम से 25 मार्च की शाम तक जीरो माइल की ओर से बड़े और भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। इसमें विशेष रूप से बालू लदे वाहनों को प्रतिबंधित किया गया है। खनन विभाग ने सहार के खैरा मोड़ से जीरो माइल होते हुए आरा व बक्सर जाने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने का निर्देश दिया है।

साथ ही ऑनलाइन चालान जारी करते समय यह शर्त रखी गई है कि वाहन प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश नहीं करेंगे। नियम उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। मुख्यमंत्री का यह दौरा समृद्धि यात्रा के तहत हो रहा है, जिसमें वे जिले में चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा के साथ कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। कार्यक्रम के तहत वे हेलीकॉप्टर से आरा स्थित मेडिकल कॉलेज परिसर पहुंचेंगे।

# बिहार के तनिष्क शोरूम लूट कांड का आरोपित रांची से गिरफ्तार

## सरगर्मी से तलाश कर रही थी पुलिस

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**रांची/पटना।** भोजपुर जिले में तनिष्क शोरूम में लूटकांड में आरोपित सातवां लुटेरा सौरभ उर्फ बाबा गिरफ्तार हो गया। उसकी गिरफ्तारी झारखंड के रांची शहर के बीआईटी मेसरा थाना क्षेत्र से हो सकी। गिरफ्तार बाबा उर्फ सौरभ वैशाली जिले के भगवानपुर थाना के बिठौली अनिरुद्ध गांव का निवासी है।

उसके पास से दो मोबाइल, बैग एवं फेक आधार कार्ड जब्त किया गया है। पटना एसटीएफ एवं जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में यह बड़ी सफलता हाथ लगी है। इसकी इसकी शुक्रवार को आरा सदर एएसपी राज कुमार साह ने प्रेसवार्ता में दी।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार बदमाश ने आरा के तनिष्क शोरूम में लूट के अलावा पटना जिले के जीवा गोल्ड शोरूम एवं राजस्थान के राजसमंद जिला स्थित रूपम गोल्ड शोरूम लूटकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। तनिष्क लूटकांड को छह अन्य साथियों के साथ वह खुद लीड कर रहा था।

करीब एक साल से पुलिस को तलाश थी। इस कांड में अब तक मास्टर माइंड चंदन व शेरू सिंह, संलिप्त लुटेरा, लाइनर एवं संरक्षण देने वालों समेत 26 की गिरफ्तार हो चुकी है। वैशाली एवं अररिया में दो अपराधी पुलिस मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं। अब तक दो थैला जेवरात बरामद हो चुका है। एक अन्य प्रश्रय देने वाले शख्स की तलाश जारी है। एएसपी के अनुसार, तनिष्क लूट कांड में कुल सात अपराधी शोरूम के अंदर प्रवेश कर लूटपाट किए थे, जिसमें एक अपराधी सौरभ उर्फ बाबा था जो सोना से भरा तीसरा थैला लेकर भाग गया था। अब तक फरार चला आ रहा था। टीम में पटना एसटीएफ के अलावा आरा टाउन इंस्पेक्टर देवराज राय, दारोगा विजय कुमार सिंह एवं डीआइयू की टीम शामिल थी।

विदित हो कि 10 मार्च 2025 को आरा शहर के टाउन थाना क्षेत्र अंतर्गत शीश महल चौक स्थित तनिष्क शोरूम में दो अलग-अलग बाइक से आए सात अपराधियों ने दिनदहाड़े धावा बोलकर करीब साढ़े दस करोड़ रुपये के जेवरात लूट लिए थे।

इसी क्रम में बड़हरा थाना क्षेत्र के बबुरा के पास भाग रहे अपराधियों की पुलिस से मुठभेड़ हो गई थी, जिसमें सारण जिले के दो लुटेरे विशाल गुप्ता और कुणाल पुलिस की गोली से घायल हो गए थे। उनके पास से दो पिस्टल, दस कारतूस तथा लूटे गए जेवरात से भरे दो बैग बरामद किए गए थे।

इसके बाद 22 मार्च 2025 को लूट कांड में शामिल अररिया का चुनमुन झा पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। छह फरवरी 2026 को कांड में शामिल प्रिंस वैशाली में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। अभी हाल में 14 फरवरी को लुटेरों को आश्रय देने वाले बड़हरा थाना क्षेत्र के एकौना गांव का निवासी एक महत्वपूर्ण आरोपित श्रीराम सिंह को गिरफ्तार किया गया था।

तनिष्क शोरूम में लूटकांड में गिरफ्तार सौरभ कुमार उर्फ बाबा को पटना एवं राजस्थान पुलिस को भी तलाश थी। उसने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर पटना के सगुना मोड़ स्थित जीवा गोल्ड शोरूम एवं राजस्थान के राजसमंद जिले के रूपम गोल्ड ज्वेलर्स लूटकांड को अंजाम दिया था।

31 जनवरी 2025 को पटना के सगुना मोड़, दानापुर स्थित जीवा गोल्ड शोरूम में अपराधियों ने धावा बोलकर करीब 50 लाख के गहने लूटे थे।

23 अगस्त 2023 को राजसमंद जिले कांकरोली थाना क्षेत्र स्थित रूपम गोल्ड शोरूम में बाइक सवार अपराधियों ने धावा बोलकर करीब डेढ़ किलो सोना, डेढ़ किलो चांदी और 18 लाख रुपये नकद लूट लिए थे। इस कांड में पूर्व में मास्टर माइंड सुबोध सिंह की भी गिरफ्तारी हुई थी। दोनों में बाबा शामिल था।

# आईपीएल से चुनी जाएगी वन-डे वर्ल्ड कप 2027 की टीम

**20 इंडियन प्लेयर्स शॉर्टलिस्ट, सिलेक्टर्स उनकी परफार्मेंस और फिटनेस पर नजर रखेंगे**

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** 28 मार्च से शुरू हो रहा आईपीएल भारतीय खिलाड़ियों के लिए खास रहने वाला है। टी-20 फॉर्मेट में खेली जानी वाली इस लीग से टीम इंडिया की वनडे वनडे वर्ल्ड कप 2027 की टीम तय होगी।

मीडिया सूत्र और बीसीसीआई सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की सिलेक्शन कमेटी ने 20 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है, जिनके प्रदर्शन पर इस आईपीएल के दौरान खास नजर रखी जाएगी। अजित अगरकर की अगुवाई वाली समिति का फोकस इन खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस पर रहेगा।

इतना ही नहीं, पंजाब मुल्लांपुर में 6 से 10 जून तक अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले टेस्ट मैच में भी टीम इंडिया अपनी फुल-स्ट्रेंथ के साथ उतरेगा। सारे सीनियर खिलाड़ी इसमें खेलेंगे।

### स्टेडियम जाकर मैच देखेंगे सिलेक्टर्स

बीसीसीआई ने सिलेक्टर्स को मैच देखने की जिम्मेदारी बांट दी गई है। हर चयनकर्ता हफ्ते में कम से कम एक आईपीएल मैच स्टेडियम में जाकर देखेगा, ताकि हर सप्ताह शॉर्टलिस्ट प्लेयर्स की पांच मैचों की ग्राउंड रिपोर्ट तैयार हो सके। इसके अलावा बाकी मैचों को टीवी के जरिए ट्रैक किया जाएगा। इस बार चयनकर्ता नए उभरते खिलाड़ियों के बजाय पहले से तय वनडे कोर ग्रुप के प्लेयर्स पर ही ध्यान देंगे।

**सिलेक्टर्स के जोन बांटे, अगरकर मुंबई में रहेंगे–** चयनकर्ताओं की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर मुंबई में रहेंगे, जबकि एसएस दास कोलकाता से मैच देखेंगे। वहीं आरपी सिंह और अजय रात्रा एनसीआर क्षेत्र में मौजूद रहेंगे, जबकि प्रज्ञान ओझा बेंगलुरु और हैदराबाद में मुकाबलों पर नजर रखेंगे।

### अफगान टीम के खिलाफ टेस्ट में सीनियर टीम उतारेगा भारत

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में भारत अपनी फुल–स्ट्रेंथ टीम उतारेगा। हालांकि इस मैच में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अंक नहीं मिलेंगे, फिर भी टीम मैनेजमेंट इसे हल्के में नहीं ले रहा है। अगस्त से मार्च के बीच भारत को 9 टेस्ट खेलने हैं, ऐसे में सभी रेड–बॉल खिलाड़ी इस मुकाबले में उपलब्ध रहेंगे। यह भी तय माना जा रहा है कि बुमराह और सिराज, अगर आईपीएल के दौरान फिट रहते हैं, तो अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट स्क्वॉड का हिस्सा होंगे।

## सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स आईपीएल 2026 से बाहर

- पैर की चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे; 28 मार्च को पहला मैच

**हैदराबाद (एजेंसी)।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की शुरुआत से पहले सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को एक और बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया के उभरते हुए सीम–बॉलिंग ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स पैर की चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। 25 साल के एडवर्ड्स को हैदराबाद ने पिछले ऑक्शन में 3 करोड़ रुपए में खरीदा था। इस सीजन में एडवर्ड्स अपना आईपीएल डेब्यू करने वाले थे, लेकिन अब उन्हें इसके लिए अगले साल तक इंतजार करना होगा। वे 2025 के ऑक्शन में खरीदे गए इकलौते अनकैप्ड (जिन्होंने इंटरनेशनल मैच न खेला हो) विदेशी खिलाड़ी थे। हालांकि, ऑक्शन के बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना इंटरनेशनल डेब्यू कर लिया था।

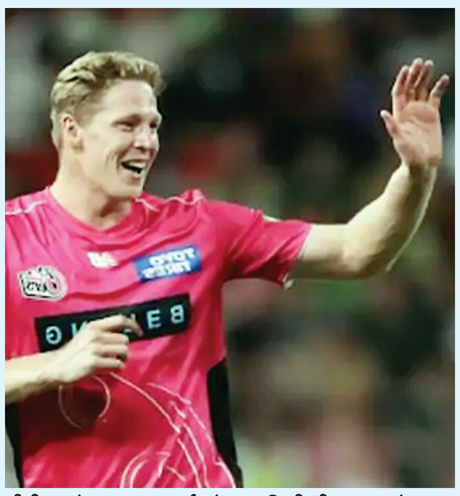

**बीबीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद मिली थी जगह–** जैक एडवर्ड्स ने बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025–26 के सीजन में सिडनी सिक्सर्स के लिए जबरदस्त खेल दिखाया था। उन्होंने 13 मैचों में 19 विकेट झटके और 133 रन बनाए थे। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें आईपीएल ऑक्शन में मोटी रकम मिली थी। बीबीएल फाइनल के चार दिन बाद ही उन्होंने पर्थ में पाकिस्तान के खिलाफ अपना टी–20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था। हालांकि, वह मैच उनके लिए खास नहीं रहा और उन्होंने 2 ओवर में 25 रन दिए और बल्ले से सिर्फ 5 रन बना सके थे।

**कमिंस की गैरमौजूदगी में ईशान किशन संभालेंगे कमान–** एडवर्ड्स का बाहर होना हैदराबाद के लिए दोहरी मुसीबत जैसा है। टीम के नियमित कप्तान पैट कमिंस भी शुरुआती मैचों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। कमिंस अपनी कमर की चोट से उबर रहे हैं। उनकी अनुपस्थिति में टीम मैनेजमेंट ने भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को कप्तानी सौंपी है। ईशान किशन इस सीजन में हैदराबाद की कमान संभालते नजर आएंगे।

**28 मार्च को आरसीबी से होगा पहला मुकाबला–** सनराइजर्स हैदराबाद अपने अभियान की शुरुआत 28 मार्च को करेगी। सीजन के पहले ही मैच में उनका सामना डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। यह मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम अब जैक एडवर्ड्स के रिप्लेसमेंट की तलाश कर रही है, जिसकी घोषणा जल्द की जा सकती है।

## एशियाई कप से बाहर होने के बाद ईरानी टीम का तेहरान पहुंचने पर भव्य स्वागत

**तेहरान (एजेंसी)।** ईरान की राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम का यहां लौटने के बाद भव्य स्वागत किया गया जबकि कई खिलाड़ियों ने आस्ट्रेलिया में शरण मांगी थी। मिडफील्डर फातिमा शबान ने कहा, सबसे पहले तो मैं ईरान आकर बहुत खुश हूं क्योंकि यह हमारा देश है। दर्शकों ने झंडे लहराए और कुछ खिलाड़ियों के हाथ में गुलदस्ते भी थे। शबान ने

अनुवादित बयान में कहा, मैने सोचा नहीं था कि इतने लोग हमारा स्वागत करने आएंगे। मुझे ईरान की बेटी होने की खुशी है। ईरान की दो महिला खिलाड़ी फातिमा पसंदिदेह और आतिफा रमेजानिसादेह आस्ट्रेलिया में ही रूक गई हैं और ब्रिसबेन रोर क्लब के साथ अभ्यास कर रही हैं। ईरान के महिला एशियाई कप से बाहर होने के बाद कुछ ने ऑस्ट्रेलिया में शरण मांगी थी। लेकिन बाद में इरादा बदलते हुए कहा कि वे ईरान लौटना चाहते हैं। ईरान की टीम युद्ध शुरू होने से पहले 28 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट खेलने पहुंची थी।

## आईपीएल में पहली बार सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय

**कमिंस बाहर तो ईशान ने कमान संभाली, 6 कैप्टन पहली ट्रॉफी जीतने की दौड़ में**

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** आईपीएल के 19 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा होगा जब सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय होंगे। सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस के शुरुआती मैचों से बाहर होने के बाद फ्रेंचाइजी ने उनकी जगह ईशान किशन को कप्तानी सौंपी है। इसके साथ ही टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में सभी टीमों की कमान भारतीय खिलाड़ियों के हाथ में होगी। पिछले सीजन में भी हैदराबाद के पैट कमिंस को छोड़कर बाकी सभी टीमों के कप्तान भारतीय ही थे।

**टीम और कप्तान**

### धोनी और रोहित सबसे सफल कप्तान

आईपीएल इतिहास में सबसे सफल कप्तानों की बात करें तो महेंद्र सिंह धोनी (सीएसके) और रोहित शर्मा (मुंबई) शीर्ष पर हैं। दोनों ने अपनी–अपनी टीमों को 5–5 बार चैंपियन बनाया है। धोनी के नाम सबसे ज्यादा मैच (229) और जीत (134) दर्ज हैं, जबकि रोहित ने मुंबई इंडियंस को पांच खिताब दिलाए हैं।

### ईशान किशन पहले बार किसी आईपीएल की कप्तानी करेंगे

ईशान किशन पहली बार आईपीएल में कप्तानी करते नजर आएंगे। मौजूदा 10 कप्तानों में 6 ऐसे हैं, जो अपनी पहली ट्रॉफी की तलाश में हैं। इनमें ऋतुराज गायकवाड़, रियान पराग, शुभमन गिल, अजिंक्य रहाणे, ईशान किशन और ऋषभ पंत शामिल हैं। वहीं, बाकी 4 कप्तान पहले ही खिताब जीत चुके हैं। श्रेयस अय्यर ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को चैंपियन बनाया था, रजत पाटीदार ने 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को खिताब दिलाया, जबकि हार्दिक पांड्या ने 2022 में गुजरात टाइटंस को ट्रॉफी जिताई थी।

श्रेयस अय्यर इकौलते कप्तान जो तीन फ्रेंचाइजियों को फाइनल तक पहुंचाया श्रेयस अय्यर आईपीएल इतिहास के इकलौते कप्तान हैं, जिन्होंने तीन अलग–अलग फ्रेंचाइजियों को फाइनल तक पहुंचाया है। उन्होंने 2020 में दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल तक पहुंचाया, जहां टीम को मुंबई इंडियंस से हार मिली थी।

## भारत 2028 में वर्ल्ड इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

- एशिया का चौथा देश बनेगा, भुवनेश्वर में होगा आयोजन, अब तक मेडल नहीं

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** भारत को 2028 वर्ल्ड इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी मिली है। भुवनेश्वर इस टूर्नामेंट की होस्ट सिटी होगा। यह पहली बार होगा जब यह आयोजन भारत में किया जाएगा। भारत की मेजबानी वाली बोली को वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल ने पोलैंड के टोरून में हुई बैठक में मंजूरी दी। इससे पहले जनवरी में वर्ल्ड एथलेटिक्स की टीम ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम कॉम्प्लेक्स के इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया था। जनवरी में वर्ल्ड एथलेटिक्स की टीम ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम कॉम्प्लेक्स के इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया था।

### भारत को पहली बार मेजबानी मिली

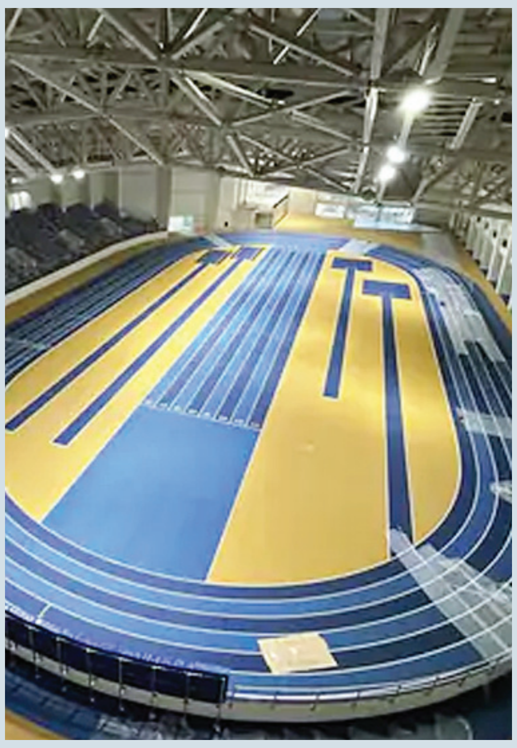

भारत इस चैंपियनशिप की मेजबानी करने वाला एशिया का चौथा देश बनेगा। इससे पहले जापान, कतर और चीन इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर चुके हैं। यह टूर्नामेंट हर दो साल में आयोजित होता है और इसकी शुरुआत 1985 में पेरिस से हुई थी। 2028 में होने वाला यह इसका 22वां संस्करण होगा।

### 2026 का एडीशन पोलैंड में होगा

2026 संस्करण टोरून (पोलैंड) में शुरू होने जा रहा है, लेकिन इसमें कोई भारतीय खिलाड़ी हिस्सा नहीं लेगा। भारत अब तक इस प्रतियोगिता में एक भी पदक नहीं जीत पाया है, जबकि अमेरिका 270 पदकों के साथ सबसे सफल देश है।

### 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी भी करेगा

भारत को 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी भी करेगा। 26 नवंबर 2025 को स्कॉटलैंड के ग्लासगो में कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स एग्जीक्यूटिव बोर्ड की बैठक के बाद अहमदाबाद को होस्ट सिटी घोषित किया गया। भारत 15 साल के बाद कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में इन गेम्स का आयोजन किया गया था। तब भारतीय खिलाड़ियों ने 38 गोल्ड समेत 101 मेडल जीते थे।

## पीएसएल में बांग्लादेशी खिलाड़ियों के खेलने पर सस्पेंस

**बीसीबी बोला-सरकार से मंजूरी मिलने के बाद ही पाकिस्तान जाएंगे प्लेयर्स, सुरक्षा कारणों से फैसला**

**ढाका (एजेंसी)।** पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में बांग्लादेशी खिलाड़ियों की भागीदारी अब सरकार की मंजूरी पर निर्भर करेगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने क्षेत्रीय तनाव को देखते हुए यह फैसला लिया है। पहले बोर्ड ने 6 खिलाड़ियों को एनओसी दिया था। इनमें मुस्तफिजुर रहमान, परवेज हुसैन एमोन (लाहौर कलंदर्स), शोरीफुल इस्लाम, नाहिद राणा, तंजीद हसन तमीम और रिशाद हुसैन (पेशावर जाल्मी) शामिल हैं। पीएसएल 26 मार्च से 3 मई तक खेला जाना है, लेकिन अब खिलाड़ियों के पाकिस्तान जाने से पहले सरकार से अनुमति ली जाएगी।

**अफगानिस्तान–पाकिस्तान सीमा पर तनाव बनी वजह–** बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के क्रिकेट ऑपरेशंस चेयरमैन नजमुल आबेदीन ने कहा कि मौजूदा हालात सामान्य नहीं हैं। अफगानिस्तान और पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव की वजह से खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर रिस्क है।

- **सरकार तय करेगी कि पाकिस्तान जाना सुरक्षित है या नहीं–** नजमुल आबेदीन ने आगे कहा कि बोर्ड के लिए वहां की जमीनी हकीकत को समझना मुमकिन नहीं है। यह काम सरकार का है। उन्होंने कहा, सरकार को वहां की सुरक्षा स्थिति के बारे में बेहतर जानकारी होगी। अगर सरकार हमें हरी झंडी देती है और कहती है कि यात्रा करना सुरक्षित है, तभी खिलाड़ी वहां जाएंगे। सैद्धांतिक रूप से हमने एनओसी देने का फैसला किया है, लेकिन सब कुछ उस समय के हालात पर निर्भर करेगा। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को घरेलू तीन वनडे मैचों की सीरीज में 2–1 से हराया।

- **न्यूजीलैंड सीरीज के लिए कैंप मिस करेंगे खिलाड़ी–** अगर सरकार से मंजूरी मिल जाती है, तो पीएसएल खेलने वाले 6 खिलाड़ी न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज के तैयारी कैंप में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। न्यूजीलैंड की टीम 13 अप्रैल को बांग्लादेश दौरे पर आ रही है, जहां उसे 3 वनडे और 3 टी–20 मैच खेलने हैं। वनडे सीरीज 17 अप्रैल से शुरू होगी, जबकि टी–20 सीरीज 27 अप्रैल से 2 मई के बीच खेली जाएगी।
- **वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन को देखते हुए आंशिक एनओसी–** बीसीबी ने खिलाड़ियों को आंशिक एनओसी जारी किया है ताकि वे न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध रहें। बांग्लादेश इस समय आईसीसी वनडे रैंकिंग में नौवें नंबर पर है और अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने की कोशिश में है। पाकिस्तान को 2–1 से हराने के बाद बांग्लादेश की नजरें अब न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज कर अपनी रैंकिंग सुधारने पर हैं।

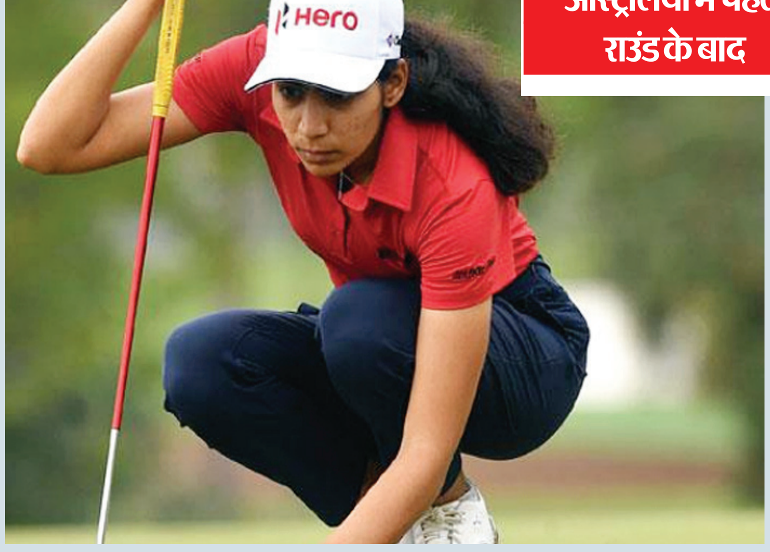


**ऑस्ट्रेलिया में पहले राउंड के बाद**

# दीक्षा संयुक्त आठवें स्थान पर

**गोल्ड कोस्ट (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)।** पार-71 सैंक्चुअरी कोव गोल्फ एंड कंट्री क्लब में हो रही ऑस्ट्रेलियन डब्ल्यूपीजीए चैंपियनशिप के पहले राउंड के बाद भारतीय खिलाड़ियों में दीक्षा डागर सबसे आगे रहीं। उन्होंने 4-अंडर 67 का मजबूत शुरुआती राउंड खेला और लीडरबोर्ड पर संयुक्त रूप से 8वें स्थान पर रहीं। वह लीडर केल्सी मैकडॉनल्ड (64) से चार शॉट पीछे हैं, जिन्होंने अपने शुरुआती राउंड के साथ एक नया कोर्स रिकॉर्ड बनाया है। हिताशी बख्शी का शुरुआती राउंड भी काफी अच्छा रहा; उन्होंने 2-अंडर 69 का स्कोर बनाकर अपने हफ़्ते की शुरुआत की। इस प्रतियोगिता में शामिल अन्य भारतीय खिलाड़ी प्रणवी उर्स (72) और वाणी कपूर (73) हैं, जिनके लिए हफ़्ते की शुरुआत थोड़ी मुश्किल रही। उन्होंने क्रमशः 1-ओवर 72 और 2-ओवर 73 का स्कोर किया। वे अभी संयुक्त-68 और संयुक्त -81 स्थान पर हैं। दीक्षा का दिन बोगी-मुक्त रहा। उन्होंने अपने राउंड की शुरुआत नौवें होल से की, जहाँ से 'बैक नाइन (अंतिम नौ होल) शुरू होते हैं। उन्होंने दसवें होल पर बर्डी बनाई, और फिर 'फ्रंट नाइन (शुरुआती नौ होल) पर तीन और बर्डी बनाकर दिन का समापन 4-अंडर पार स्कोर के साथ किया। दो बार की एलईटी विजेता दीक्षा अब संयुक्त रूप से 8वें स्थान पर हैं। हिताशी बख्शी (69), जो एलईटी पर तीन मुश्किल हफ़्तों के बाद अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाह रही हैं, ने 'फ्रंट नाइन' से शुरुआत की। चौथे, छठे और नौवें होल पर बर्डी बनाने के बावजूद, उन्होंने 'फ्रंट नाइन' पर 'इवन पार' (बराबर का स्कोर) खेला। उन्होंने पांचवें होल पर एक बोगी और आठवें होल पर एक 'डबल बोगी' बनाकर तीन शॉट गंवा दिए।

21 वर्षीय हिताशी ने 12वें और 18वें होल पर दो और बर्डी बनाई और दिन का समापन 2-अंडर पार स्कोर के साथ करते हुए खुद को संयुक्त रूप से 23वें स्थान पर पहुंचा दिया। केल्सी मैकडॉनल्ड ने शुरुआती राउंड में 7-अंडर 64 का नया कोर्स रिकॉर्ड बनाया और एक स्ट्रोक की बढ़त के साथ सबसे आगे चल रही हैं। स्थानीय स्टार हन्ना ग्रीन दूसरे स्थान पर हैं और इंग्लैंड की शार्लेट हीथ के साथ मिलकर लीडर से सिर्फ एक स्ट्रोक पीछे हैं। ग्रीन बेहतरीन फॉर्म में नजर आ रही हैं; उन्होंने पिछले हफ्ते ही एडिलेड में जीत हासिल की थी, और उससे ठीक दो हफ्ते पहले सिंगापुर में अपना सातवां एलपीजी खिताब जीता था।

## संक्षिप्त समाचार

### तुगलकाबाद किले में अतिक्रमण के सर्वे में देरी पर दिल्ली एचसी सख्त

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ऐतिहासिक तुगलकाबाद किले में अतिक्रमण की पहचान के लिए सर्वे

कराने में हुई देरी पर नाराजगी जताते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि सरकार विरासत को सहेजने के महत्व से इनकार नहीं कर सकती है। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तेजस कारिया की की पीठ ने चेतावनी देते हुए कहा जब अदालत अधिकारियों को समन भेजना शुरू करेगी, तब उन्हें इसकी गंभीरता का एहसास होगा। पीठ ने कहा कि सितंबर–2025 से मार्च तक का समय तो सरकार ने सिर्फ सर्वे के लिए एजेंसी तय करने में ही लगा दिया। उक्त टिप्पणियों के साथ पीठ ने सर्वे प्रक्रिया पूरी करने के लिए चार महीने का और समय दिया। अदालत ने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार को सर्वे कमेटी बनाने में ही छह महीने लग गए। इतना ही नहीं कमेटी अब तक यह भी तय नहीं कर पाई कि सर्वे शुरू हो। पीठ ने कहा कि यह सरकार की नहीं हमारी की विरासत है और हमें इसकी रक्षा करनी है। पीठ ने कहा कि सरकार को मूल निवासियों और दुकान खोलने वालों के बीच फर्क करना होगा। पीठ ने निर्देश दिया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) डायरेक्टर जनरल द्वारा सर्वे टीम के लिए पुलिस सहायता व सुरक्षा की मांग करने पर पुलिस आयुक्त द्वारा इसकी व्यवस्था कराई जाएगी। अदालत ने कहा कि टीम की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी पुलिस कमिश्नर की होगी। साथ ही पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि एएसआइ द्वारा नियुक्त की गई सर्वे एजेंसी इस मामले में व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार और जवाबदेह होगी। सुप्रीम कोर्ट से यह मामला हाई कोर्ट को स्थानांतरित किया गया था और हाई कोर्ट विरासत स्थल से अतिक्रमण हटाने और बेदखल किए गए लोगों के पुनर्वास की प्रक्रिया की निगरानी कर रहा है। पूर्व में हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने स्मारकों को संरक्षित करने और सभी प्रकार के अतिक्रमणों तथा अवैध निर्माणों से मुक्त कराने पर जोर दिया था।

### रिहायशी इलाकों में चल रही व्यावसायिक गतिविधियों की भी होगी जांच

**पश्चिमी दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी में आग लगने की घटनाओं पर पूर्ण अंकुश लगाने के लिए दिल्ली सरकार ने निर्णायक कदम उठाते हुए

अग्नि सुरक्षा मिशन की शुरुआत की है। प्रदेश के मंत्री आशीष सूद आदेश दिया है कि अब सुरक्षा मानकों में कोई ब्लाइंड स्पाट यानि अनदेखा क्षेत्र नहीं होगा। इस नए अभियान के तहत अब केवल औद्योगिक क्षेत्र ही नहीं, बल्कि आवासीय क्षेत्रों में चल रहे वाणिज्यिक गतिविधियों व प्रतिष्ठानों की भी सघन जांच की जाएगी। मंत्री ने कहा कि इस मिशन में पारदर्शिता और गति सुनिश्चित करने के लिए तीसरे पक्ष से आडिट कराने का निर्देश दिया है। ये विशेषज्ञ शहर के हर छोटे–बड़े प्रतिष्ठान की मैपिंग करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि वे सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन कर रहे हैं या नहीं। मंत्री ने कहा कि हर कर्मचारी और हर परिवार को सुरक्षित महसूस करने का हक है, चाहे वे कहीं भी हों। हम दिल्ली से सुरक्षा की अनदेखी के दौर को खत्म कर रहे हैं।

# लोड, खराब वायरिंग से आग का खतरा; विशेषज्ञों ने बताई सावधानियां

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी में बढ़ती बिजली खपत, आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का तेजी से बढ़ता इस्तेमाल और पुराने घरों की जर्जर वायरिंग बड़े हादसों की वजह बन रही है। हाल के पालम अग्निकांड जैसी घटनाएं इस खतरे की गंभीरता को उजागर करती हैं, जिसमें एक ही परिवार के नौ लोगों की जान चली गई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि घरों में अधिक लोड और खराब वायरिंग के कारण शॉर्ट सर्किट की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे आग लगने का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। ऐसे में समय-समय पर घरों की इलेक्ट्रिकल जांच कराना बेहद जरूरी है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, पुराने मकानों में वायरिंग बदलवाना और उच्च गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रिकल उपकरणों का इस्तेमाल करना जरूरी है। लापरवाही बरतने पर गर्मियों में आग लगने की घटनाएं बढ़ सकती हैं और लोगों की जान भी जोखिम में पड़ सकती है। गर्मियों में एयर कंडीशनर, कूलर, पंखे और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का अधिक इस्तेमाल होने से वायरिंग पर लोड बढ़ जाता है और शॉर्ट सर्किट का खतरा बढ़ जाता है। ज्यादा तापमान की वजह से गैस सिलिंडर, पेट्रोल, केमिकल या दूसरी ज्वलनशील चीजों का दबाव बढ़ जाता है, जिससे लीकेज या धमाके का खतरा बढ़ जाता है। गर्मी के मौसम में तापमान बहुत ज्यादा हो जाता है। इससे कागज, लकड़ी, प्लास्टिक और कपड़े जैसी चीजें जल्दी आग पकड़ लेती हैं। गर्मी में माहौल और चीजें बहुत सूखी हो जाती हैं। सूखी घास, कूड़े, लकड़ी या कपड़ों में एक छोटी सी चिंगारी भी बड़ी आग में बदल सकती है। गर्मी की तेज हवाएं छोटी आग को भी तेजी से फैलाकर बड़े हादसे में बदल सकती हैं। नए मकान में वायरिंग कराते समय अच्छी गुणवत्ता की केबल, सही लोड कैलकुलेशन और ब्रांडेड स्विच-एमसीबी लगवाएं। अच्छी

क्वालिटी की वायरिंग 20-25 साल तक सुरक्षित मानी जाती है, लेकिन नमी, ओवरलोड और खराब इंस्टालेशन से इसकी उम्र कम हो सकती है। यदि मकान 15-20 साल पुराना है और बार-बार स्पार्किंग, फ्यूज उड़ना या स्विच गर्म होना जैसी समस्याएं आती हैं, तो पूरी वायरिंग की जांच कराएं। जरूरत पड़ने पर री-वायरिंग भी कराएं। एसी के लिए अलग लाइन और उचित क्षमता का एमसीबी होना चाहिए। पतली वायरिंग या मल्टी-प्लग से एसी चलाना खतरनाक हो सकता है। गीजर के साथ अर्थिंग और ईएलसीबी (अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर) लगाना जरूरी है। गीजर ऑन होने पर नहाने से बचें और समय-समय पर इसकी जांच कराएं।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए अलग चार्जिंग प्वाइंट, सही वायरिंग और ओवरलोड प्रोटेक्शन जरूरी है। सामान्य सॉकेट से चार्जिंग करना जोखिम भरा हो सकता है। बिजली वितरण कंपनी डिस्काम की ओर से दी गई सलाह

समय-समय पर अपने घर की आंतरिक वायरिंग चेक करवाएं क्योंकि खराब आंतरिक वायरिंग सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हो सकती है। यह शॉर्ट सर्किट व आग की घटनाओं का एक प्रमुख कारण है। घर में एक टेस्टर रखें, ताकि यह पता लग सके कि कहीं आपके घर में करंट तो लीक नहीं हो रहा है। बिजली के झटकों व दुर्घटनाओं से बचने के लिए ईएलसीबी यानी अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर लगवाएं। अपने बिजली के सिस्टम को ओवरलोड न करें। आपका जितना स्वीकृत यानी सैंक्शंड बिजली लोड है, उसी के हिसाब से बिजली उपकरणों का इस्तेमाल करें। यह बताता है कि आप कितनी बिजली की खपत कर रहे हैं। बिजली बिल पर आपका सैंक्शंड लोड भी लिखा होता है। बिजली मीटर को अपने घर व परिसर के बाहर शिफ्ट करवाएं। यह आपकी सुरक्षा के लिए आवश्यक है। अपने बिजली मीटर के आसपास कोई भी इलेक्ट्रिकल या मैकेनिकल सामान न रखें। जिस जगह पर मीटर बॉक्स लगा है, वह साफ हो और वहां कूड़ा-कचरा तथा कोई भी ज्वलनशील पदार्थ न रखा हो। मीटर बॉक्स तक पहुंच आसान होनी चाहिए।

## पालम अग्निकांड: क्या डिजिटल ऑटोमैटिक ताले बने 9 जिंदगियों की मौत के जिम्मेदार, कमरों में फंस गए थे लोग

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पालम के राम चौक में हुए भीषण अग्निकांड में सामने आ रहे नए पहलुओं ने हादसे को और भयावह बना दिया है। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि घर में लगे अत्याधुनिक बिजली से संचालित डिजिटल ऑटोमैटिक लॉडिजिडिक, आग के दौरान बिजली कटने के बाद बंद हो गए और कई लोग अपने-अपने कमरों में फंस गए।

वहीं, मोटर रूम से आग की शुरुआत, फायर सेफ्टी उपकरणों का विफल होना और बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता आग की चपेट में होना, इन सभी कारणों ने मिलकर नौ जिंदगियों को निगल लिया। जांच में सामने आया है कि घर के लगभग हर कमरे में ऑटोमेटिक डिजिटल लाक लगाए गए थे, जो बिजली से संचालित होते हैं। आशंका है कि आग लगने के बाद घर के एमसीबी ट्रिप हो गए और साथ ही एहतियातन बिजली विभाग ने भी इलाके की बिजली काट दी। ऐसे में ये लाक बंद हो गए होंगे, जिन्हें बिजली आने तक खोला नहीं जा सकता। इसी कारण कई लोग अपने कमरों में ही फंस गए होंगे। वहीं, जांच के दौरान कमल, उनकी पत्नी आशु और उनकी तीन बेटियां नीहारिका, इवानी और जेसिका के शव उनके कमरे के अंदर मिले। बताया जा रहा है कि उनका कमरा अंदर की ओर था, जिससे उन्हें आग का देर से पता चला और तब तक दरवाजे बंद हो चुके थे। वहीं राजेंद्र कश्यप की पत्नी लाडो, जो एक पैर से दिव्यांग थीं, और उनकी बेटी हिमांशी का शव कमरे के बाथरूम में जली अवस्था में मिला। आशंका है कि दरवाजा नहीं खुलने पर दोनों बचने के लिए बाथरूम में चली गईं, जहां पानी की टंकी भी चालू पाई गई, लेकिन धुएं ने उनकी जान ले ली। परिवार ने सुरक्षा के लिहाज से घर और दुकान में फायर सेफ्टी बाल लगा रखी थीं। यह उपकरण आग लगने पर तीन-पांच सेकंड में फटकर आग बुझाने का काम करता है और लगभग 86-107 वर्ग फुट क्षेत्र में प्रभावी होता है। हालांकि इस हादसे में यह भी बेअसर साबित हुआ। आशंका है कि जहां ये उपकरण लगाए गए थे, वहां तक आग पहुंचने से पहले ही आग तेजी से फैल चुकी थी या इनके सक्रिय होने के बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका। प्रारंभिक जांच में संभावना जताई गई है कि इमारत के मुख्य द्वार के पास बने मोटर रूम से आग की शुरुआत हुई।

## नेतन्याहू बोले- यूएस को युद्ध में हमने नहीं घसीटा, दावा - ईरान की परमाणु-मिसाइल क्षमता लगभग खत्म

**तेल अवीव, एजेंसी।** इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के साथ चल रहे युद्ध को लेकर बड़े दावे किए हैं। उन्होंने कहा, इस्राइल और अमेरिका के साझा हवाई हमलों के बाद अब ईरान के पास यूरेनियम संवर्धन करने या बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की ताकत नहीं बची है। नेतन्याहू के अनुसार, इस्राइल यह युद्ध जीत रहा है और ईरान की सैन्य शक्ति लगभग तबाह हो चुकी है। विदेशी मीडिया से बात करते हुए

नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइली सेना उन कारखानों को निशाना बना रही है, जहां मिसाइल और परमाणु हथियारों के पुर्जे बनते थे। उन्होंने दावा किया कि ईरान का मिसाइल और ड्रोन भंडार अब खत्म होने की कगार पर है। हालांकि, उन्होंने ईरान की परमाणु क्षमता खत्म होने के दावों के पक्ष में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया।

नेतन्याहू ने उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया कि उन्होंने अमेरिका को इस युद्ध में जबरदस्ती घसीटा है। उन्होंने कहा कि इस्राइल ने ईरान में जो भी कार्रवाई की, वह उसका अपना स्वतंत्र फैसला था। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बचाव करते हुए कहा, 'क्या किसी को सच में लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप को कोई बता सकता है कि उन्हें क्या करना है?' नेतन्याहू के मुताबिक, ट्रंप हमेशा वही फैसला लेते हैं जो अमेरिका के लोगों के लिए अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि इस्राइल और अमेरिका की सेनाएं और खुफिया एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं, जिससे युद्ध के लक्ष्य तेजी से पूरे हो रहे हैं। अपनी सेहत को लेकर चल रही अफवाहों पर चुटकी लेते हुए नेतन्याहू ने कहा, 'सबसे पहले मैं यह कहना चाहता हूं कि मैं जिंदा हूं।

# फिर विवादों में जोहरान ममदानी की पत्नी, फलस्तीन के समर्थन में पुराने पोस्ट वायरल

**न्यूयॉर्क , एजेंसी।** न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी की पत्नी और शहर की प्रथम महिला रमा दुवाजी जांच के दायरे में आ गई हैं। रमा दुवाजी पर नस्लीय टिप्पणी और फलिस्तीनी उग्रवादी नेताओं के समर्थन में पोस्ट करने के आरोप लगे हैं।

वाशिंगटन फ्री बीकन की रिपोर्ट में 28 वर्षीय रमा दुवाजी की 2013 से 2017 के बीच सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में बताया गया है।

### ममदानी की पत्नी पर लगे गंभीर आरोप

वाशिंगटन फ्री बीकन की रिपोर्ट के मुताबिक, रमा दुवाजी ने अपनी किशोरावस्था के अंतिम वर्षों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के अकाउंट से विवादित पोस्ट शेयर किए।

रिपोर्ट के अनुसार, रमा दुवाजी ने 2013 में, सोशल मीडिया पोस्ट में एक नस्लीय गाली का इस्तेमाल किया। उस समय उनकी उम्र करीब 15 साल रही होगी। रिपोर्ट में पॉपुलर फ्रंट फॉर द लिबरेशन ऑफ पैलेस्टाइन से जुड़े लोगों की प्रशंसा करने वाली पोस्ट के बारे में भी बताया गया है। अमेरिका इसे एक आतंकवादी संगठन मानता है।

रमा दुवाजी ने 2013 से 2017 के बीच एक पोस्ट रीशेयर किया था। इस पोस्ट में लिखा था, तेल अवीव को धिक्कार है। उसे तो अस्तित्व में ही नहीं होना चाहिए। वे कब्जा करने वाले हैं। रिपोर्ट में दुवाजी के सोशल मीडिया पर शेयर किए गए कई पोस्ट के बारे में भी जानकारी दी गई है। दुवाजी ने एक और पोस्ट रीशेयर किया था, जिसमें लिखा था, उन्हें दिखाओ कि फलस्तीन में रातोंरात पिंजरों में बंद, जिंदा जलाए गए और भूख से मर गए बच्चों को। रिपोर्ट में अमेरिकी सेना और इजरायल की आलोचना करने वाली पोस्ट का जिक्र भी किया गया है। रमा दुवाजी का एक और पोस्ट सामने आया है, जिसमें उन्होंने अमेरिकी सेना के बारे में लिखा है कि न तो वे बहादुर हैं और न ही किसी की आजादी के लिए लड़ रहे हैं।

# आंतों की समस्या बन सकती है कैंसर की वजह

### वैज्ञानिकों ने किया चौंकाने वाला खुलासा

**लंदन , एजेंसी।** दुनियाभर में कैंसर के बढ़ते मामलों के बीच वैज्ञानिकों ने एक अहम खोज की है, जो आंत में रहने वाले बैक्टीरिया और कोलन कैंसर के बीच संबंध को और स्पष्ट करती है। अमेरिका के शोधकर्ताओं द्वारा की गई यह स्टडी प्रतिष्ठित जर्नल में प्रकाशित हुई है। इस शोध में पहली बार विस्तार से बताया गया है कि आंत में मौजूद कुछ बैक्टीरिया हमारे डीएनए को किस तरह नुकसान पहुंचाकर कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं।

हमारी आंत में कई तरह के बैक्टीरिया रहते हैं, जिन्हें मिलाकर गट माइक्रोबायोम कहा जाता है। इनमें से कुछ बैक्टीरिया हमारे पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद होते हैं। लेकिन कुछ खास प्रकार के बैक्टीरिया एक जहरीला पदार्थ (टॉक्सिन) बनाते हैं, जिसे कोलिबैक्टिन कहा जाता है।

सामान्य स्थिति में ये बैक्टीरिया नुकसान नहीं पहुंचाते, लेकिन कुछ परिस्थितियों में यही टॉक्सिन शरीर के लिए खतरनाक बन सकता है। वैज्ञानिकों को पहले से अंदाजा था कि कोलिबैक्टिन डीएनए को नुकसान पहुंचा सकता है और इसका संबंध कोलोरेक्टल कैंसर से हो सकता है, लेकिन इसे विस्तार से समझना मुश्किल था क्योंकि यह टॉक्सिन बहुत

जल्दी टूट जाता है।

इस नए शोध में वैज्ञानिकों ने आधुनिक तकनीकों जैसे मास स्पेक्ट्रोमेट्री और न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस का इस्तेमाल किया। इन तकनीकों की मदद से उन्होंने कोलिबैक्टिन के काम करने के तरीके को गहराई से समझा। रिसर्च में सामने आया कि यह टॉक्सिन डीएनए को किसी भी जगह नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि खास हिस्सों को निशाना बनाता है। यह डीएनए के उन भागों पर असर करता है, जहां एडेनिन और थाइमिन की मात्रा अधिक होती है।

कोलिबैक्टिन डीएनए की दोनों स्ट्रैंड्स को आपस में जोड़ देता है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में इंटरस्ट्रैंड क्रॉस-लिंक कहा जाता है। इससे डीएनए सही तरीके से कॉपी (रिप्लिकेट) या खुद की मरम्मत (रिपेयर) नहीं कर पाता। यही गड़बड़ी आगे चलकर कैंसर का कारण बन सकती है।

शोध में यह भी पाया गया कि यह टॉक्सिन डीएनए के एक खास हिस्से, जिसे माइनर ग्रूव कहा जाता है, में जाकर चिपकता है। इसकी बनावट ऐसी होती है कि यह बिल्कुल सही जगह पर फिट हो जाता है ठीक लॉक और की (ताला-चाबी) की तरह। इससे वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिली कि कोलोरेक्टल कैंसर के कई मरीजों में एक जैसे डीएनए बदलाव क्यों देखने को मिलते हैं। यह जानकारी भविष्य में कैंसर की बेहतर पहचान और इलाज के लिए बहुत उपयोगी हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस खोज के आधार पर आने वाले समय में: ऐसे टेस्ट विकसित किए जा सकते हैं, जो आंत में मौजूद खतरनाक बैक्टीरिया की पहचान कर सकें नई दवाएं बनाई जा सकती हैं, जो कोलिबैक्टिन बनने से रोकें।

## अफगानिस्तान पर हमला कर इस्लामी दुनिया के निशाने पर आया पाकिस्तान, मुस्लिम धर्मगुरुओं ने की निंदा

**काबुल, एजेंसी।** अफगानिस्तान पर हवाई हमला कर 400 लोगों की जान लेने के चलते पाकिस्तान इस्लामी दुनिया के भी निशाने पर आ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुस्लिम विद्वान संघ ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के हवाई हमले की कड़ी निंदा की है। अफगानिस्तान के टोलो न्यूज ने यह जानकारी दी है। मुस्लिम विद्वानों ने पाकिस्तानी हमले को इस्लामी सिद्धांतों और अंतरराष्ट्रीय कानून, दोनों का उल्लंघन बताया। टोलो न्यूज के अनुसार, मुस्लिम धर्मगुरुओं ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता जताते हुए पाकिस्तान और उसके सैन्य नेतृत्व से इस तरह की कार्रवाईयों को तुरंत रोकने की अपील की और साथ ही रिहैब अस्पताल पर हवाई हमले की जांच कराने की भी मांग की। मुस्लिम धर्मगुरुओं के संघ ने जांच के लिए पारदर्शी, स्वतंत्र आयोग का गठन करने की अपील भी की। इससे पहले पाकिस्तान ने ईद–उल–फितर के चलते मित्र इस्लामी देशों के अनुरोध पर अफगान तालिबान के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन गजब लिल हक को अस्थायी तौर पर रोकने का फैसला किया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने बुधवार को यह जानकारी दी। तरार ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'आगामी इस्लामी त्योहार ईद–उल–फितर के मद्देनजर, अपनी पहल पर और साथ ही सऊदी अरब साम्राज्य, कतर और तुर्किये जैसे मित्र इस्लामी देशों के अनुरोध पर, इस्लामी गणराज्य पाकिस्तान की सरकार ने अफगानिस्तान में आतंकवादियों और उनके ठिकानों के खिलाफ ऑपरेशन गजब लिल हक को अस्थायी विराम देने का फैसला किया है।' अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बीते दिनों एक अस्पताल पर हुए पाकिस्तानी हवाई हमले में कम से कम 400 लोग मारे गए और करीब 250 घायल हो गए।

## दिल्ली में दमकल केंद्र के लिए जमीन तो है, पर बजट नहीं

**पश्चिमी दिल्ली, एजेंसी।** देश की राजधानी में आबादी का दबाव और कंक्रीट का जंगल जिस रफ्तार से बढ़ा है, उस अनुपात में अग्नि सुरक्षा के इंतजाम आज भी 25 साल पीछे है। सरकारी उदासीनता का आलम यह है कि दिल्ली अग्निशमन सेवा के पास 13 नए दमकल केंद्रों के लिए जमीन उपलब्ध है, करोड़ों का भुगतान हो चुका है और चारदीवारी भी की जा चुकी है, लेकिन बजट की कमी के चलते एक ईंट तक नहीं रखी गई है। उपनगरी द्वारका इस बदइंतजामी का सबसे खौफनाक चेहरा है। यह इलाका बेहद संवेदनशील है क्योंकि इसके पास ही आइजीआइ एयरपोर्ट और इंडियन आयल का डिपो स्थित है। सेक्टर-3 और सेक्टर-20 में दमकल केंद्र के लिए 1999 में जमीन आवंटित हुई थी। 27 साल बीत जाने के बाद भी यहां निर्माण कार्य शून्य है। फिलहाल उपनगरी द्वारका केवल एक दमकल केंद्र के भरोसे है। किसी बड़ी अनहोनी की स्थिति में यहां दूरदराज के स्टेशनों से गाड़ियां बुलानी पड़ती हैं, जिससे कीमती समय बर्बाद होता है। पालम में ऐसा देखने को भी मिला, जब स्काई लिफ्ट के लिए गाड़ी कनाट प्लेस से बुलानी पड़ी।

द्वारका के अलावा आनंद पर्वत, बुढनपुर माजरा, नरेला, गाजीपुर में दमकल केंद्र के लिए जमीन उपलब्ध है। लेकिन इन जगहों पर भी निर्माण शुरू नहीं हुआ। बुढनपुर माजरा में दकमल केंद्र के साथ ट्रेनिंग सेंटर भी बनना है। वसंत कुंज और ओखला जैसे क्षेत्रों में विभाग की बेबसी का आलम यह है कि वहां पक्की इमारत के बजाय पोर्टा केबिन (टीन के अस्थायी ढांचे) से काम चलाया जा रहा है।

## दिल्ली–एनसीआर में ठंडी हवाओं के साथ बूंदाबांदी, 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर के शहरों में लगातार तीन दिन से हल्की बारिश का दौर जारी है। आज शुक्रवार को भी तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी से सुबह की शुरुआत हुई। ठंडी हवाओं के साथ बारिश की फुहारों से मौसम भी ठंडा हो गया। गुरुवार को लगातार दूसरे दिन भी दिल्ली में तेज हवाओं के साथ वर्षा का दौर जारी रहा। इससे दिन का तापमान तेजी से गिरा एवं मार्च का महीना बीते तीन वर्षों में सबसे अधिक वर्षा वाला बन गया, जिसमें औसतन 9.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई। गुरुवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री कम 26.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस महीने का अब तक का सबसे कम तापमान है। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.1 डिग्री अधिक 17.6 डिग्री दर्ज किया गया। वर्षा रात साढ़े आठ बजे तक 0.8 मिमी रिकॉर्ड हुई। लगातार बादल छाए रहने और रुक-रुक कर हुई वर्षा ने कई दिनों से तल्ख गर्मी से जूझ रहे शहर को राहत दी। दिल्ली के बेस स्टेशन सफदरजंग में गुरुवार 19 मार्च तक औसतन 9.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि सामान्य मासिक औसत 12.6 मिमी है। पिछली बार मार्च में इससे अधिक वर्षा 2023 में दर्ज की गई थी, जब मासिक कुल वर्षा 50.4 मिमी थी ।

# प्रदूषण की रोकथाम के लिए पर्यावरण विदों को बजट में चाहिए ठोस प्रावधान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बेहतर पर्यावरण की दिशा में इस बार दिल्ली सरकार द्वारा ग्रीन बजट पेश किए जाने की चर्चा है। ऐसे में 24 मार्च को पेश होने वाले इस बजट से पर्यावरण विशेषज्ञों को भी काफी अपेक्षाएं हैं। वहीं, उनका कहना है कि ग्रीन बजट केवल कागजी दस्तावेज नहीं होना चाहिए बल्कि उसमें राजधानी की पर्यावरणीय स्थिति में सुधार के लिए कुछ ठोस प्रविधान भी किए जाएं। बजट का आवंटन हो, लेकिन उन्हें खर्च वहां किया जाए, जहां उसके परिणाम निकल सकें। स्थानीय स्तर पर प्रदूषण दूर करने की रणनीति भी बजट में शामिल की जाए।

दिल्ली के पिछले बजटों में संसाधनों को जुटाने पर ध्यान था, लेकिन इस बार बजट में अनुपालन, प्रभाव आकलन एवं जन-भागीदारी लाने पर जोर दिया जाना चाहिए। इस बार के बजट में क्लीन मोबिलिटी को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके लिए सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाने, दोपहिया और व्यावसायिक वाहनों के लिए ईवी को प्रोत्साहित करने और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में व्यस्ततम घंटों के दौरान निजी वाहनों का उपयोग घटाने की जरूरत पर फोकस करना चाहिए। सड़कों के किनारों को पूरी तरह से पक्का बनाने, पुराने लैंडफिल साइटों का शत-प्रतिशत ट्रीटमेंट करने जैसे कदम भी उठाए जाने चाहिए। इस बजट में क्षेत्रीय सहयोग की भी झलक दिखाई देनी चाहिए। दिल्ली के बजट में गतिशीलता और व्यापक सुधारों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हमें ई-बसों के एक मजबूत बेड़े की खरीद के साथ-साथ मध्यम और भारी माल वाहनों के आक्रामक विद्युतीकरण के लिए ठोस वित्तीय प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। इसके अलावा, अब समय आ गया है कि हम केवल प्रदूषण के प्रबंधन से हटकर प्रदूषण के स्रोतों के प्रबंधन पर भी ध्यान दें। इसके लिए डेटा सिस्टम पर खर्च बढ़ाने की आवश्यकता है। बजट में एक व्यापक रणनीति झलकनी चाहिए जो पूरे एनसीआर में उत्सर्जन भार में पूर्ण कटौती का लक्ष्य रखे। - सुनील दहिया, संस्थापक एवं मुख्य विश्लेषक, एन्वायरोकैटेलिस्ट

प्रदूषण सभी के लिए स्वास्थ्य संबंधी चिंता का विषय है। अस्पताल के खर्च न केवल आर्थिक संसाधनों की हानि हैं, बल्कि कार्यबल की हानि के साथ-साथ परिजनों के लिए तनाव और चिंता का कारण भी बनते हैं। जीवन रक्षक सेवाओं के नियंत्रण और रोकथाम में निवेश करने से न केवल आम जनता का स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि समाज को भी राहत मिलती है। इसलिए दिल्ली के बजट में ऐसे प्रस्ताव, रणनीति व धन आवंटन का समावेश हो, जो वर्तमान व भावी पीढ़ियों के स्वास्थ्य के लिए एक निवेश का काम करे। दिल्ली को कूड़े के पहाड़ से मुक्ति दिलाना, यमुना की सफाई और स्थानीय प्रदूषण की जड़ पर प्रहार को लेकर बजट में लक्ष्यबद्ध तथा ठोस प्रविधान किए जाने चाहिए।

## संक्षिप्त समाचार

### फल मंडी में गला रेत कर युवक की हत्या

**धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** शहर के व्यस्त इलाका रणधीर वर्मा चौक के समीप हीरापुर बाजार समिति फल मंडी में शुक्रवार सुबह एक सनसनी खबर आग की तरह फैल गई, फल मंडी में एक युवक का खून से लथपथ शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान रोहित सिंह उम्र लगभग 20 वर्ष हुई है। जानकारी के अनुसार रोहित सिंह मूल रूप से बोकारो जिला का रहने वाला था और कई वर्ष पहले रोजी-रोटी की तलाश में अपने पिता के साथ धनबाद में आकर बस गया था। वह हीरापुर में मजदूरी कर अपना जीवन यापन कर रहा था। स्थानीय लोगों ने बताया कि बीती रात भी रोज की तरह काम खत्म करने के बाद पास की एक दुकान की छत पर सोने चला गया था। शुक्रवार की सुबह चप्पल मंडी के दुकानदार और स्थानीय लोग शौचालय के लिए बाहर निकले तब उनकी नजर एक बंद दुकान के सामने पड़े युवक के शव पर पड़ी। लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पास के थाना को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर जांच में जुट गई,। जांच में युवक के गले पर किसी तेज हथियार से वार का गहरा निशान पाया गया। धारदार हथियार से गला रेत कर युवक की हत्या कर दी गई है। घटना के बाद फल मंडी में दहशत का माहौल बना हुआ है। आसपास के दुकानदारों में भय का माहौल बन गया है।

### धनबाद जिला परिषद की 6 दुकानों की हुई नीलामी

**धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने जिला परिषद कार्यालय में आज निरसा हटिया स्थित जिला परिषद की दुकानों की नीलामी की। नीलामी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उप विकास आयुक्त ने बताया कि आज निरसा हटिया की छह दुकानों की नीलामी हुई। शेष दुकानों की नीलामी के लिए फिर से आवेदन मंगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नीलामी की प्रक्रिया पूरे पारदर्शि तरीके से संपन्न हुई। प्रत्येक दुकान के लिए दो से तीन आवेदन प्राप्त हुए। दुकानों का प्रतिमाह एक हजार रुपए किराया है। नीलामी में सुरक्षा जमा राशि के लिए 1 लाख, 1.50 लाख व एक दुकान के लिए अधीकतम 5.50 लाख की बोली लगी। उन्होंने बताया कि तोपचांची, निरसा हटिया तथा धनबाद सदर में जिला परिषद की कई दुकानें खाली है। शीघ्र इसकी विस्तृत सूची प्रकाशित की जाएगी। जिसके बाद इच्छुक व्यक्ति नीलामी में भाग ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि जिला परिषद कार्यालय के जीर्णोद्धार और सुविधाओं को लेकर भी प्रस्ताव तैयार किया गया है।

### मुख्य सचिव ने एसएनएमएमसीएच का किया निरीक्षण

**आधुनिकतम अस्पताल बनाने के लिए दी जाएगी हर सुविधा**

**धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** झारखंड के मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने शुक्रवार को शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पीजी बिल्डिंग 1, 2 एवं 3, इमरजेंसी वार्ड सहित अस्पताल की अन्य संरचनाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन के साथ बैठक कर विभिन्न बिंदुओं पर गहन विचार विमर्श किया। निरीक्षण के बाद मुख्य सचिव ने कहा कि उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं को समझने के लिए आज निरीक्षण किया है। राज्य सरकार चाहती है कि राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज अच्छे रहे। उनमें हर सुविधा हो। आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को कोई भी परेशानी न हो। इसी उद्देश्य से आज निरीक्षण किया। इस क्रम में अस्पताल को स्टेट ऑफ द आर्ट (आधुनिकतम) अस्पताल बनाने, मरीजों की बढ़ती संख्या का बेहतर मैनेजमेंट, चिकित्सक एवं फैकेल्टी, यहां की भूमि का बेहतर उपयोग, पुरानी एवं नई बिल्डिंग को जोड़ने के लिए मार्ग सहित अन्य व्यवस्था का आकलन किया है। मुख्य सचिव ने कहा कि अस्पताल की सभी कमी पूरी होगी। संरचनाएं विकसित होगी। हर समस्या का निराकरण होगा। अस्पताल को आधुनिकतम बनाने के लिए राज्य सरकार हर जरूरत पूरी करेगी। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं। सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए ठोस निर्णय लिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव अविनाश कुमार के साथ उपायुक्त आदित्य रंजन, अस्पताल के अधीक्षक डॉ डी.के. गिन्दोरिया, प्राचार्य डॉ राम कृष्ण महतो, वरीय अस्पताल प्रबंधक डॉ सी.एस. सुमन, नोडल सुपर स्पेशियलिटी डॉ रवि भूषण, डॉ अनिमेष सहित कई विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

# ईद, सरहुल व रामनवमी को लेकर सिटी थाना में शांति समिति की बैठक

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** सिटी थाना क्षेत्र में ईद, सरहुल और रामनवमी को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। शांति और सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से सिटी थाना में शांति समिति की एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी समुदायों के लोगों ने हिस्सा लिया। ईद, सरहुल और रामनवमी जैसे महत्वपूर्ण त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर सिटी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सभी समुदायों के गणमान्य लोगों ने भाग लिया और आपसी भाईचारे को बनाए रखने पर जोर दिया गया। इस दौरान प्रशासन की ओर से त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत जानकारी दी गई। जुलूस के लिए समय सीमा और निर्धारित रूट लाइन तय कर दी गई है, जिसका पालन सभी को करना होगा। प्रशासन ने साफ किया है कि सुरक्षा के मद्देनजर ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। इसके साथ ही पर्याप्त संख्या में मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। संवेदनशील इलाकों में विशेष चौकसी बरती जाएगी और जरूरत के अनुसार बैरिकेडिंग भी की गई है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके। सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने कहा कि त्योहारों को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जुलूस की समय सीमा और रूट तय कर दिए गए हैं। ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी। हम सभी नागरिकों से अपील करते हैं कि वे शांति और भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं।" प्रशासन की अपील है कि सभी लोग मिल-जुलकर त्योहार मनाएं और क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बनाए रखें।

## ईद पर शांति व्यवस्था बरकरार रखने को कार्यरत रहेगा जिला नियंत्रण कक्ष

**धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** ईद-उल-फितर को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार तथा एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्रीमती हेमा प्रसाद ने संयुक्त आदेश जारी कर जिले को कतरास, धनबाद, चिरकुंडा, तोपचांची, झरिया, गोविंदपुर एवं टुंडी जोन में बांटा है। सभी जोन में जोनल दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी तथा सभी थाना व ओपी में पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी मौजूद रहेंगे। साथ ही सभी थाना क्षेत्र में पुलिस का चलंत दस्ता लगातार भ्रमणशील रहेगा। क्विक रिस्पॉन्स टीम भी मौजूद रहेगी। ईद-उल-फितर के अवसर पर 21 मार्च की सुबह 6 बजे से 22 मार्च की सुबह 6 बजे तक जिला नियंत्रण कक्ष कार्यरत रहेगा। अनुमंडल दंडाधिकारी श्री लोकेश बारंगे जिला नियंत्रण कक्ष के संपूर्ण प्रभार में रहेंगे। जबकि डीएसपी सीसीआर श्री सुमित कुमार पुलिस पदाधिकारी के वरीय प्रभार में रहेंगे। जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या 0326 - 2311807, 112 है। जिला नियंत्रण कक्ष में सभी उत्पाद निरीक्षक एवं अवर उत्पाद निरीक्षक भी रहेंगे। जो उत्पाद विभाग से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर नियंत्रण कक्ष में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

**सभी थाना व ओपी में रहेंगे दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी**

ईद-उल-फितर के अवसर पर धनबाद, बैंक मोड़, सरायढेला, धनसार, झरिया, जोरापोखर, सुदामडीह, पाथरडीह, तिसरा, सिंदरी, बलियापुर, केंदुआडीह, पुटकी, लोयाबाद, जोगता, कतरास, राजगंज, महुदा, मधुबन, बरोरा, तेतुलमारी, बाघमारा, तोपचांची, हरिहरपुर, बरवाअड्डा, गोविंदपुर, टुंडी, पुर्वी टुंडी, मनियाडीह, निरसा, चिरकुंडा थाना तथा भूली ओपी, घनुआडीह, बोर्रागढ़, भौंरा, लोदना, अलखडीहा, गौशाला, मुनिडीह, भागाबांध, अंगारपथरा, कपूरिया, रामकनाली, गोंदुडीह, खरखरी, ईस्ट बसुरिया, सोनारडीह, धमार्बांध, कालूबथान, कुमारधुबी, मैथन, गलफरबाड़ी, खरखरी, भाटडीह एवं पंचेत ओपी में पुलिस पदाधिकारियों के साथ साथ दंडाधिकारी तथा चलंत दस्ता रहेगा।

**लगातार भ्रमणशील रहेगा पुलिस का चलंत दस्ता**

पुलिस का चलंत दस्ता लगातार भ्रमणशील रहेगा। वहीं अनुमंडल दंडाधिकारी, सभी डीएसपी, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, साइबर डीएसपी, साइबर थाना प्रभारी व्हाट्सएप ग्रुप सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार नजर बनाए रखेंगे। साथ-साथ समन्वय स्थापित करते हुए पूरे अनुमंडल क्षेत्र में विधि व्यवस्था संधारण के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

**44 थाना क्षेत्र में रहेगी विशेष निगरानी**

ईद-उल-फितर के अवसर पर लोयाबाद, जोगता, बाघमारा, बरोरा, निरसा, चिरकुंडा कुमारधुबी, तोपचांची, हरिहरपुर, धनबाद, बैंक मोड़, जोरापोखर, सिंदरी, बलियापुर, गोविंदपुर, कतरास, झरिया, महुदा, तिसरा, गोविंदपुर, टुंडी सहित 44 थाना क्षेत्र में प्रशासन की विशेष निगरानी रहेगी। ईद-उल-फितर के अवसर पर सोशल मीडिया पर भ्रामक, आपत्तिजनक, लोक शांति या विधि व्यवस्था को प्रभावित करने वाली सामग्री पर पुलिस के सोशल मीडिया मोनिटरिंग सेल की विशेष निगरानी रहेगी। ऐसा करने वालों के विरुद्ध विधि सम्मत एवं नियमानुकूल कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त आदेश में विधि व्यवस्था एवं प्रशासनिक नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए सभी राजपत्रित पदाधिकारी एवं पर्यवेक्षक ईद-उल-फितर के उपलक्ष्य में घोषित अवकाश की अवधि के दौरान भी बिना पूर्व अनुमति मुख्यालय से बाहर नहीं जाएंगे। साथ में सभी कोटि के पुलिसकर्मियों का अवकाश भी स्थगित रहेगा। संयुक्त आदेश में पेयजल आपूर्ति, साफ सफाई, विद्युत आपूर्ति सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों को लेकर दिशा निर्देश दिए गए हैं।

## सरहुल पर्व को लेकर विशेष यातायात व्यवस्था रहेगी लागू

**एसडीओ चास ने कई रूटों में किया डायवर्जन**

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** सरहुल पर्व के अवसर पर 21 मार्च को चास - बोकारो शहर में विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं,बच्चे एवं युवक-युवतियाँ पारंपरिक जुलूस में सम्मिलित होकर नयामोड़ चौक पर एकत्रित होंगे। इस दौरान यातायात एवं विधि-व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) चास सुश्री प्रांजल ढ़ांडा द्वारा विशेष यातायात व्यवस्था की गई है। यह व्यवस्था दिनांक 21.03.2026 को अपराह्न 03:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे तक प्रभावी रहेगी।

**यातायात डायवर्जन व्यवस्था:-**

- उकरीद मोड़ से नयामोड़ मार्ग: उकरीद मोड़ से नयामोड़ की ओर आने वाले सभी वाहनों को पुलिस लाइन मोड़ होते हुए बायें सेक्टर-12 मोड़ की ओर डायवर्ट किया जाएगा।
- सेक्टर-4 से उकरीद मोड़ मार्ग: सेक्टर-4 से उकरीद मोड़ की ओर आने वाले वाहनों को राजेन्द्र चौक से बायें राम मंदिर चौक, वहाँ से दाहिने हवाई अड्डा मार्ग होते हुए सेक्टर-12 मोड़ से बायें पुलिस लाइन मोड़ की ओर भेजा जाएगा।
- चास से उकरीद मोड़ मार्ग: चास की ओर से आने वाले वाहनों का परिचालन हवाई अड्डा मार्ग से सेक्टर-12 मोड़ होते हुए बायें पुलिस लाइन मोड़ की ओर रहेगा।
- भारी वाहनों पर प्रतिबंध: माराफारी की ओर से उकरीद मोड़ की दिशा में जाने वाले भारी वाहनों का परिचालन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

सभी संबंधित थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में निर्धारित समय एवं स्थान पर वाहनों को नियंत्रित एवं डायवर्ट करना सुनिश्चित करें। आम नागरिकों से अनुरोध है कि वे उक्त यातायात व्यवस्था का पालन करें एवं वैकल्पिक मार्गों का उपयोग कर प्रशासन का सहयोग करें, ताकि सरहुल पर्व शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

## बोकारो जनरल अस्पताल में 'बिडू' द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** बोकारो इस्पात संयंत्र के बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) स्थित रक्त केंद्र परिसर में आज 'बोकारो इस्पात डिप्लोमाधारी यूनियन' (बिडू) के सौजन्य से एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक (चिकित्सा/स्वास्थ्य सेवा) डॉ. बी.बी. करुणामय द्वारा फीता काटकर किया गया. रक्तदान शिविर में बिडू के सदस्यों ने अत्यंत उत्साह के साथ सक्रिय भागीदारी निभाई, जिसके फलस्वरूप कुल 20 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया. रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य थैलेसीमिया से पीड़ित मरीजों के लिए रक्त की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा समाज में रक्त की कमी के कारण होने वाली जनहानि को रोकने हेतु जागरूकता का प्रसार करना है. कार्यक्रम के दौरान रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि एक यूनिट रक्त के माध्यम से तीन व्यक्तियों का बहुमूल्य जीवन बचाया जा सकता है. स्वास्थ्य मानकों के अनुसार, 18 से 60 वर्ष की आयु का कोई भी स्वस्थ पुरुष वर्ष में चार बार और एक स्वस्थ महिला वर्ष में तीन बार स्वेच्छा से रक्तदान कर सकती है. विशेषज्ञों ने इस भ्रांति को भी दूर किया कि रक्तदान करने से शरीर में किसी भी प्रकार की कमजोरी आती है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है. रक्तदान शिविर के सफल संचालन और प्रबंधन में बोकारो जनरल अस्पताल के रक्त केंद्र के सहायक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र कुमार, झारखंड सरकार की काउन्सलर कविता कुमार, सिस्टर रजीता एक्का, विनिता सोरेंग तथा लैब टेक्नीशियन विवेकानंद मुखर्जी, मोजेज, सोनू, विभूतिका एवं कौशल ने सराहनीय भूमिका निभाई. यूनियन के पदाधिकारियों ने भी इस स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया.

## आईआईटी आईएसएम में 22 व 23 मार्च को प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन 'मिशन वाई' का आयोजन

**धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** आईआईटी आईएसएम पर्यावरण विभाग में आगामी 22 व 23 मार्च को आयोजित होने वाले प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन मिशन वाई के लिए शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस अयोजित किया गया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस को भारत के जानेमाने जलविज्ञानी एवं पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. अंशुमाली और धनबाद जिला नमामि गंगे कार्य समिति के सदस्य अरुण राय ने सम्बोधित किया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अंशुमाली ने राष्ट्रीय कार्यक्रम के मुख्य उदेश्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि प्राकृतिक जलधाराओं की संख्या और लम्बाई में तेजी से हो रही गिरावट और छोटे जलक्षेत्रों के विलुप्त होने की समस्या का समाधान करना है, साथ ही नदी रेड लिस्ट श्रेणी और मानदंड आरआरएलसीसी ढांचे का परिचय और प्रचार करना है। यह राष्ट्रीय सम्मेलन नदी पुनर्जीवन के लिए एक वैज्ञानिक भूमि अधिग्रहण नीति की आवश्यकता पर भी प्रकाश डालता है।

मूलरूप से राष्ट्रीय आयोजन भूमि उपयोग और भूमि आवरण में हो रहे बदलावों और जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर सतत जलक्षेत्र बहाली के लिए शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी निकायों, उद्योगों और गैर-सरकारी संगठनों के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है। इस कार्यक्रम में देश के जानेमाने नदी विशेषज्ञों का जमावड़ा हो रहा है जो निरंतर भारत प्रयाद्वीप में जल संरक्षण एवं संवर्धन प्रति सतत कार्य कर रहे हैं। मुख्य वक्ताओं में दामोदर बचाओ आंदोलन के प्रणेता सरयू रॉय, डॉ. आर. के. सिन्हा (डॉल्फिन मैन), और डॉ. राजेद्र सिंह (वाटर मैन) अपने अनुभवों से इस राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करेंगे। साथ ही साथ देश के महत्पूर्ण शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं नियामक संस्थानो (आईआईटी रुड़की, आईआईटी खड़गपुर, सीयूएसबी, सीयूजे, सिम्फर, नीरी, आईआईटी बॉम्बे, आईएफपी रांची, सीजीडब्ल्यूबी, सीएसआईआर, वन विभाग झारखंड, युगांतर भारती आदि) से शोधकर्ता अपने शोध पत्रों के माध्यम से नदियों के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए नीति निर्धारण की वैधानिक समीक्षा करेंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए, अंशुल शरण (अध्यक्ष युगांतर भारती), अरुण राय (धनबाद समन्वयक), सुरेंद्र (बोकारो समन्वयक), शोध विद्वान रोजा एलिजा, राहुल पांडे आदि का विशेष सहयोग रहेगा। प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन मिशन का शुभारम्भ 22 मार्च को होने से विश्व जल दिवस 2026 के विषय जल और लैंगिक समानता में महिलाओं की भूमिका को सशक्त बनाने पर विशेष रूप से केंद्रित रहेगा।

## स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत व्यापक स्वच्छता अभियान का आयोजन

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** बोकारो इस्पात संयंत्र के टाउनशिप में जारी 'स्वच्छता पखवाड़ा' अभियान के तहत आज नगर प्रशासन विभाग द्वारा एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया. यह अभियान कार्यकारी मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) लंबोदर उपाध्याय के कुशल नेतृत्व तथा उप महाप्रबंधक (नगर सेवा-जन स्वास्थ्य) तरुण श्रीवास्तव एवं सहायक प्रबंधक (नगर सेवा-जन स्वास्थ्य) विनोद टिग्गा के सक्रिय सहयोग से संपन्न हुआ. इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्रों में स्वच्छता की स्थिति में सुधार करना और निवासियों के बीच नागरिक जिम्मेदारी एवं स्वच्छता का संदेश प्रसारित करना था. स्वच्छता कर्मियों की टीम ने पूरी तैयारी और आवश्यक उपकरणों के साथ सेक्टर-09 बसंती मोड़ से लेकर स्ट्रीट-2 के कोने और वहां से सेक्टर-09ए मस्जिद तक के विस्तृत क्षेत्र में गहन सफाई अभियान चलाया. अभियान के दौरान सड़कों के किनारे जमा कचरे, मलबे और गंदगी को व्यवस्थित रूप से हटाया गया. विशेष रूप से सड़कों की सफाई और खुले क्षेत्रों के सुंदरीकरण पर ध्यान दिया गया ताकि परिवेश पूरी तरह से स्वच्छ और स्वास्थ्यप्रद बना रहे. इस दौरान स्थानीय नागरिकों और दुकानदारों को भी अपने आस-पास सफाई बनाए रखने और कूड़ेदान का नियमित उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया. वरीय अधिकारियों ने स्वयं उपस्थित रहकर कार्यों की निगरानी की और स्वच्छता कर्मियों का उत्साहवर्धन किया, जिससे यह अभियान योजनाबद्ध और समयबद्ध तरीके से पूर्ण हुआ. अभियान के पश्चात लक्षित क्षेत्र की स्वच्छता में उल्लेखनीय सुधार देखा गया, जिसकी स्थानीय निवासियों ने सराहना की और संतोष व्यक्त किया.

## विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्क्रीनिंग शिविर का किया गया आयोजन

**जन्म से लेकर हर उम्र तक के लोग अपने अपने मुख की स्वास्थ्य देखभाल करे : सिविल सर्जन**

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद के निर्देश में मनाए जा रहे विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम के तहत सभी सीएचसी, पीएचसी एवं 123 आयुष्मान आरोग्य मन्दिर में ओरल स्क्रीनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य पदाधिकारियों को जिला स्तर पर प्रशिक्षित किया गया था। निर्देश दिया गया कि यह अभियान एक माह तक समुदाय स्तर पर जारी रखें और हर आयु के लोगो की मुंह की जांच करें। इस संदर्भ में सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद ने बताया कि जन्म से लेकर हर उम्र तक मुंह के स्वास्थ्य की जांच अवश्य करना चाहिए। छोटे बच्चों के मसूढों को स्वच्छ गीले कपडे से साफ करना चाहिए। 6 वर्ष के उम्र तक के बच्चों के दांतों की साफ सफाई माता पिता अपने निगरानी में करें। बड़ों को सुबह और सोने से पहले दो मिनट तक टूथ पेस्ट से ब्रश करें। खराब मुख स्वास्थ्य से मुंह के कैंसर, हृदय रोग, निमोनिया, मधुमेह, इत्यादि बीमारियों का दुष्प्रभाव पड़ता है। सिविल सर्जन बोकारो ने प्रशिक्षण के दौरान बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 172151 व्यक्तियों का मुंह की जांच एवं स्क्रीनिंग की गई, जिसमें कुल 387 व्यक्तियों के अन्दर ओरल कैंसर से सम्बन्धित लक्षण प्राप्त हुए है, जिसके जांच हेतु आगे रेफर किया गया है। साथ ही अन्त में सिविल सर्जन के द्वारा सभी सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि स्क्रीनिंग को और बढ़ाए। सभी दन्त चिकित्सा पदाधिकारी का सहयोग लेते हुए समुदाय स्तर पर कैम्प का आयोजन करें। इस कार्यक्रम में नोडल पदाधिकारी डॉ सुधा सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक हिना अग्रवाल, जिला परामर्शी मो असलम, जिला कार्यक्रम सहायक आरती मिश्रा उपस्थित थी।

## जनता दरबार में 45 से अधिक मामलों की हुई सुनवाई, त्वरित निष्पादन के निर्देश

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** समाहरणालय स्थित सभागार में शुक्रवार को आयोजित हम आपको सुनते हैं (जनता दरबार) कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने आम जनता की समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। इस दौरान जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 45 से अधिक आवेदकों की समस्याओं/शिकायतों पर गंभीरता से विचार किया गया। डीडीसी ने प्राप्त सभी आवेदनों को संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को अग्रसारित करते हुए शीघ्र जांच कर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में बाकसपुरा, बहादुरपुर निवासी अंकित अपने पिता के साथ पहुंचे। उन्होंने सांस लेने में हो रही परेशानी से अवगत कराया। डीडीसी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

**विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों पर हुई सुनवाई**

जनता दरबार में जेएसएलपीएस, चास अंचल, शिक्षा विभाग, राजस्व विवाद, सामाजिक सुरक्षा समेत विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। सभी मामलों पर क्रमवार सुनवाई करते हुए त्वरित समाधान की दिशा में पहल की गई।

# बोकारो जिला सलाहकार समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की तिमाही बैठक सम्पन्न

**जरूरतमंदों को समय पर ऋण उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें : उपायुक्त**

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला सलाहकार समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की तिमाही बैठक उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न बैंकों के कार्यों, सीडी रेशियो, एसएचजी लोन, वार्षिक ऋण योजना की प्रगति, एसीपी बकाया, प्राथमिकता क्षेत्र की जमा राशि के आधार पर समीक्षा, सरकारी योजनाओं की प्रगति एवं वित्तीय समावेशन से संबंधित मुद्दों की विस्तृत समीक्षा की गई। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, एलडीएम आबिद हुसैन, डीडीएम नवार्ड फीलोमन बिलुंग एवं आरबीआई के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

**केवल आंकड़ों तक सीमित न रहें-**

बैठक के दौरान सभी बैंकों के एनालिसिस की समीक्षा के संबंध में उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि सभी बैंक एवं संबंधित विभाग अपने-अपने लक्ष्य के अनुरूप कार्य करें और केवल आंकड़ों तक सीमित न रहें, बल्कि जमीनी स्तर पर वास्तविक लाभुकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि योजनाओं की प्रगति का नियमित विश्लेषण किया जाए, ताकि यह पता चल सके कि किन क्षेत्रों में कमी है और उसमें समय रहते सुधार किया जा सके। उन्होंने कहा कि जिन योजनाओं में प्रगति धीमी है, वहां विशेष रणनीति बनाकर कार्य करने की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि डेटा आधारित समीक्षा से ही सही स्थिति सामने आती है, इसलिए सभी विभाग एवं बैंक पारदर्शिता के साथ अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत करें और आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें, ताकि जिले का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

**जरूरतमंदों को समय पर ऋण उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें-**

उपायुक्त अजय नाथ झा ने सभी बैंक शाखा प्रबंधकों को निर्देश दिया कि वे सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड-अप इंडिया योजना एवं किसान क्रेडिट कार्ड के तहत अधिक से अधिक लाभुकों को जोड़ने हेतु सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को समय पर ऋण उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, ताकि स्वरोजगार को बढ़ावा मिल सके और जिले का समग्र विकास हो। उन्होंने लंबित ऋण आवेदनों के निष्पादन में तेजी लाने, लक्ष्य के अनुरूप ऋण वितरण सुनिश्चित करने तथा सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने बैंकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए संतोष व्यक्त किया, साथ ही जहां प्रगति अपेक्षाकृत धीमी है, वहां सुधार लाने का भी निर्देश दिया।

**ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चले-**

बैठक में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया। उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ना आवश्यक है, ताकि अधिक से अधिक लोग डिजिटल एवं औपचारिक बैंकिंग प्रणाली का लाभ उठा सकें। मौके पर विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि, अग्रणी जिला प्रबंधक एवं जिले के विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित थे। बैठक में सभी ने समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का संकल्प लिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com